जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 196 प्रभात अजमेर, शुक्रवार 14 फरवरी, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अमेरिका में भारी समर्थन प्राप्त हो रहा है ट्रम्प को ''डिपोर्टेशन'' नीति का सख्ती से पालन करने के लिये

पिउ रिसर्च द्वारा किये गये सर्वे के अनुसार, 59 प्रतिशत अमेरिकी वयस्क ट्रम्प के इस निर्णय से सहमत हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 फरवरी। अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट करने और अमेरिकी-मैक्सिको सीमा पर सैन्य उपस्थिति को मजबूत करने की राष्ट्रपति ट्रम्प की पहल को जनता का भारी समर्थन मिल रहा है। बड़ी संख्या में अमेरिकन लोग इन क्षेत्रों में ट्रम्प की कार्रवाइयों का समर्थन करते हैं।

प्यू रिसर्च सर्वेक्षण के अनुसार, 59 प्रतिशत अमेरिकी वयस्क उन व्यक्तियों को निर्वासित करने के प्रयासों को मंजूरी देते हैं जो देश में अवैध रूप से रह रहे हैं, जिसमें से 35 प्रतिशत लोग इस नीति का मजबूत समर्थन करते हैं। इसके अतिरिक्त, 58 प्रतिशत लोग सीमा पर अधिक सैन्य बल भेजने के पक्ष में हैं। जिसमें 35 प्रतिशत लोग इस निर्णय का मजबूत समर्थन करते हैं।

हालांकि, ट्रंप के आप्रवासन संबंधी कार्यकारी आदेशों के अन्य तत्वों को जनता ने खास पसंद नहीं किया है। उदाहरण के लिए, केवल 47 प्रतिशत लोग ट्रंप के उस प्रस्ताव का समर्थन करते हैं जिसमें उन शहरों और राज्यों को दी जाने वाली संघीय निधि में कटौती करने का कहा गया है जो निर्वासन प्रयासों में सहायता नहीं करते, जबकि 52 प्रतिशत लोग इसका विरोध करते हैं। इसी तरह, केवल 44 प्रतिशत लोग उस प्रस्ताव का समर्थन करते हैं जिसमें अमेरिका में बसने की इच्छा रखने वालों के लिए शरण आवेदन पर रोक लगाने की बात की गई है, जबकि 55 प्रतिशत लोग इसका विरोध करते हैं।

जातीय और नस्लीय समूहों में भी ट्रंप की आप्रवासन नीतियों को लेकर अलग-अलग स्तर का समर्थन नज़र आया है। इसमें श्वेत वयस्कों का समर्थन सामान्य रूप से अन्य समूहों की तुलना में अधिक है, खासकर अश्वेत वयस्क प्रशासन की कार्रवाइयों के प्रति सबसे कम समर्थन दर्शाते हैं। हिस्पैनिक्स (स्पेन आदि देशों के लोग) की तुलना में एशियाई अमेरिकन्स ने ट्रम्प की नीतियों के प्रति ज्यादा समर्थन दर्शाया पर उनकी संख्या श्वेत अमेरिकन्स से कम है। जातीय समूहों में समर्थन में भिन्नताएं होने के बावजूद, राजनीतिक ध्रुवीकरण की अब भी एक महत्वपूर्ण भूमिका है।

रिपब्लिकन के बीच, ट्रम्प की आप्रवासन कार्रवाइयों का समर्थन नस्लीय और जातीय लाइन्स से परे काफी अधिक है। उदाहरण के लिए, लगभग 91 प्रतिशत श्वेत रिपब्लिकन निर्वासन में वृद्धि का समर्थन करते हैं, और 92 प्रतिशत सीमा पर सैन्य उपस्थिति बढ़ाए जाने का समर्थन करते हैं। हिस्पैनिक रिपब्लिकन का समर्थन कम है, जिसमें केवल 69 प्रतिशत लोग निर्वासन बढ़ाने का समर्थन करते हैं और 75 प्रतिशत सीमा पर अतिरिक्त सैन्य बलों का समर्थन करते हैं। श्वेत रिपब्लिकन ने हिस्पैनिक रिपब्लिकन की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पर, ट्रम्प के ''इमिग्रेशन'' से संबंधित अन्य ''एग्ज़ीक्युटिव आदेश'' को यह समर्थन नहीं मिल रहा। उदाहरण के लिये उन प्रदेशों को केन्द्रीय सहायता (फण्डिंग) कम करने का निर्णय, जो ट्रम्प सरकार की ''डिपोर्टेशन'' नीति लागू करने में मदद नहीं करते, 52 प्रतिशत लोग इस आदेश के खिलाफ हैं।
- श्वेत अमेरिकी ट्रम्प की इन नीतियों के पक्ष में हैं, पर, अश्वेत अमेरीकियों में इन नीतियों का ज्यादा समर्थन नहीं दिख रहा। एशिया मूल के अमेरिकी, हिस्पैनिक मूल अमेरिकी नागरिकों से ज्यादा समर्थन देते नज़र आये, सर्वे के अनुसार।
- रिपब्लिकन पार्टी के 74 प्रतिशत सदस्य मानते हैं, सरकार डिपोर्टेशन नीति के तहत उपयुक्त कार्यवाही कर रही है। जबकि, 73 प्रतिशत डैमोक्रेट्स मानते हैं, ट्रम्प प्रशासन कुछ ज्यादा ही सख्ती दिख रहा है, ''डिपोर्टेशन'' के मामलों में।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू

नयी दिल्ली, 13 फरवरी। केंद्र सरकार ने डेढ़ वर्ष से भी अधिक समय से हिंसा की घटनाओं से जूझ रहे मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गुरुवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी कर राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की घोषणा की।

केंद्र ने पिछले सप्ताह राज्य के मुख्यमंत्री वीरेन सिंह द्वारा इस्तीफा देने के बाद यह कदम उठाया है।

अधिसूचना में कहा गया है कि यह कदम मणिपुर के राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति को भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर उठाया गया है। राष्ट्रपति ने इस रिपोर्ट और अन्य जानकारी पर विचार करने के बाद संविधान के अनुच्छेद 356 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने का निर्णय लिया है। राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद विधानसभा के सभी अधिकार राज्यपाल की शक्तियों के तहत आ जाएंगे।

- मणिपुर के राज्यपाल द्वारा भेजी गई रिपोर्ट के आधार राष्ट्रपति ने धारा 356 में प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल कर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की घोषणा की।

उल्लेखनीय है कि मणिपुर में पिछले डेढ़ वर्ष से भी अधिक समय से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत को यकीन है, ट्रम्प से मैत्री के कारण मोदी टैरिफ और व्यापार की दिक्कतों को लांघ जाएंगे

भारत को उम्मीद है कि मोदी और ट्रम्प की मैत्री दोनों देशों की राजनीतिक साझेदारी को नए मुकाम पर ले जाएगी

देश को विश्वास है कि मोदी की अमेरिका यात्रा में पहले की भांति मोदी और ट्रंप के संबंध मददगार साबित होंगे। टैरिफ व व्यापार की दिक्कतों को दूर करने के लिए।

वॉशिंगटन, 13 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर वॉशिंगटन पहुंच गये हैं। इस दौरान वे अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प, अमेरिकी मंत्रिमंडल के सदस्यों और उद्योग जगत के नेताओं के साथ बातचीत करेंगे।

मोदी ने गुरुवार तड़के 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वे ट्रम्प के साथ अपनी बातचीत और व्यापक द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने लिखा कि, थोड़ी देर पहले वॉशिंगटन डीसी में उतरा हूं। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प से मिलने और भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हूं। दोनों देश अपने लोगों के लाभ और हमारी दुनिया के बेहतर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- वॉशिंगटन डीसी पहुँचने के बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखी पोस्ट में कहा, वे डॉनल्ड ट्रम्प से मिलने और भारत अमेरिका के बीच वैश्विक साझेदारी बढ़ाने के लिए बेहद उत्सुक हैं।
- प्रधानमंत्री ब्लेयर हाउस में ठहरे हैं, जहाँ भारी तादाद में प्रवासी भारतीयों ने उनका स्वागत किया।

गौतम अडानी ने श्रीलंका के एक अरब डॉलर के पवन ऊर्जा प्रोजैक्ट से ''विड्रॉ'' किया

चर्चा है कि इस प्रोजैक्ट से हटकर वे मोदी सरकार को, एक और, ''विवाद में पड़ने से बचा लेंगे

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 फरवरी। मोदी सरकार को और किसी तरह की शर्मिंदगी से बचने के लिए, गौतम अडानी के समूह की रिन्युबल एनर्जी कंपनी, अडानी ग्रीन एनर्जी ने श्रीलंका में प्रस्तावित दो पवन ऊर्जा परियोजनाओं को वापस लेने का निर्णय लिया है, क्योंकि श्रीलंका की नई सरकार ने अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए कड़ी नीतियां अपनाई हैं।

कंपनी ने एक बयान में कहा, ''अडानी ग्रीन एनर्जी ने अपनी बोर्ड की बैठक में श्रीलंका में रिन्युबल एनर्जी विंड एनर्जी (पवन ऊर्जा) परियोजना और दो ट्रांसमिशन परियोजनाओं का आगे का काम रोकने का निर्णय लिया है।''

अडानी ने राजपक्षे के नेतृत्व वाली पूर्व श्रीलंकाई सरकार के कार्यकाल में ये प्रतिष्ठित परियोजनाएं हासिल की थीं। राजपक्षे शासन को बड़े पैमाने पर लोगों के विरोध के कारण उखाड़ फेंका गया था। अब राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के नेतृत्व वाली नई वामपंथी गठबंधन सरकार पूर्व सरकार की सभी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जब अडानी ग्रुप को यह प्रोजैक्ट मिला था, तो माना जा रहा था कि भारत सरकार की मदद से अडानी ग्रुप को यह प्रोजैक्ट मिला था।
- उस समय श्रीलंका के राष्ट्रपति राजपक्षे थे, पर, उनका तख्ता पलट कर, वामपंथी विचारधारा के नज़दीकी माने जाने वाले दिशानायके नये राष्ट्रपति बने और उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति द्वारा लगवाये गये सभी प्रोजैक्ट की नये सिरे से छानबीन शुरु कर दी।
- अडानी की कम्पनी ने श्रीलंका को अपने प्रोजैक्ट से 0.0826 डॉलर प्रति किलोवाट घंटा की रेट से बिजली देने का अनुबंधन किया था, पर जब से अडानी के खिलाफ अफसरों को रिश्वत देकर, भारी दाम पर बिजली बेचने का अभियोग पत्र दाखिल हुआ, श्रीलंका ने अनुबंधन को नये सिरे से देखना शुरु किया, तथा नई रेट 0.06 प्रति यूनिट निश्चित करने की तैयारी कर ली थी।

लोकसभा की कार्यवाही दस मार्च तक स्थगित

नयी दिल्ली, 13 फरवरी। बजट सत्र का प्रथम चरण पूरा होने के बाद गुरुवार को लोव सभा की कार्यवाही 10 मार्च तक के लिये स्थगित कर दी गयी।

अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही स्थगित करने से पहले कहा कि बजट सत्र के प्रथम चरण के दौरान अच्छे वातावरण में चर्चा की गयी। सदन की कार्य उत्पादकता 112 प्रतिशत रही।

- स्पीकर ओम बिड़ला ने बजट सत्र में सांसदों का सक्रिय भागीदारी करने के लिए आभार जताया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सदन में 17 घंटे 23 मिनट तक सार्थक चर्चा की गयी और इसमें 173 सदस्यों ने भाग लिया।

बिरला ने कहा कि इसी तरह बजट पर 16 घंटे 13 मिनट तक चर्चा की गयी और इस दौरान 170 सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभायी।

उन्होंने कहा कि वे अपेक्षा करते हैं कि इसी तरह सदस्यों के सहयोग से सदन की कार्यवाही आगे भी सुचारु रूप से चलेगी।

'आर.पी.एस.सी. के अफसरों के पेपर लीक में लिप्त होने के कारण एस. आई.भर्ती परीक्षा को तुरंत रद्द करना गलत उदाहरण स्थापित करेगा'

राज्य सरकार का यह भी कहना है कि एक परीक्षा रद्द करने से गिरफ्तार आर.पी.एस.सी. अफसरों की देखरेख में की गई सभी परीक्षाओं को रद्द करने का दबाव बढेगा

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 13 फरवरी । राजस्थान हाईकोर्ट में एस.आई.भर्ती परीक्षा 2022 के संदर्भ में दायर याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने अपना पक्ष रखते हुए अदालत को कहा कि याचिकाकर्ताओं ने कई अवांछित कारणों से प्रेरित होकर याचिका दायर की हैं और याचिकाकर्ताओं का अपनी याचिका में यह संकेत करना कि राज्य सरकार मामले में जांच नहीं चाहती और परीक्षा रद्द करने के खिलाफ है, बिल्कुल ही बेबुनियाद है। अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत को कहा कि राज्य सरकार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पहले एस.आई.टी. द्वारा इसकी जांच कराई, फिर जांच के दौरान आर.पी.एस.सी. अफसरों की गिरफ्तारी करने में कोई संकोच नहीं दिखाया, महाधिवक्ता द्वारा इसी मामले पर विधिक सलाह भी ली और फिर छह मंत्रियों की जांच कमेटी भी बनाई। और आज राज्य सरकार के समक्ष इस मामले में परीक्षा रद्द करने का फैसला

- ज्ञातव्य है कि आर.पी.एस.सी. अफसरों की गिरफ्तारी के बाद ही महाधिवक्ता ने सलाह दी थी कि परीक्षा को रद्द किया जाये।
- उल्लेखनीय है कि याचिकाकर्ताओं ने महाधिवक्ता की राय और एस.ओ.जी.की रिपोर्ट के हवाले से कहा है कि आपराधिक पृष्ठभूमि के कई अभ्यर्थी भी एस.आई. भर्ती के तहत पुलिस में शामिल हो गए हैं, इसलिये यह पूरी परीक्षा रद्द कर दी जानी चाहिये।
- राज्य सरकार की ओर से यह भी कहा गया है कि याचिकाकर्ता भी मामले में लाभार्थी हैं और उन्होंने कई तथ्य छुपाकर याचिका दायर की हैं। जिससे यह चर्चा शुरू हो गई है कि पिछली गहलोत सरकार में रीट परीक्षा की जांच के लिये दायर की गई याचिकाओं की तरह ही, एक बार याचिकाओं के रद्द हो जाने के बाद किसी भी बड़े अधिकारी या नेता को गिरफ्तार नहीं किया जायेगा जांच में भी ढिलाई आ जायेगी।

विचाराधीन है इसलिए याचिकाकर्ताओं की याचिका अपरिपक्व भी है।

उल्लेखनीय है कि महाधिवक्ता के समक्ष ये सभी तथ्य मौजूद थे और सभी कानूनी जटिलताओं की जानकारी थी, उसके बावजूद उन्होंने राज्य सरकार को सलाह दी थी कि वह परीक्षा को रद्द करे और 2022 के विज्ञापन के अनुसार पुनः परीक्षा ले, ताकि अदालतों में चुनौती नहीं दी जा सके। न्यायाधीश समीर जैन ने भी बहस के दौरान महाधिवक्ता द्वारा दी गई विधिक सलाह का जिक्र किया और कहा कि अतिरिक्त महाधिवक्ता आर.पी.एस.सी. के कानून और उस पर राज्य सरकार के रूख के संदर्भ में जानकारी दें। कल यह बहस जारी रहेगी।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि एस.आई.भर्ती परीक्षा 2022 में पहली नियुक्तियां सितम्बर 2023 में ही दे दी गई थीं, परंतु

(शेष अंतिम पृष्ठ)

कृषि उपज मंडियों के लिए 24 करोड़ रूपए स्वीकृत

जयपुर, 13 फरवरी। किसानों एवं व्यापारियों के लिए कृषि उपज मण्डी समितियों में अधिकाधिक सुविधाएं विकसित करने के क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 24 करोड़ रुपये से अधिक राशि के विकास कार्यों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कृषि उपज मण्डी समिति लालसोट, भवानीमण्डी, देवली एवं कोटपूतली में आधारभूत ढ ांचा विकसित करने के लिए 7 करोड़ 27 लाख रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की है। साथ ही, कृषि उपज मण्डी समिति लूणकरणसर, श्रीकरणपुर, बीकानेर (अनाज), पूगल रोड (अनाज), बीकानेर, खाजूवाला, श्रीमाधोपुर, नोखा, श्रीडूंगरगढ़ एवं पदमपुर में सम्पर्क सड़कों के निर्माण कार्य के लिए 16 करोड़ 73 लाख रुपये की स्वीकृति दी है। शर्मा द्वारा

(शेष अंतिम पृष्ठ)

- मु.मंत्री भजनलाल ने मंडियों के विकास कार्य के लिए यह राशि स्वीकृत की है।

जाने-माने चुनाव रणनीतिकार प्रशांत के लिए अब नया टारगैट है तमिलनाडु?

चर्चाओं के अनुसार, प्रशांत किशोर ने युवा फिल्म अभिनेता विजय से मुलाकात करके, तमिलनाडु की राजनीति में नई भूमिका की तलाश शुरु की है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 फरवरी। राजनेता प्रशांत किशोर के भीतर के राजनैतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने अपनी नज़रें तमिलनाडु की तरफ कर ली है। इस दक्षिणी राज्य में हालात यह है कि यहाँ कि एक प्रमुख द्रविड़ पार्टी अन्नाद्रमुक जो मुख्य विपक्षी दल भी है, बहुत कमज़ोर हो गई है। खासकर विभाजन के बाद।

इसके अलावा भाजपा, जिसने वहाँ छोटे-छोटे दलों का गठबंधन बनाया है, को लगता है कि वह अन्नाद्रमुक की जगह ले सकती है और आगामी चुनाव में द्रमुक का सामना कर सकती है।

एक ऐसा राज्य जहाँ राजनीति का फिल्मों से गहरा संबंध है, वहाँ प्रशांत किशोर ने एक्टर विजय से मुलाकात की। विजय ने हाल ही में अपने राजनैतिक इरादे खुलकर जाहिर किए हैं। वे राज्य में मुख्यमंत्री पद के दावेदार बनना चाहते हैं। उनको लगता है कि तमिलनाडु की राजनीति में एक खालीपन है, जिसमें एक युवा एवं ऊर्जावान राजनेता वह नया बदलाव ला सकता है, जिसके लिए यह राज्य तरस रहा है।

यह तो कोई नहीं जानता कि अगर एक्टर विजय ने अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा की तो उससे किसको नुकसान होगा और किसको फायदा होगा। एक्टर विजय और प्रशांत दोनों ने ही इस मुलाकात पर ज्यादा बात नहीं की, उन्होंने कहा, यह शिष्टाचार मीटिंग थी। यह मुलाकात विजय की पार्टी के प्रचार प्रमुख आधव अर्जुन ने आयोजित की थी।

- तमिलनाडु की राजनीति में अजीबो-गरीब स्थिति है। प्रमुख द्रविड़ पार्टी अन्नाद्रमुक लगातार अपना वोट खोती जा रही है। फिल्म स्टार विजय का मानना है कि 2026 के चुनाव में एक युवा नेता ही इस ''वैक्यूम'' को भर सकता है।
- इस महत्वाकांक्षा के तहत ही विजय, पूरे प्रदेश में अप्रैल माह में, एक सघन जनसंपर्क अभियान शुरु करेंगे तथा जगह-जगह ऑफिस खोलेंगे तथा कार्यकर्ताओं को सक्रिय करेंगे।
- क्या प्रशांत, विजय व अन्नाद्रमुक को एक ही मंच पर लाने का काम करेंगे, जिसमें भाजपा की भी भूमिका हो सकती है।
- तीन पार्टियाँः विजय, अन्नाद्रमुक व भाजपा अच्छी तरह जानती हैं कि अगर कोई गठबंधन नहीं हुआ और विजय अकेले ही लड़े तो एन्टी द्रमुक वोटों का विभाजन होगा और द्रमुक और मजबूत होगी और फिर ढाक के वो ही तीन पात रह जायेंगे।

फिलहाल विजय अपनी पार्टी टीवीके का जनाधार बनाने में लगे है और पूरे राज्य में इसका नैटवर्क तैयार कर रहे हैं। इससे भी उनके इरादों का संकेत मिलता है। विजय तमिलनाडु में एक राजनैतिक ताकत बनना चाहते हैं और चूंकि अन्नाद्रमुक की लोकप्रियता घट रही है, इसलिए विजय की पार्टी के सफल होने की संभावना ज्यादा हैं। ऐसी स्थिति में प्रशांत किशोर अन्नाद्रमुक के लिए भी फायदेमंद हो सकते हैं, इन अफवाहों को देखते हुए कि प्रशांत किशोर इस बार जनता की अदालत में अन्नाद्रमुक का पक्ष रखेंगे। अन्नाद्रमुक, किशोर के साथ डील साईन करने के बेहद करीब है। पर सीधे

(शेष अंतिम पृष्ठ)

समरावता में ग्रामीणों पर कार्यवाही, हाई कोर्ट ने केस डायरी मांगी

जयपुर, 13 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने देवली-उनियारा विधानसभा सीट के लिए 13 नवंबर 2024 को हुए उपचुनाव के दौरान निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा द्वारा एसडीएम को थप्पड़ मारने की घटना के बाद समरावता में ग्रामीणों के खिलाफ हुई कार्रवाई को लेकर सीबीआई जांच की मांग को लेकर दायर याचिका में राज्य सरकार से केस डायरी तलब की है। जस्टिस विनोद कुमार भारवानी ने यह आदेश दिलखुश मीणा व

(शेष अंतिम पृष्ठ)

- समरावता में ग्रामीणों के मतदान बहिष्कार पर प्रशासनिक कार्यवाही की सीबीआई जाँच की माँग करते हुए याचिका दायर की गई है। उक्त याचिका की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने केस डायरी तलब की है।

विचार बिन्दु

हर चीज़ बदलती है, नष्ट कोई चीज़ नहीं होती। –अरविन्द घोस

अवैध प्रवासी भारतीयों को हथकड़ी और बेड़ियों में भेजना न केवल अवैध था अपितु अमानवीय भी तथा इस बाबत धारा 43 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 असंवैधानिक है

अमरीका में उन लोगों को अवैध प्रवासी माना जाता है जो अवैध रूप से घुसते है और बीजा नियमों की अवज्ञा करते हैं, अथवा ऐसे लोग हैं जो वैधानिक रूप से प्रवेश करते हैं, किन्तु बीजा की मियाद के बाद रूकते हैं तथा जो पैरोल की अवधि के बाद जेल नहीं लौटते व ऐसे लोग हैं जिसका कानून के अनुसार अधिकार था, किन्तु दस्तावेजात का नवीनीकरण उन्होंने नहीं कराया। लगभग सभी देशों में यही नियम है। अवैध भारतीय प्रवासियों को उनके देश भारत भेजना डिपोर्ट करना कहलाता है।

अमेरिका के नये राष्ट्रपति ट्रम्प ने शपथ लेते ही अवैध प्रवासियों पर सख्त सामूहिक निर्वासन की घोषणा की है और उन्हें एक अमेरिका सैन्य सी-17 विमान से 104 भरतीयों को भारत भेजा है, यह विमान अमृतसर उतरा है। इनके हाथों में हथकडी व पैरों में बेडी थी, मानो वे गुलाम हों, उन्हें भूखा प्यासा भी रखा गया। उन्हें इस प्रकार भेजा जावेगा इसकी कोई जानकारी सरकार को नहीं दी गई। प्रत्येक देश अपने नागरिकों को वापिस लाता है। भारत अपने लोगों को वापिस लाता रहा है। अमेरिका में 17940 भारतीय हैं, जिनके पास रहने के कोई डोकूमेन्टस नहीं है। गत वर्ष 1529 अवैध प्रवासी भारतीयों को वापिस भेजा था। भारत में भी घुसपैठिये बहुत हैं, जिन्हें निर्वासित किया जना है।

एजेन्ट धोखे से इन्हें सही रास्ते से नहीं अपितु 'डंकी रूट' से भी ले जाते हैं। यात्रा में पहाडी भूमि और समुद्र तक आते हैं रास्ते विकट होते हैं। डिपोर्ट भारतीयों ने आरोप लगाये कि अमेरिका में उनके साथ कैदियों से भी खराब व्यवहार किया जाता है। इन्हें सैन्य विभाग में भी बहुत कष्ट दिये गये। अमानवीय व्यवहार किया गया।

अमरीका से भारतीयों को हथकडी बेडी बांध कर भेजने पर दोनों सदनों में सरकार को घेरा और विदेश मंत्री जयशंकर को जबाव देने को बाध्य किया। जयशंकर ने स्पष्ट किया कि अमरीका का अवैध भारतीय प्रवासियों की निर्वासित करने की प्रक्रिया नई बात नहीं है, यह अमरीका के नियमों के अनुसार है। विदेश मंत्री ने कहा कि यह सभी देशों का कर्त्तव्य है कि उनके नागरिकों को वह अपने यहां लेवे। भारत सरकार कह चुकी है कि अवैध प्रवासियों को पहचान करने और उन्हें वापिस लेने के लिये ट्रम्प प्रशासन के साथ काम करने को तैयार है।

सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट कह दिया है कि विदेशी घोषित लोगों को निर्वासित किया जावे। डिपोर्ट करने के लिये मुहूर्त की आवश्यकता नहीं है। हिरासत केम्पों में बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन न हो।

संसद में इस संबंध में गम्भीर बहस हुई थी और सांसदों ने यहां तक कहा कि पीएम मोदी ट्रम्प के अच्छे दोस्त हैं उन्होंने फिर ऐसा व्यवहार क्यों होने दिया? देश को ऐसे लोगों को अपने जहाज से लाना चाहिये था। प्रतिपक्ष के नेता ने कहा प्रधानमंत्री को इन लोगों का दर्द सुनना चाहिये। 40 घंटों तक हथकडी व बेडी में बंधे रहने की वेदना अवर्णनीय है। इस प्रकार की घटनायें उप-निवेशिक काल की याद को ताजा करती हैं।

हथकडी लगाने का प्रचलन लगभग 400 बीसी का है। उस समय युद्ध के बंधियों को कन्ट्रोल किया जाता था। वर्तमान समय में हथकडी का उपयोग 1912 से किया जाने लगा, जब पुलिस स्टेशन से जेल, कैदियों को ले जाया जाता था या कोर्ट ले जाया जाता था और वापिस लाया जाता था। ब्रिटेन के शासन के समय उपनिवेशवादी सरकार स्वतंत्रता सैनानियों को हथकडी व बेडियों में इसलिये बांधकर रखती थी कि कही वे भागकर पुन: स्वतंत्रता आंदोलन में न जुड जावें। आजादी से पूर्व पुलिस एक्ट 1861 की धारा 12 में इन्सपेक्टर जनरल पुलिस को अधिकार दिये गये थे कि वे इस बाबत नियम बना सकते हैं। ब्रिटिश सरकार ने पुलिस रेगुलेशन बंगाल 1943 पारित कियाऔर उसमें यह व्यवस्था दी गई कि हथकडी का प्रयोग केवल बहुत अधिक आवश्यक परिस्थितियों में ही होगा, तथा महिलाओं को हथकडी नहीं लगाई जावेगी।

मानव अधिकारों की घोषणा के बाद से यह माना गया कि मानव की गरिमा अक्षुण्ण है और प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। अत: हथकडी लगाना अभद्र तरीका है, किन्तु पुलिस फिर भी अपनी शक्ति के घमण्ड में हथकडी का प्रयोग करती रही। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णयों से स्पष्ट निर्देश दिया कि सामान्यत: हथकडी कैदी के नहीं लगाई जावेगी, क्योंकि ऐसा करना अमानवीय है तथा नारकीय कृत्य है। यूनिवर्सल डिक्लरेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स 1948 ने हथकडी लगाने से मानव को मुक्त कर दिया और स्पष्ट रूप से कहा कि सब मानव समान हैं, स्वतंत्र हैं और गरिमा मय जीवन जीने के अधिकारी हैं। किसी के साथ नारककीय व्यवहार नहीं होगा। कष्ट नहीं दिया जावेगा यानी ब्तनमस व्यवहार निषेध किया गया। यह अन्तर्राष्ट्रीय सिद्धान्त (कानून) माना जा रहा है कि व्यक्ति की गरिमा को खण्डित करने वाला कानून, दण्ड, प्रक्रिया अमानवीय है अवैध है सर्वोच्च न्यायालय के कई निर्णय हैं, जिनके द्वारा अब यह तय हो चुका है कि हथकडी लगाना अमानवीय कृत्य है, इससे दूर रहना ही उचित व्यवहार है।

किसी भी व्यक्ति को बिना सुनवाई का अवसर दिये, हथकडी व बेडी लगाकर डिपोर्ट करना अवैध व अमानवीय है तथा प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्तों क विरूद्ध है। आवश्यक हो तो यूएनओ में भी इस हेतु उचित कार्यवाही की जानी चाहिये या इन्टरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस में इस अमानवीय घटना के विरूद्ध आवाज उठानी चाहिये।

मानवीय सुप्रीम कोर्ट के बहुचर्चित केसेज में प्रेमशंकर शुक्ला बनाम दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन 1980 (3) एससीसी 526, ऐजाज रिजवी बनाम स्टेट ऑफ राजस्थान (निर्णय दिनांक 8.7.2010) एल्तमश रैन एडवोकेट बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया (निर्णय दिनांक 4.8.1988), विनेश के एम बनाम स्टेट ऑफ केरल (निर्णय दिनांक 19.12.2008), खेदत मजदूर चेतना संगथ बनाम स्टेट ऑफ एमपी (निर्णय दिनांक 9.9.1994) आदि निर्णयों में हथकडी लगाने को अनुचित तथा अमानवीय और क्रूरतापूर्ण व्यवहार माना गया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है केवल बहुत ही विशिष्ट परिस्थिति में ही, कोर्ट की अनुमति से ऐसा किया जा सकता है। हथकडी लगाने को अनुचित व संविधान के अनुच्छेद 14, 19, 21 के विरूद्ध कई निर्णयों में माना है। इसे व्यक्ति के गरिमामय जीने के संवैधानिक अधिकार के विरूद्ध अमानवीय व नारकीय माना है। कुछ केसेज में अधिकारी के विरूद्ध हथकडी लगाने पर कन्टेम्पट ऑफ कोर्ट के विरूद्ध कार्यवाही भी की गई है। संविधान के अनुच्छेद 141 के अनुसार सुप्रीम कोर्ट के आदेश/निर्देश देश के कानून माने गये हैं। महिलाओं व बालकों को हथकडी व बेडी लगाने को न्यायालयों की आज्ञा की गम्भीर अवज्ञा माना है।

भारत के न्यायालयों ने हथकडी लगाने को व्यक्ति गरिमामय जीने के संवैधानिक अधिकार के विरूद्ध माना है इसे नारकीय (Cruel) व्यवहार भी कहा है। भारत UDHR ने स्वीकार किया है व वह कई अन्तर्राष्ट्रीय संधियों का हस्ताक्षर कर्त्ता है, फिर भी हथकडी के प्रयोग को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की (नया कानून) धारा 43(3) BNNS, 2023 के माध्यम से Re-introduce किया है। क्यों ऐसा किया समझ से परे है? धारा 43(3) में यह कहा है कि पुलिस उस धारा में बताये गये अपराध अथवा परिस्थिति में अपराधी को हथकडी लगा सकती है। जबकि सर्वोच्च न्यायालय के एक दर्जन से भी अधिक केसेज में हथकडी लगाने को अनुच्छेद 14, 19 व 21 के संवैधानिक अधिकारों के विरूद्ध माना है। कुछ भी हो धारा 43(3) BNNS, 2023 उपरोक्त सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों के विरूद्ध होने से अवैध है, अमानवीय है व निरंकुश है। प्रार्थना है, माननीय सुप्रीम कोर्ट को स्वंय इस मामले में संज्ञान लेना चाहिये और धारा 43(3) को अवैध करार देना चाहिये। यहाँ यह लिखना भी समीचीन व आवश्यक होगा कि धारा 43 BNNS, 2023 प्रस्तुत प्रकरण पर लागू ही नहीं है।

अमेरिका का सैन्य विमान 104 अवैध रूप से रह रहे भारतीयों को भारत लेकर आया वह भी हथकडी व बेडियों में और देश की सरकार जो विश्व की तीसरी आर्थिक शक्ति होने का दावा करती है वह केवल यह कहकर संतोष करती है कि पहले भी ऐसा होता आया है, समझ से परे है। हाँ, देश की संसद में इस घटना पर गम्भीर चिन्ता प्रकट की गई है और उचित कदम उठाने का विश्वास सरकार ने दिलाया है। यह भी ज्ञात हुआ है कि भारत ने अमेरिका से कहा है कि भारत अपने लोगों को स्वयं लेकर आयेगा। हमसे अच्छे तो ग्वाटेमाला, पेरू, मेक्सिको, कोलम्बिया के देश हैं जिन्होंने अमेरिका के विरूद्ध आवाज उठाई है। कोलम्बिया के राष्ट्रपति ने तो अमेरिका के सैन्य विमान को जो ऐसे लोगों को लेकर आया था, अपने देश के उतरने की अनुमति ही नहीं दी और अपनी शर्त पर ही भेजने पर उन्हें वापिस बुलाया।

भारत को अवैध इमीग्रेशन रैकेट पर भी कठोर कार्यवाही करनी होगी जो लाखों/करोडों रूपये लेकर भारतीयों को अमेरिका ले जाते हैं। भारत को यथासम्भव शीघ्र इस हेतु कानून बनाना होगा और उसकी पालना सुनिश्चित करनी होगी।

यह मान्य सिद्धान्त है कि अवैध प्रवासियों को उनके देश डिपोर्ट किया जाता है और जिस देश के वे नागरिक हैं वह उन्हें अपने यहां ले जावें। अमेरिका के राष्ट्रपति ने अवैध भारतीय प्रवासियों को डिपोर्ट किया और यह भी नियम है कि भारत को उन्हें अपने देश यहां लाने की व्यवस्था करनी है, किन्तु यह भी सच है कि अवैध भारतीय प्रवासियों के साथ अमेरिका अमानवीय व्यवहार नहीं कर सकता। जैसा ऊपर वर्णित किया है इन लोगों को सैन्य विमान से भेजा गया है, जिसमें केवल एक टायलेट था और हथकडी व बेडियों में बंधे हुये उन्हें उसका उपयोग करना होता था, जिसे बंद भी नहीं किया जाता है। यात्रा की दास्तान दर्दभरी है। यह अमानवीय व्यवहार था, नारकीय पीडा दी जाती थी। यह कृत्य मानव अधिकारों के सर्वथा विपरीत था। मानव अधिकरों के विरूद्ध था। यह कृत्य सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों के अनुसार संविधान के अनुच्छेद 14, 19 व 21 की आज्ञा के विरूद्ध था। वस्तुत: सुप्रीम कोर्ट ने इसे मानव अधिकारों के विरूद्ध माना है। यहां यह लिखना समीचीन होगा कि मानव अधिकार वे ही अधिकार हैं जो संविधान के चेप्टर 3 व 4 में वर्णित किये गये हैं। अत: भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 43(3) अवैध व असंवैधानिक है। अत: शीघ्र ही इसे न्यायालय से अवैध घोषित कराकर निरस्त कराने की आवश्यकता है। किसी भी व्यक्ति को बिना सुनवाई का अवसर दिये, हथकडी व बेडी लगाकर डिपोर्ट करना अवैध व अमानवीय है तथा प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्तों क विरूद्ध है। आवश्यक हो तो यूएनओ में भी इस हेतु उचित कार्यवाही की जानी चाहिये या इन्टरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस में इस अमानवीय घटना के विरूद्ध आवाज उठानी चाहिये।

सत्यमेव जयते!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

बिगड़ते पाक-अफगान संबंध : भारतीय दृष्टिकोण

राजेश भूखर

2021 में अफगानिस्तान से अमेरिका और नाटो बलों की वापसी और तालिबान के पुनर्जन्म से पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा के साथ इस क्षेत्र का भू-राजनीतिक परिदृश्य अत्यधिक अप्रत्याशित परिवर्तन से गुजर रहा है। दक्षिण एशिया क्षेत्र में उथल-पुथल देखी जा रही है क्योंकि भारत एक तरफ अस्थिर बांग्लादेश से बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रहा है और दूसरी तरफ पाकिस्तान अफगानिस्तान के साथ अपने बदलते रिश्तों की गतिशीलता के अप्रत्याशित परिणामों से जूझ रहा है।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान संबंध, जो कभी साझा इतिहास और आपसी हितों में निहित था, अब एक चिंताजनक स्तर तक बिगड़ गया है और तालिबान, जो कभी पाकिस्तान का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सहयोगी था, अब कई मोर्चों पर एक प्रतिद्वंदी के रूप में बदल गया है। इस संबंध में गहरा बदलाव केवल तनावपूर्ण संबंधों का मामला नहीं है बल्कि यह एक पूर्ण विकसित संघर्ष का आकार ले चुका है जिसमें सैन्य संघर्ष और डूरंड रेखा पर बढ़ता तनाव शामिल है।

अफगानिस्तान में तालिबान का उदय पाकिस्तान के ऐतिहासिक रणनीतिक हितों से जुड़ा हुआ है। पाकिस्तान ने शुरू में संयुक्त राज्य अमेरिका और सऊदी अरब के साथ मिलकर सोवियत संघ के खिलाफ तालिबान को हथियार देने और समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और बाद में अमेरिका और नाटो बलों का विरोध करने के लिए लॉजिस्टिक, सामग्री और नैतिक सहायता प्रदान की थी। 2021में अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी, अफगान-पाक धुरी के लिए कथित जीत का क्षण से पाकिस्तान की रणनीतिक स्थिति को मजबूत करने की उम्मीद थी, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से पाकिस्तान के लिए स्थिति उलट गईं। तालिबान की सत्ता में वापसी ने क्षेत्रीय समीकरण को बदल दिया है। तालिबान ने अब आत्मविश्वास और राष्ट्रवाद की भावना दर्शाते हुए पाकिस्तान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा के रूप में डूरंड रेखा को खारिज कर दो पुराने सहयोगियों के बीच विवाद खड़ा कर दिया है।

अफगानिस्तान से संचालित हो पाकिस्तान को निशाना बनाने वाले आतंकवादी समूह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को तालिबान के समर्थन ने पहले से ही कमजोर पाक-अफगान संबंधों को तनावपूर्ण बना दिया है। वैचारिक मतभेदों और प्रतिस्पर्धी क्षेत्रीय आकांक्षाओं के साथ तालिबान के सहयोग की कमी के कारण आपसी विश्वास टूट गया है। वैश्विक इस्लामी आंदोलन का नेतृत्व करने की तालिबान की महत्वाकांक्षा और सीमाओं से परे अपने प्रभाव विस्तार ने पाकिस्तान के साथ प्रतिस्पर्धा में संरेखित कर तनाव को बढ़ा दिया है। पिछले कुछ वर्षों में भारत के साथ तालिबान के संबंध आश्चर्यजनक तरीके से विकसित हुए हैं, जिससे इस्लामाबाद में कई भौंहें तन गई हैं। पाकिस्तान द्वारा पर्याप्त सहायता प्रदान करने में असमर्थता को देखते हुए नया तालिबान क्षेत्रीय आर्थिक समर्थन हासिल करने में भारत को एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में देखता है। यह आर्थिक और कूटनीतिक बदलाव पाकिस्तान के लिए एक चुनौती है और इस क्षेत्र में भारत को प्राथमिक विरोधी के रूप में देखता है।

चीन और रूस के साथ तालिबान के बढ़ते संबंध अफगानिस्तान को अंतरराष्ट्रीय वैधता प्रदान करते हैं, जिससे उन्हें एक स्वतंत्र शक्ति के रूप में बल देने में सक्षम बनाया जा सकता है, इस प्रकार भारत से संभावित खतरों के खिलाफ अफगानिस्तान का उपयोग पाकिस्तान के लिये मुस्किल हो जाता है। इन मुद्दों के साथ साथ पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा की स्थिति को जटिल बनाता है। देश की सेना कई आंतरिक संघर्षों में लगी हुई है, विशेष रूप से बलूचिस्तान में। क्षेत्र में सैन्य बल घरेलू सुरक्षा चिंताओं और तालिबान से बढ़ते बाहरी खतरे दोनों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने में पाकिस्तान असमर्थ है, जिससे एक अनिश्चित स्थिति पैदा हो गई है।

डूरंड रेखा पर मतभेद, दोनों पक्षों में सैन्य संघर्ष में नुकसान परिणामस्वरूप, और तालिबान का टीटीपी के प्रति समर्थन, साथ ही पाकिस्तान और तालिबान के बीच गहराते वैचारिक मतभेद पाक-अफगान संबंधों को निम्न स्तर पर ले जा रहे हैं। पाकिस्तान को एक ऐसे समय में जब इसकी आर्थिक और सामाजिक स्थिरता पहले से ही नाजुक है, एक बहु-क्षेत्रीय संघर्ष में उलझने का जोखिम निश्चित रूप से भारत के लिये लाभकारी स्थिति है।

भारत को अफगान-पाक सीमा के साथ बढ़ती अस्थिरता और पाक-अफगान संबंधों के निम्न स्तर के परिपेक्ष्य में क्षेत्रीय गतिशीलता का आकलन करना चाहिए। आर्थिक सहायता और क्षेत्रीय सहयोग के क्षेत्रों में भारत - अफगानिस्तान के बढ़ते संबंध पाकिस्तान के लिए एक कठिन स्थिति पैदा कर सकते हैं। एक मजबूत भारत-अफगान संबंध, विशेष रूप से पाकिस्तान की बढ़ती अलगाव के संदर्भ में, भारत के लिए दक्षिण एशिया क्षेत्र में प्रभाव के नए अवसर पैदा करता है।

भारत को इस लाभदायक स्थिति का लाभ उठाने के लिए सावधानीपूर्वक कूटनीति और रणनीतिक पूर्वदृष्टि के साथ एक सूक्ष्म दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। दक्षिण एशियाई भू-राजनीति के व्यापक संदर्भ में आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं के बीच संतुलन बनाते हुए अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करनी चाहिए। भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री और तालिबान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी के बीच हालिया बैठक ने अफगान नेतृत्व के साथ भारत के प्रभाव को बढ़ाने की मंशा की पुष्टि की है। भारत ने पिछले 20 वर्षों में अफगानिस्तान में सहायता और पुनर्निर्माण कार्य में 3 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है। भारत का मुख्य ध्यान क्षेत्रीय विकास, व्यापार और मानवतावादी सहयोग पर है और साथ ही विकासात्मक परियोजनाओं को फिर से शुरू करने और अफगानिस्तान में स्वास्थ्य क्षेत्र और शरणार्थियों की मदद हेतु एक समझौते पर है।

भारत की पाकिस्तान के अफगानिस्तान पर हवाई हमलों की निंदा, तालिबान द्वारा मुंबई कौंसुलेट में भारत के एक पूर्व अफगान छात्र की नियुक्ति और दुबई में भारत के विदेश सचिव और अफगान कार्यवाहक विदेश मंत्री की बैठक यह दर्शाता है अफगानिस्तान भारत को उन देशों की बढ़ती सूची में रखता है, जिसमें रूस, चीन, तुर्की, ईरान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं। भारत के लिए, तालिबान के साथ जुड़ना एक वास्तविकता है, और अफगानिस्तान और उसके लोगों की अनदेखी करना एक विकल्प नहीं है। भारत अपने ऐतिहासिक संबंधों और अफगानिस्तान के रणनीतिक महत्व को स्वीकार करता है लेकिन इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकता कि क्षेत्र में तालिबान के पुनरुत्थान के साथ भारत के लिए भी कट्टरपंथीकरण का खतरा बढ़ रहा है। भारत को एक ही टोकरी (तालिबान) में सभी अंडे डालने से बचना होगा और वही गलती नहीं दोहरानी चाहिए जो हामिद करजई और शेख हसीना के मामले में की थी। पाकिस्तान की टीटीपी के खिलाफ आतंकवाद-रोधी बलों की गहरी भागीदारी भारत के लिए एक अस्थायी सैन्य लाभ पैदा कर जम्मू और कश्मीर में इसकी स्थिति को मजबूत करेगी।

अन्य देशों की तरह भारत ने भी तालिबान सरकार को आधिकारिक तौर पर मान्यता नहीं दी है, लेकिन नई दिल्ली फिर भी काबुल के साथ संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है ताकि उसका मुख्य प्रतिद्वंद्वी चीन, पश्चिम के अफगानिस्तान प्रस्थान से पैदा हुए शून्य को ना भर सके। ईरान में चाबहार बंदरगाह के विकास के साथ पाकिस्तान की रणनीतिक कमजोरी और उजागर हो गई है। यह बंदरगाह अफगानिस्तान को पाकिस्तान के माध्यम से जाने की आवश्यकता के बिना वैश्विक बाजारों तक पहुंचने के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करता है। नतीजतन, अफगानिस्तान में भारत का प्रभाव बढ़ रहा है, जबकि अफगान सामानों के लिए मुख्य पारगमन केंद्र के रूप में पाकिस्तान की भूमिका कम हो रही है। भारत के लिए यह सही समय है कि वह पाकिस्तान और तालिबान के बीच बिगड़ते संबंधों के दृष्टिगतअपने हितों को आगे बढ़ाए।

-राजेश भूखर,
डायरेक्टर, एडब्ल्यूपीएल,
जयपुर

पांचवी बोर्ड अभ्यर्थियों का चार किलोमीटर के क्षेत्र में ही होगा परीक्षा सेंटर

शिक्षा विभाग ने 5वीं बोर्ड परीक्षा को लेकर दिशा निर्देश जारी किये, 33 जिलों के आधार पर होगी मुख्य परीक्षा

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग ने 5वीं बोर्ड परीक्षा को लेकर दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। राज्य के स्कूलों में पढ़ने वाले 13 लाख से अधिक विधार्थियों की पांचवीं बोर्ड परीक्षा राज्य में 33 जिलों के डाइट के आधार पर कराई जाएगी।

5वीं बोर्ड परीक्षा के संचालन के लिए मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा 8 सदस्य जिला स्तरीय परीक्षा संचालन समिति गठित की जाएगी। इस समिति का सदस्य सचिव संबंधित डायट प्राचार्य होगा। वहीं, ब्लॉक स्तर पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी द्वारा 6 सदस्य ही ब्लॉक स्तरीय संचालन समिति का गठन किया जाएगा। संबंधित अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी द्वितीय इस समिति का सदस्य सचिव होगा।

सरकारी और निजी स्कूलों में पढ़ने वाले पांचवी कक्षा के विद्यार्थियों को अधिकतम चार किलोमीटर की दूरी तक ही परीक्षा केंद्र आवंटित किया जाएगा। यदि किसी परिस्थिति में संबंधित परीक्षा केंद्र में बदलाव करना हो तो जिला स्तरीय परीक्षा संचालन समिति की अनुशंसा के बाद जिला नोडल अधिकारी के जरिए पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षा राजस्थान बीकानेर से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद ही केंद्र में बदलाव हो सकेगा।

- **5वीं बोर्ड परीक्षा के संचालन के लिए मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा 8 सदस्य जिला स्तरीय परीक्षा संचालन समिति गठित की जाएगी**
- **परीक्षा फॉर्म भरने से वंचित रहे अभ्यर्थी अब 15 फरवरी तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे पूर्व में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 12 फरवरी निर्धारित थी**

पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं राजस्थान बीकानेर ने 8वीं और 5वीं बोर्ड परीक्षा के फॉर्म भरने की अंतिम तिथि में दूसरी बार बढ़ोतरी की है। परीक्षा फॉर्म भरने से वंचित रहे अभ्यर्थी अब 15 फरवरी तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। पूर्व में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 12 फरवरी निर्धारित थी। लेकिन निर्धारित तिथि तक आठवीं में करीब 10 हजार और 5वीं में 25 हजार अभ्यर्थी आवेदन से वंचित रह गए। छात्रहित में पंजीयक नरेंद्र कुमार सोनी ने ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि को तीन दिन के लिए बढ़ाया है। पंजीयक ने आदेश में स्पष्ट किया है कि यदि कोई विद्यार्थी आवेदन से वंचित रहता है तो संबंधित स्तर के अधिकारी की जिम्मेदारी होगी। इस संबंध में समस्त सीडीईओ और डाइट प्राचार्यों को निर्देश दिए गए हैं।

पांचवीं बोर्ड परीक्षा में अधिकतम 24 विद्यार्थियों पर एक शिक्षक की नियुक्ति की जाएगी। वहीं उन्ही राजकीय विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया जाएगा, जहां पहले से माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हो।

सहायक अध्यापक अब मानदेय से वंचित नहीं रहेंगे, निर्देश जारी

बीकानेर, (निसं)। राज्य के महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में राजस्थान कॉन्ट्रेक्चुअल हायरिंग सिविल पोस्ट रूल्स 2022 के तहत लेवल वन और लेवल सैकंड के पदों पर संविदा पर कार्यरत सहायक अध्यापक अब मानदेय से वंचित नहीं रहेंगे। माध्यमिक शिक्षा के अतिरिक्त निदेशक गोपाल राम बिरड़ा ने इस संबंध में सभी शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। अतिरिक्त निदेशक ने आदेश में स्पष्ट किया है कि कोई भी संविदा सहायक अध्यापक नियमों के तहत पारिश्रमिक में वृद्धि किए जाने तथा मेडिकल व एनपीएस पुनर्भरण के लाभ से वंचित नहीं रहे। दरअसल, संविदा सहायक अध्यापकों को शाला दर्पण पोर्टल पर मैपिंग कराए जाने संबंधित करवाई प्रक्रियाधीन है। संविदा कर्मियों को समय पर मानदेय का भुगतान हो इस संबंध में मॉनिटरिंग संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी करेंगे।

- **महात्मा गांधी अंग्रेजी स्कूलों में संविदा पर नियुक्त है अध्यापक**

"जल ग्रहण यात्रा" का आयोजन 15 फरवरी से

भीलवाड़ा, (निसं)। जल संरक्षण को बढ़ावा देने और जलग्रहण विकास के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए भीलवाड़ा जिले के विभिन्न ब्लाकों में "जल ग्रहण यात्रा 2025" का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 (जल ग्रहण घटक) के तहत 15 फरवरी से 21 फरवरी तक प्रात: 11 बजे से विभिन्न ग्राम पंचायतों और सामुदायिक स्थलों पर आयोजित की जाएगी। जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे इस यात्रा में सक्रिय भाग लें और जल संरक्षण के इस महत्वपूर्ण अभियान को सफल बनाएं। जिला प्रशासन एवं भू संरक्षण विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जल संसाधनों के सतत विकास को सुनिश्चित करना और चारागाह विकास कार्यों को प्रोत्साहित करना है।

राशिफल शुक्रवार 14 फरवरी, 2025

पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 11:09 तक, अतिगंड योग प्रात: 7:10 तक, तैतिल करण प्रात: 9:07 तक, चन्द्रमा शनिवार प्रात: 5:44 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-मिथुन, बुध-कुम्भ, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सेन्ट वेलेन्टाइन दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:31 तक, लाभ-अमृत 8:31 से 11:19 तक, शुभ 12:41 से 2:04 तक, चर 4:50 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:08, सूर्यास्त 6:14

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। आज परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। आज धन हानि का भय है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

धनु
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

वृष
घर-परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आपसी मतभेद समाप्त हो सकती है। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। आज संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मकर
शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मिथुन
घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। आज परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

तुला
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

कर्क
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

वृश्चिक
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन
परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आंवटी/ अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों के पक्ष में संयुक्त नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की राजस्व ग्राम चौरसियावास योजना के आवासीय/भूखण्ड संख्या खसरा नं. 1642 क्षेत्रफल 617. 51 वर्ग गज के आवंटी/अन्तरिति अतुल भार्गव पुत्र जितेन्द्र नाथ भार्गव निवासी B-101 वैशाली नगर जयपुर की मृत्यु दिनांक 1/2/2022 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट संलग्न कर मृतक के वारिसों क्रमश (1) श्रीमती सुमिता भार्गव पत्नि स्व. अतुल भार्गव (2) नवतेज भार्गव पुत्र स्व अतुल भार्गव (3) अंशिका भार्गव पुत्री स्व. अतुल भार्गव (4) रिशीका भार्गव पुत्री स्व. अतुल भार्गव निवासी बी-101 वैशाली नगर जयपुर द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है उक्त नामान्तरण किये जाने के सबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावे उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नही होगी व आवेदको के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय नगरपालिका गुलाबपुरा (भीलवाड़ा)

क्रमांक-तामीरात /1851 दिनांक: 10/2/2025

उजरदारी नोटिस

श्री रमेश बैरवा पिता श्री रामदेव बैरवा निवासी गुलाबपुरा वार्ड नम्बर खसरा नं. 982, 985 भू.सं. 21 (25X45) फीट हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः इस सूचना पत्र के माध्यम से सार्वजनिक सूचना प्रसारित की जाती है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त भवन निर्माण स्वीकृति/भू-खण्ड हस्तान्तरण के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो लिखित रूप में मय दस्तावेजी प्रमाणों को संलग्न करते हुये एक सप्ताह की अवधि में प्रस्तुत कर दें। उक्त अवधि के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। पत्रावली एवं दस्तावेजों का निरीक्षण कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस के समय देखा जा सकता है।

पड़ौस विवरण

पूर्व- श्री रामलाल/जवाना कोली पश्चिम - भू. सं. 20 स्थित

उत्तर - आम रास्ता - 20 फीट दक्षिण - आम रास्ता - 20 फीट

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका गुलाबपुरा

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक- न.नि.अ/24-25/भवन/824 दिनांक: 13-2-25

आपत्ति सूचना

श्री अशोक छतवानी पुत्र श्री नारायणदास छतवानी एवं श्रमती अनीशा छतवानी पत्नी श्री अशोक छतवानी निवासीगण ई-61 बलदेव नगर माकडवाली रोड, अजमेर द्वारा एक सम्पजि जो ए.एम.सी. नं. 10/153 = 170/16 296/8 का दक्षिणी भाग है जो वाके अन्दरून मदारगेट घी मण्डी, अजमेर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 67.38 व.मी. है भूमि के मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएँ निम्नानसार हैं।

पूर्व - पैसेज पश्चिम - रास्ता आम घी मण्डी रोड

उत्तर - इसी ए.एम.सी. नं. 10 / 153 का शेष भाग सम्पति जो श्री सुनील छतवानी एवं श्रीमती कविता छतवानी को विक्रय की गई है

दक्षिण - सम्पति श्री सुनील एवं श्री हरीश छतवानी की है

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपति पर विचार नहीं किया जायेगा। उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक- न.नि.अ/24-25/भवन/826 दिनांक: 13-2-25

आपत्ति सूचना

श्री सुनील कुमार छतवानी पुत्र श्री नारायणदास छतवानी एवं श्रीमती कविता छतवानी पत्नी श्री सुनील कुमार छतवानी निवासीगण ई-61 बलदेव नगर माकडवाली रोड, अजमेर द्वारा एक सम्पजि जो ए.एम.सी. नं. 10/ 153 = 170/16 296 / 8 का उत्तरी भाग है जो वाके अन्दरून मदारगेट घी मण्डी,- अजमेर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 67.37 व.मी. है भूमि के मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएँ निम्नानसार हैं।

पूर्व - पैसेज पश्चिम - रास्ता आम घी मण्डी रोड

उत्तर - पैसेज दक्षिण - इसी ए.एम.सी. नं. 10/153 का शेष भाग सम्पति जो श्री अशोक छतवानी एवं श्रीमती अनीशा छतवानी को विक्रय की गई है।

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपति पर विचार नहीं किया जायेगा। उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक : योजना/2024-25/557 **सार्वजनिक सूचना** दिनांक : 12.02.2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री कन्हैया लाल एवं श्री मुन्ना लाल तंवर पुत्रगण श्री गैन्दा लाल तंवर निवासी A-25 नाकामदार, अजमेर के द्वारा नगर निगम की नाकामदार योजना के आवासीय भूखण्ड संख्या A-25 क्षेत्रफल 622.22 वर्गगज को अपने नाम से नामान्तरण करवाये जाने बाबत दस्तावेज संलग्न कर आवेदन सं. LSG/AJMER/MUT/2023-24/119020 दिनांक 30.01.2025 को नामान्तरण हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेजों के अनुसार उक्त भूखण्ड मूल आवंटी श्री गैन्दा लाल तंवर पुत्र श्री चौथमल के नाम से आवंटित है जिसका लीज डीड पट्टा क्रमांक 1972 दिनांक 31.03.1998 संलग्न किया गया है। श्री गैन्दा लाल तंवर का स्वर्गवास दिनांक 27.08.2014 को हो चुका है। सजरा प्रमाण पत्र के आधार पर श्रीमती रुपा देवी (पत्नी), श्री कन्हैया लाल (पुत्र), श्रीमती किरण देवी (पुत्री), श्री मुन्ना लाल तंवर (पुत्र) एवं श्रीमती मंजु (पुत्री) विधिक वारिस है। उपरोक्त वारिसों ने जरिये पंजीकृत हकत्याग पत्र दिनांक 25.07.2024 द्वारा अपने सहहिस्सेदार श्री कन्हैया लाल एवं श्री मुन्ना लाल तंवर के पक्ष में हकत्याग पत्र निष्पादित किया गया है। उक्त प्रकरण का निष्पादन राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 116 के तहत आवेदित है जिसका निष्पादन धारा 118 के तहत प्रक्रियाधीन किया गया है। इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आपत्ति प्रकाशन से 07 कार्य दिवस के लिए आवेदन के साथ प्रस्तुत दस्तावेजों को नगर निगम कार्यालय की योजना शाखा में देखने/पढ़ने के लिए खुला रखा गया है इस अवधि में किसी भी हितबद्ध व्यक्ति/आम खास को कोई आपत्ति उज्र हो तो सूचना के प्रकाशन से 07 कार्य दिवस में मय पुख्ता दस्तावेजों के साथ अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है बाद मियाद नियमानुसार प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा। (कीर्ति कुमावत)

उपायुक्त, नगर निगम, अजमेर

कार्यालय जिला परिवहन एवं सड़क सुरक्षा अधिकारी, जिला भीलवाड़ा (राज.)

क्रमांक/परि/भील/2024–25/3950 दिनांक 02/01/2025

नोटिस

वाहन संख्या RJ06-GC-2707 श्री नारायण रेवारी पुत्र श्री भंवर रेबारी निवासी – भगवानपुरा मोहल्ला, होडा, खाचरोल, जिला भीलवाड़ा नोटिस फार्म 37 पत्र क्र.स. 3858 दिनांक 01.01.2025 फाईनेसर– TVS CREDIT SERVICES LTD.	वाहन संख्या RJ06-GC-9856 श्री रमेश नाथ पुत्र श्री लखमा नाथ निवासी – सुखाडिया सर्कल, अजमेर रोड़, भीलवाड़ा नोटिस फार्म 37 पत्र क्र.स 3811 दिनांक 27.12.2024 फाईनेसर– Mahindra & Maindra Fin. Service Ltd.
वाहन संख्या RJ0G-EA-3313 श्री सोहन लाल रेगर पुत्र श्री नन्दा लाल रेगर निवासी – 73, सलाटियों से तिलस्वा रोड़, चांदजी की खेड़ी, बिजौलिया, जिला भीलवाड़ा नोटिस फार्म 37 पत्र क्र.स. 3776 दिनांक 23.12.2024 फाईनेसर– CHOLAMANDALAM INVETMENT & FIN. CO. LTD.	

विषयः फाईनेसर के नाम फ्रेश आर.सी. जारी करने बाबत।

उक्त वाहन के फाईनेसरो ने अपने कब्जे में लेकर अपने नाम से फ्रेश आर.सी. जारी करने हेतु इस कार्यालय में आवेदन किया है कार्यालय के उपरोक्त पत्रांक से रजि० एडी० द्वारा नोटिस भिजवाया गया लेकिन अभी तक उसका कोई प्रत्युतर प्राप्त नहीं हुआ। तथा न ही किसी प्रकार की आपति/अभ्यावेदन प्रस्तुत हुआ है। समाचार पत्र में पुनः नोटिस प्रकाशित किया जा रहा है। नोटिस प्रकाशन के सात दिवस तक वाहन की मूल आर.सी. इस कार्यालय में प्रस्तुत कर दे या जो भी आपति अभ्यावेदन हो मय साक्ष्य ६ प्रगाण के अधोहस्ताक्षर कर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर दें। इस अवधि उपरान्त कोई आपति स्वीकार्य नहीं होगी एवं तत्पश्चात U/S 51 (5) of CMV ACT 1988 के तहत फाईनेंसर के नाम फ्रेश आर.सी जारी कर दी जायेगी।

जिला परिवहन अधिकारी, भीलवाड़ा (राज.)

आम सूचना

मैसर्स श्री तेजल पेट्रोलियम, खसरा नं. 554/62 एण्ड 553/62, गांव फलौदा, तहसील किशनगढ़ जिला अजमेर (राज.) जो कि रजिस्ट्रार ऑफ फर्मस् के पास रजिस्ट्रेशन नं. RF/AJM/2023/4498 से पंजीकृत है। इस फर्म में साझेदारी विलेख दिनांक 10/09/2024 के अनुसार साझेदारों का लाभ हानि अनुपात निम्नानुसार है–

क्र. सं.	साझेदार का नाम	पुराना लाभ/हानि अनुपात
1	प्रवीण कुमार बैरवा पुत्र श्री रामेश्वर लाल निवासी धर्मशाला के पास, तिलोनिया, अजमेर (राज) 305816	50 प्रतिशत
2	तेज मल प्रजापति पुत्र श्री हनुमान प्रसाद प्रजापति निवासी 541, सोनगरा का जाव रत्ना रावत कॉलोनी, मालियों की ढाणी, किशनगढ़ अजमेर (राज.) 305801	30 प्रतिशत
3	अरविन्द चौधरी पुत्र श्री रंग लाल चौधरी निवासी मूंडोती, नरूकान, अजमेर (राज.) 305801	10 प्रतिशत
4	प्रवीण चौधरी पुत्र श्री रामलाल चौधरी निवासी जाटो का मौहल्ला, अजमेर (राज.) 305801	10 प्रतिशत

दिनांक 12.02.2025 को नया साझेदारी विलेख निष्पादित किया गया जिसमें आपसी सहमति से साझेदारों के लाभ/हानि अनुपात निर्धारित किया गया है–

क्र. सं.	साझेदार का नाम	नया लाभ/हानि अनुपात
1	प्रवीण कुमार बैरवा पुत्र श्री रामेश्वर लाल, निवासी धर्मशाला के पास, तिलोनिया, अजमेर (राज.) 305816	20 प्रतिशत
2	तेज मल प्रजापति पुत्र श्री हनुमान प्रसाद प्रजापति निवासी 541, सोनगरा का जाव रत्ना रावत कॉलोनी, मालियों की ढाणी, किशनगढ़ अजमेर (राज.) 305801	60 प्रतिशत
3	अरविन्द चौधरी पुत्र श्री रंग लाल चौधरी निवासी मूंडोती, नरूकान, अजमेर (राज.) 305801	10 प्रतिशत
4	प्रवीण चौधरी पुत्र श्री रामलाल चौधरी निवासी जाटो का मौहल्ला, अजमेर (राज.) 305801	10 प्रतिशत

अतः इस सम्बन्ध में यदि किसी को कोई भी आपत्ति या ऐतराज होवें तो इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिवस में अपना ऐतराज/आपत्ती रजिस्ट्रार ऑफ फर्म्स, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, अजमेर पर प्रस्तुत करें बाद में कोई ऐतराज/आपत्ती मान्य नहीं होगा।

(प्रवीण कुमार बैरवा) (साझेदार) (तेज मल प्रजापति) (साझेदार) (अरविन्द चौधरी) (साझेदार) (प्रवीण चौधरी) (साझेदार)

शाहपुरा जिला बचाओ आंदोलन 43 वें दिन भी जारी

■ जिला समाप्त करने के विरोध में क्रमिक अनशन धरने पर मेवाड़ा कलाल समाज शाहपुरा के सदस्य बैठे

शाहपुरा । जिला बचाओ संघर्ष समिति के द्वारा उपखंड कार्यालय शाहपुरा के बाहर क्रमिक अनशन धरने पर मेवाड़ा कलाल समाज के सदस्य पवन कुमार बसेर के नेतृत्व में नारेबाजी करते हुए धरना स्थल पर पहुंचकर शाहपुरा जिले को समाप्त करने के विरोध में प्रदर्शन किया और सरकार से शाहपुरा को वापस जिले का दर्जा देने की मांग की।

जिला बचाओ संघर्ष समिति शाहपुरा महासचिव कमलेश मुंडेतिया ने बताया कि मेवाड़ा कलाल समाज के पवन बसेर अरुण चौधरी अशोक चौधरी आशीष चौधरी नवीन चौधरी हेमलता बसेर कमलेश मेवाड़ा शकुंतला चौधरी सहित कई समाज जन कर्मिक अनशन धरने पर बैठे और उपखंड अधिकारी को राज्यपाल के नाम शाहपुरा जिला बहाल करने का ज्ञापन दिया। मेवाड़ा कलाल समाज के सदस्यों का जिला बचाओ संघर्ष समिति सदस्यों एवं अधिवक्ताओं ने माला पहना कर स्वागत किया। धरने को मेवाड़ा कलाल समाज के पवन कुमार बसेर कमलेश मेवाड़ा नवीन मेवाड़ा ने संबोधित करते हुए का कहा कि जिले को समाप्त करने से शाहपुरा का विकास एवं रोजगार के अवसर घटेंगे इसलिए सरकार शाहपुरा को वापस जिला का दर्जा प्रदान करें ।

धरना स्थल पर ही संघर्ष समिति सदस्यों की बैठक में संघर्ष समिति के अध्यक्ष दुर्गा लाल राजोरा ने विधायक के प्रतिनिधिमंडल से हुई वार्ता की जानकारी देते हुए कहा कि धरना और आंदोलन निरंतर जारी रहेगा एव विधानसभा में बजट सत्र में शाहपुरा जिले की पुन बहाली की मांग पुरजोर तरीके से तथ्यों और आंकड़ों के साथ विधायक के विधानसभा में रखने और आंदोलन को प्रभावित नहीं करेंगे इस पर सहमति बनी है। संयोजक रामप्रसाद जाट ने बताया कि आंदोलन नियमित और निरंतर अनवरत पूर्व की भांति शाहपुरा को जिला का दर्जा मिलने तक जारी रहेगा। शाहपुरा जिला बचाओ संघर्ष समिति महासचिव एवं अभिभाषक संस्था सहसचिव कमलेश मुंडेतिया ने बताया कि आंदोलन में अब विभिन्न सामाजिक संगठनों और समाजों के साथ-साथ ग्राम पंचायत और नगर परिषद शाहपुरा वार्ड वासियों का वार्ड वाइज क्रमिक धरना दिया जाएगा जिसकी रूपरेखा और रणनीति संघर्ष समिति के सदस्यों के साथ तय कर जिम्मेदारी प्रदान की गई है संघर्ष समिति के सदस्य राजेंद्र बोहरा हाजी उस्मान मोहम्मद छिपा रामेश्वर सोलंकी संदीप जीनगर उदय लाल बेरवा सत्यनारायण पाठक ताजुद्दीन प्रवीण कुमार दीपक बेरवा विजय ट्रेलर शंकर खटीक रामस्वरूप टेपन सदिक पठान अविनाश शर्मा छोटू रंगरेज धनराज जीनगर एवं अभिभाषक संस्था सचिव वीरेंद्र पथरिया पुस्तकालय अध्यक्ष दीपक मीणा अधिवक्ता गोविंद सिंह हाडा त्रिलोकचंद नौलखा कल्याणमल धाकड़ शरीफ मोहम्मद पन्नालाल खारोल चावंड सिंह शक्तावत संजय सिंह हाडा अंकित शर्मा ताज मोहम्मद सबदर अली अंकित मालू सहित कहीं सदस्यों ने विचार रखें। 14 फरवरी को विश्वकर्मा पांचाल लोहार समाज के समाजजन क्रमिक अनशन धरने पर बैठेंगे।

अहल्याबाई होलकर का जन्म शताब्दी वर्ष मनाया

शाहपुरा । अखिल भारतीय साहित्य परिषद शाहपुरा शाखा द्वारा पुण्यश्लोक राजमाता अहल्याबाई होलकर का जन्म शताब्दी वर्ष धाकड़ छात्रावास कलिंजरी गेट शाहपुरा में मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत परमेश्वर प्रसाद परम ने कीर्तन से की। अहल्याबाई होलकर का संक्षिप्त परिचय व अतिथियों का परिचय अखिल भारतीय साहित्य परिषद शाहपुरा शाखा के युवा प्रकोष्ठ प्रमुख ओम माली अंगारा ने करवाया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता तोरण सिंह सहायक आचार्य प्रताप सिंह बारहठ महाविद्यालय शाहपुरा ने अहल्याबाई होलकर के जीवन व कृतित्व पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता ने बताया कि किस प्रकार अहल्याबाई 8 वर्ष की आयु में ही शिवस्त्रोतम् का पाठ किया करती थी। विवाहोपरांत पति खांडेराव के निधन के बाद अहल्याबाई ने प्रजाहित में न्यायपूर्ण शासन किया। अहल्याबाई होलकर की न्यायप्रियता के बारे में मुख्य वक्ता ने कहा कि जब अहल्याबाई के पुत्र ने ही गो हत्या का अपराध किया तो अहल्याबाई होलकर ने अपने-पराये का भेद छोड़कर अपने पुत्र के लिए वही दण्ड निर्धारित किया जो एक गो हत्यारे को दिया जाना था। तोरण सिंह ने अहल्याबाई होलकर के जीवन के अनेक पक्षों पर प्रकाश डाला।

आधार कार्ड को सही कराने लोग उमड़े

अजमेर। अजमेर नगर निगम वार्ड 44 में आधार कार्ड से जुडी समस्याओं को लेकर नेता प्रतिपक्ष नगर निगम अजमेर डॉक्टर द्रोपदी कोली द्वारा और भारतीय डाक विभाग के सौजन्य से आधार कार्ड को अपग्रेड करने , पता परिवर्तन करने, डेट ऑफ बर्थ, मोबाइल नंबर जुडवाने आदि समस्याओं के निराकरण हेतु एक शिविर का आयोजन सामुदायिक भवन सब्जी मंडी भजनगंज स्थित शिव मंदिर में किया गया। जिसमें स्थानीय लोगों ने बढ-चढकर हिस्सा लिया । इस कैंप में सबसे कम डेढ माह की बच्ची का भी आधार कार्ड बनाया गया।।साथ ही डाक विभाग से जुडी सुकन्या और अन्य योजनाओं को भी क्रियान्वित किया गया। इसमें स्थानीय कार्यकर्ताओं हरिप्रसाद जाटव, मोक्ष नोनिया, पुष्पा राजोरिया , मुकेश टेलर, राजू, सोनू तंवर इत्यादि का सहयोग रहा।

संभागीय अधिवेशन 2 को

अजमेर, (कासं)। लायंस क्लब इंटरनेशनल के प्रांत 3233 ई 2 के संभाग 2 का संभागीय अधिवेशन 2 मार्च को सूचना केंद्र में संभागीय अध्यक्ष लायन अमितप्रभा शुक्ला की अध्यक्षता में सेवा एवं संस्कार की भावना के साथ आयोजित किया जाएगा।

डिस्ट्रिक मीडिया कॉर्डिनेटर एमजेएफ लायन राजेंद्र गांधी ने बताया कि लायंस क्लब अजमेर वेस्ट के तत्वावधान में होने वाले इस अधिवेशन में संभाग के समस्त क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं क्लब्स भाग लेंगे। जिसमें संभाग के अधीन आने वाले सभी क्लब अध्यक्ष द्वारा अब तक किए गए सेवा कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। क्लब अध्यक्ष लायन चरणप्रकाश गुप्ता ने बताया कि प्रातः 10 बजे रजिस्ट्रेशन एवं फेलोशिप होगा। उससे पूर्व 9 बजे बजरंगगढ़ सर्किल से लायंस इमेज की रैली निकाली जाएगी, जो विभिन्न मार्गों से होती हुई सूचना केंद्र में समाप्त होगी । कार्यक्रम संयोजक लायन ने बताया कि अधिवेशन के मुख्य अतिथि प्रांत 3233 जी 1 की पूर्व प्रांतपाल लायन रश्मि गुप्ता होगी । अधिवेशन में प्रांतीय पदाधिकारियों, पूर्व प्रांतपालगण, सम्भागीय अध्यक्ष, संभाग के सभी क्लब्स के सदस्य भाग लेंगे।

नाम परिवर्तन

मेरे पिताजी का पूर्व में नाम अशोक कुमार लालवानी था जिसे उन्होंने बदलकर अशोक लालवानी रख लिया है, अतः भविष्य में उन्हें इसी नाम से जाना जाए। पता- साहिल लालवानी, अभियंता नगर, वैशाली नगर, अजमेर

NAME CHANGE

I, Army No 16111636Y.L/HAV - MACHUPALLI HARINADHA REDDY, Unit-ADHOC CBRN (HQ 475 ENGR BDE) C/O 56 APO, have changed my Wife name from M. ANITHA DEVI to MACHUPALLI ANITHA DEVI in my army service records and all times here after all records, AFF-BW 941633. date 08 Feb 2025 Notary Nasirabad

आम सूचना

हम लीला देवी पत्नी छीतरमल, छीतरमल पुत्र जगदीश प्रसाद जाति ब्राह्मण निवासी गैजी तहसील दूदू , जिला जयपुर के द्वारा आजाद नगर मदनगंज किशनगढ़ जिला अजमेर में स्थित प्लाट 48 गुणा 45 फीट कुल 280 वर्गगज का प्लाट क्रय किया था। उक्त प्लाट विक्रय ईकरारनामा द्वारा क्रय किया गया था। जिसको विक्रय करने के लिए खाली स्टाम्प क्रय कर रखे थे। मूल दस्तावेजों का बैग किशनगढ़ मदनगंज चौराहे या कहीं गिर गया तथा अभी हाल ही में उक्त प्लाट को विक्रय हेतु कागजात देखे तो नहीं मिले। उक्त प्लाट के दस्तावेज किसी के पास हो तो निम्न पते पर भिजवाये। उज्र हो तो सूचित करवाये वरना मियाद गुजरने के बाद कोई आपति स्वीकार किये जाने योग्य नहीं होगी। सूचना प्रकाशन के 7 दिवस में आपति प्रस्तुत की जा सकेगी। प्रार्थी- छीतरमल पुत्र जगदीश प्रसाद जाति ब्राह्मण निवासी गैजी तहसील दूदू जिला जयपुर राज. मो 9928178978

आम सूचना

मेरी बेटी सरोज पुत्री रामसिंह जाति जाट निवासी दादिया की मृत्यु दिनांक 11-5-2013 को मेरे निवास स्थान दादिया में हो गई थी। जिसका पूर्व में इन्द्राज ग्राम पंचायत दादिया में नहीं करवाया था। अब में मेरी पुत्री सरोज का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अराई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिन में मय दस्तावेज के साथ अराई तहसीलदार के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

प्रार्थी- रामसिंह पुत्र चन्द्रा जाति जाट निवासी दादिया तह. अराई (अजमेर)

LSG/BEAWAR/MUT/2024-25/119021 DATE :-30-01-2025

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2024-25/11766 दिनांक: 05-02-2025

सार्वजनिक सूचना

श्री प्रेमचन्द मंगलानी पुत्र श्री मुरलीधर मंगलानी निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 6 नन्द नगर मकान नं. 8/18 प्लाट नं. 66 से 68 का पश्चिमी भाग क्षेत्रफल 440.92 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर के नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में श्रीमति मधु अग्रवाल पत्नी श्री ओमप्रकाश अग्रवाल के नाम दर्ज है। रजि बेचान-नामा दिनांक 21.01.2025 व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपति विचारणीय नहीं होगी।

आयुक्त, नगर परिषद, ब्यावर

गेट पर तालाबंदी

भीलवाड़ा। छात्रहित के विभिन्न मुद्दों को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के बैनर तले छात्र-छात्राओं ने माणिक्य लाल वर्मा राजकीय महाविद्यालय के गेट पर तालाबंदी कर प्रदर्शन किया।

छात्र प्रतिनिधि दीपा जाट ने कहा विद्यार्थी परिषद अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रही है। परिषद ने छात्र हितों के लिए 2 फरवरी को भी ज्ञापन दिया था, लेकिन स्थानीय कॉलेज प्रशासन ने यूनिर्वसिटी तक अपनी बात नहीं पहुंचाई। जाट ने बताया कि विद्यार्थियों का न तो समय पर प्रवेश होता है, ना परीक्षा और ना ही परिणाम समय पर जारी होता है। जबकि निजी कॉलेज के बराबर 20 से 25 हजार रुपये की फीस वसूली जा रही है। इसके बावजूद भी विद्यार्थियों का भविष्य बर्बाद करने के लिए उन्हें जीरो-जीरो नंबर देकर उनके रिजल्ट में धांधली की जा रही है। ऐसे में विद्यार्थियों का भविष्य अंधकार में है। छात्रा जाट ने कहा कि उनका यूनिर्वसिटी प्रशासन से निवेदन है कि आप अपनी जेबें भरिये, बे फिक्र होकर भरिये, परंतु इन विद्यार्थियों का भविष्य अंधकार में मत डालिये। इससे पहले आज विद्यार्थी परिषद के बैनर तले छात्र-छात्राओं ने कॉलेज गेट पर तालाबंदी कर प्रदर्शन किया। उधर, प्रदर्शन को देखते हुये कोतवाली थाने का जाब्ता भी कॉलेज गेट पर तैनात किया गया। प्रदर्शन के दौरान ममता आचार्य, भावेश छिपा, खुशी प्रजापत, हर्षिता वैष्णव, खुशी गोस्वामी, राजवीर आदि कार्यकर्त्ता उपस्थित थे। इस दौरान एक ज्ञापन भी सौंपा गया, जिसमें पुर्नः मूल्यांकन प्रणाली को दुबारा शुरू किया जाये, पूरक परीक्षा के कठोर नियम को सरल किया जाये।सेमेस्टर प्रणाली के माध्यम से ली जा रही अधिक फीस को कम किया जाये। विश्वविद्यालय द्वारा द्वितीय सेमिस्टर में छात्र-छात्राओं की अंकतालिका में की जा रही अनियमितताओं को सुधारा जायें। सेमेस्टर प्रणाली के सत्र (प्रवेश, परीक्षा और परिणाम) समय पर करवायें सहित मांगे कॉलेज प्रशासन के समक्ष रखी गई।

डीआईजी ओम प्रकाश ने 15 हजार लोगों से किया सीधा संवाद किया

अजमेर, (कासं)। अजमेर रेंज के डीआईजी ओम प्रकाश ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रेंज के सभी जिलों के पुलिस अधिकारियों और आम लोगों से सीधा संवाद किया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए कि पीडित् लोगों की शिकायतों का गंभीरता से समाधान किया जाए। कोई भी पीडित् व्यक्ति स्वतंत्रता के साथ अपनी शिकायत मोबाइल पर दर्ज करवाए। इसलिए उन्होंने मोबाइल नंबर 8764853020 सार्वजनिक जारी किया है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रेंज में आने वाले अजमेर, भीलवाड़ा, टोंक, ब्यावर, डीडवाना के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के साथ अजमेर रेंज डीआईजी ओम प्रकाश ने सीधा संवाद किया, उन्होंने कहा कि अधिकारियों को जनसहयोग से अपराधों पर नियंत्रण करना चाहिए। कई बार अपराध से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाएं लोगों के माध्यम से मिल जाती है, लेकिन इसका लाभ तभी मिलेगा, जब पुलिस अधिकारी समाज के जागरूक लोगों के साथ संवाद रखेंगे। उन्होंने माना कि साइबर क्राइम की वजह से लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि जो लोग अपने मोबाइल पर लेनदेन करते हैं, उन्हें साइबर क्राइम के प्रति ज्यादा जागरूक रहने की जरूरत है।

साइबर क्राइम के प्रति जागरुक रहने की जरुरतःडीआईजी ओम प्रकाश ने कहा कि आमतौर पर देखा गया है कि लापरवाही और अज्ञानता का फायदा उठाकर ही साइबर ठगी की जाती है। हालांकि अब साइबर ठगों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया गया है, लेकिन फिर भी लोगों को जागरूक रहने की जरूरत है। पुलिस भी अपनी ओर से लोगों को जागरूक करने का काम समय समय पर करती है।

साइबर ठगी की शिकायत मिलने पर पुलिस तत्काल कार्यवाही करती है। कई लोगों की राशि वापस भी आई है। उन्होंने कहा कि लोगों को जागरूक करने की जिम्मेदारी बैंकों की भी है। बैंकों को भी अपने ग्राहकों को साइबर अपराध से बचने की जानकारी देनी चाहिए। यहां उल्लेखनीय है कि अजमेर रेंज में अपराधों को रोकने और पीडितों को राहत दिलवाने में डीआईजी ओम प्रकाश नवाचार कर रहे है। इसके लिए वह कम्प्यूटर तकनीक का भी उपयोग कर रहे है। इसके अंतर्गत रेंज के पीडितों से वे माह में एक बार सीधा संवाद करते हैं। कोई भी पीडित् निकटतम पुलिस स्टेशन पर जाकर डीआईजी से बात कर सकता है।

डॉ.विकास, डॉ.कनिका ने कुंभ में डुबकी लगाई

अजमेर, (कासं)। अजमेर संभाग के सबसे बड़े जवाहर लाल नेहरू अस्पताल के चिकित्सक डॉ.विकास गुप्ता और डॉ.कनिका सिंहल 7 फरवरी को 15 सदस्यीय परिजन के साथ प्रयागराज कुंभ मेले में स्नान के लिए गए थे। संगम स्नान के 3 किलोमीटर पहले जब एक महिला भीड़ की वज़ह से बेहोश होकर गिर पडी, पुलिस वालों को कुछ समझ नहीं आया तब दोनों डाक्टर दंपत्ति ने महिला की नाड़ी देखी और मौके पर डॉ. विकास गुप्ता ने सीपीआर देना शुरू किया और 5 मिनट तक उन्होंने अपनी कोशिश जारी रखी कोशिश सफल हुई महिला को होश आने के बाद उनको थोड़ा आराम करवा कर पुलिस वालों ने ग्लूकोज दिया। डॉ. दम्पत्ति ने सूझ बूझ से एक जिंदगी बचा ली। इसके बाद संगम पर डुबकी लगाई। अपनी यात्रा पूर्ण की जब दोनों डॉक्टर दंपती काशी विश्वनाथ वाराणसी दर्शन की कतार में खड़े थे वहां भी एक पुरुष लाइन में खड़े खड़े गिर गया, दोनों अपना चिकित्सक धर्म निभाते हुए सीपीआर देकर पुरुष की जान बचाई।

कलक्टर ने किया बुधवाड़ा शिविर का निरीक्षण

अजमेर । जिला कलक्टर लोक बन्धु ने गुरुवार को ग्राम पंचायत बुधवाड़ा में आयोजित फॉर्मर रजिस्ट्री शिविर का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला कलक्टर ने फॉर्मर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया का अवलोकन किया एवं शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से चर्चा की। समस्त किसानों को आवश्यक रूप से एग्रीस्टैक योजना से जोड़ने के निर्देश दिए। इससे सरकार की लाभकारी योजनाओं का लाभ निरंतर प्राप्त होता रहेगा। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने कहा कि एग्रीस्टैक योजना के माध्यम से फॉर्मर रजिस्ट्री कैम्प आयोजित हो रहे है। यह सरकार कि महत्वकांक्षी परियोजना है। आधार कार्ड व्यक्ति की पहचान का दस्तावेज है उसी प्रकार फार्मर रजिस्ट्रेशन कार्ड कृषकों के डेटाबेस का दस्तावेज है। जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों एवं उपस्थित शिविर प्रभारी से नियमित शिविरों की मॉनिटरिंग करते हुए अधिकाधिक फॉर्मर रजिस्ट्री पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगरपरिषद कुचामन सिटी

Email : eo.mcorp.kuchaman@rajasthan.gov.in फोन नं. 01586-220022

munibkcity@gmail.com 01586-221526

क्रमांक :– न.प.कु./2024–25/7418 दिनांक :– 05.02.2025

लोक सूचना

निम्न लिखित आवेदको द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर–कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :–

क्र. सं.	आवेदक का नाम	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्र
1.	श्री लादूराम पुत्र उदाराम जाति गुर्जर	तहसील कुचामन सिटी, जिला डीडवाना–कुचामन	कुचामन सिटी	3734/201	1.4100 Hq. में से 0.1619 Hq.

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90–क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर–भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर–भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 05.02.2025 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी
आयुक्त नगरपरिषद कुचामन सिटी

पटाखा गोदाम में आग लगने से 14 लोग झुलसे, दो की हालत गंभीर

आग लगने के बाद गोदाम में दो बड़े धमाके हुए और रह-रहकर पटाखों की गूंज सुनाई देती रही

बांसवाड़ा, (निसं)। बांसवाड़ा जयपुर मार्ग स्थित रिको औद्योगिक क्षेत्र में अवैध पटाखा गोदाम में आग लगने से 14 लोग झुलस गये, जिनमें से 2 की हालत गंभीर होने पर उन्हें उदयपुर रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार दोपहर में गोदाम में लगी आग का धुआं शहर तक दिखाई दिया। नौ दमकलों की मदद से लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

जानकारी मिलने पर जिला कलक्टर डॉ. इन्द्रजीत सिंह यादव एवं पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला भी मौके पर पहुंचे। घायलों का उपचार जिला मुख्यालय के महात्मा गांधी चिकित्सालय में किया जा रहा है। चर्चा है कि गोदाम में अवैध रुप से पटाखे बनाये जा रहे थे। गोदाम मालिक अशोक अठावाल ने सोनू सिंधी को गोदाम किराये पर दे रखा था और सोनू बिना लाईसेंस के पटाखे बना रहा था। अब रिको की ओर से उसके खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज करवाया जायेगा। आग लगने के बाद गोदाम में दो बड़े धमाके हुए और रह-रहकर पटाखों की गूंज सुनाई देती रही। मौके पर सैकड़ो लोग जमा हो गये जिनमें से धमाके की चपेट में आकर कुछ झुलस गये।

कोतवाली थानाधिकारी देवीलाल मीणा जेसीबी की मदद से गोदाम की दीवार तुड़वाई जिसके बाद मीणा स्वयं अंदर पहुंचे। गोदाम से दंपती और चार बच्चे सुरक्षित निकल गये थे। प्रत्यक्षदर्शी शाहिद मंसूरी ने बताया कि गोदाम के बाहर खड़े थे कि अचानक धमाकों की आवाज आयी और धुआं उठने लगा। तत्काल प्रशासन को सूचना दी। पुलिस और अग्निशमन की टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने बताया कि गोदाम पर अक्सर ताला ही लगा रहता था हाल ही में ऊंची दीवारें भी बनाई गयी थी। इधर बाद में जिला कलक्टर डॉ. इन्द्रजीत यादव एवं पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला चिकित्सालय पहुंचे और घायलों की कुशलक्षेम पूछी। इधर पुलिस उप अधीक्षक गोपीचंद मीणा, राजतालाब थानाधिकारी दिलीप सिंह चारण एवं अन्य पुलिस अधिकारी के अलावा अतिरिक्त जिला कलेक्टर अभिषेक गोयल भी मौके पर पहुंचे।

बांसवाड़ा में पटाखों के गोदाम में लगी आग से उठता धुआं।

- नौ दमकलों की मदद से लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका
- चर्चा है कि गोदाम में अवैध रुप से पटाखे बनाये जा रहे थे, गोदाम मालिक ने गोदाम किराये पर दे रखा था

सहायक अभियंता व बाबू 30 हजार की रिश्वत लेते ट्रैप

अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के बनेड़ा कार्यालय में कार्यरत है सहायक अभियंता व बाबू

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा एसीबी टीम ने अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के बनेड़ा कार्यालय में कार्यरत सहायक अभियंता मुकेश बैरवा व बाबू विनोद को 30 हजार की रिश्वत लेते ट्रैप किया है। कॉर्मशियल बिजली कनेक्शन जारी करने के एवज में रिश्वत राशि एक लाख की डिमांड की गई, जबकि एसीबी के सत्यापन के दौरान 20 हजार हजार रुपये ले लिये। गुरुवार को 30 हजार रुपये लेते सहायक अभियंता व बाबू ट्रैप हुआ है।

एसीबी सूत्रों के अनुसार, सरदार नगर निवासी उदयलाल तेली को तेल घाणे के लिए कॉमर्शियल कनेक्शन की आवश्यकता थी। इसके लिए वह अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड बनेड़ा के सहायक अभियंता मुकेश बैरवा से मिला।

- कॉर्मशियल बिजली कनेक्शन जारी करने के एवज में रिश्वत राशि एक लाख की डिमांड की

अभियंता ने कनेक्शन जारी करने के लिए एक लाख रुपये रिश्वत राशि की डिमांड की थी। उदयलाल, इन्हें रिश्वत नहीं देकर रंगे हाथ पकड़वाना चाहता था। इसके चलते उसने एसीबी में शिकायत दी। एसीबी ने शिकायत का सत्यापन करवाया। इस दौरान सहायक अभियंता ने 20 हजार रुपये प्राप्त कर लिये। 30 हजार रुपये गुरुवार को देने थे। इसके लिए उदयलाल आज राशि लेकर बनेड़ा के सहायक अभियंता मुकेश बैरवा के पास गया। अभियंता ने यह राशि निगम के ही बाबू विनोद को देने के लिए कहा। विनोद ने जैसे ही उदय लाल से राशि ली, एसीबी की टीम उदयलाल का संकेत पाकर मौके पर पहुंच उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। एसीबी का कहना है कि फिल्हाल कार्रवाई जारी है।

रजिस्ट्री की नकल के एवज में 15 हजार मांगे, बाबू को पकड़ा

अलवर, (निसं)। अलवर के बहादरपुर सब रजिस्ट्रार के बाबू को रजिस्ट्री की नकल देने के एवज में 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए एसीबी ने ट्रैप कर लिया। दूसरा आरोपी बाबू मौके से फरार हो गया। सहायक रजिस्ट्रार के शामिल होने की जांच होगी।

एसीबी के परमेश्वर लाल ने बताया कि परिवादी ने 11 फरवरी को सूचना दी कि मुझसे रजिस्ट्री की कॉपी लेने के एवज में बहादरपुर सब रजिस्ट्रार कार्यालय के बाबू ने 15 हजार रुपए मांगे है, जिसका सत्यापन सही पाया गया। इसके बाद ट्रैप की कार्यवाही की गई। गुरुवार दोपहर बाद में बहादरपुर में सब रजिस्ट्रार कार्यालय के बाबू दिनेश मीना 15 हजार रुपए लेते हुए पकड़ा गया। दूसरा बाबू हितेंद्र मौके से फरार हो गया जिसे जल्दी अरेस्ट किया जाएगा। सहायक रजिस्ट्रार भानूश्री की भूमिका की जांच होगी। हालांकि परिवादी ने उनकी मिलीभगत होने का शक जाहिर किया है।

आरोपी बाबू।

उधर, परिवादी ने बताया कि 31 जनवरी को जमीन की रजिस्ट्री करा ली थी। रजिस्ट्री की कॉपी लेने आया तो बाबू ने 15 हजार रुपए मांगे। उससे पहले उप रजिस्ट्रार ने कहा था कि आपकी रजिस्ट्रर कॉमर्शियल में जाएगी, जिसके 68 हजार रुपए जमा कराएं। लेकिन बाद में बाबू दिनेश व हितेंद्र ने कहा कि हम काम करा देंगे। जिसके 15 हजार रुपए देने होंगे। यह भी कहा था कि मैडम तो 20 हजार रुपए मांग रही है लेकिन हम 15 हजार रुपए में काम करा देंगे। पैसे मांगने के बाद एसीबी को शिकायत दी। उसके बाद आरोपी को एसीबी ने ट्रैप किया है।

- दूसरा आरोपी बाबू मौके से फरार, सहायक रजिस्ट्रार के शामिल होने की जांच होगी

महाकुंभ से लौट रही श्रद्धालुओं से भरी बस खड़े ट्रक से टकराई, तीन की मौत

हादसे में दो जने गंभीर रूप से घायल हुए, उपचार के लिए कोटा भेजा

कोटा, (निसं)। प्रयागराज महाकुंभ से मंदसौर जा रही श्रद्धालुओं से भरी एक स्लीपर कोच बस दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार तड़के पीछे से खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस के केबिन में सवार दम्पती सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए कोटा के एमबीएम अस्पताल ले जाया गया जहां पर घायलों का उपचार जारी है। तीनों मृतकों के शव मोर्चरी में रखवा दिए हैं। पुलिस ने मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराकर शवों को रवाना किया। सभी महाकुंभ से लौट रहे थे।

- प्रयागराज से मंदसौर जाते समय सिमलिया के समीप हुआ हादसा, बस चालक मौके से फरार हुआ
- जिस समय घटना हुई अधिकांश लोग बस में सो रहे थे, बस सवार अधिकांश रिश्तेदार या जानकार या समाज के ही थे

हादसे में बस का एक साइड का हिस्सा चकनाचूर हो गया।

कोटा ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर ने बताया कि घटनाक्रम सुबह छह बजे के आसपास हुआ है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि 56 यात्रियों से भरी एक स्लीपर कोच बस प्रयागराज महाकुंभ से मंदसौर के लिये रवाना हुई थी। सिमलिया थाना क्षेत्र के कराड़िया के नजदीक फोर लेन पर एक ट्रक खड़ा था संभवत: बस चालक को नींद का झटका लगा जिससे तेज रफ्तार से आ रही बस ने पीछे से ट्रक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस की कंडेक्टर साइड का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। कोटा ग्रामीण एसपी ने बताया कि मौके से बस चालक फरार हो गया है। मामला दर्ज कर चालक की तलाश की जा रही है। वहीं घटना की सूचना मिलने पर सिमलिया थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और एम्बुलेंस से घायलों व मृतकों को अस्पताल पहुंचाया। हादसे के बाद कई यात्री बस में फंस गए थे, जिन्हें निकाला गया है।

हादसे में मृतकों की पहचान मंदसौर निवासी कैलाशी बाई (64), उनके पति किशोरी लाल (65) और मंदसौर निवासी अशोक (35) के रूप में हुई है। दुर्घटना में घायल चमन लाल और पार्वती को तत्काल पुलिस ने अस्पताल पहुंचा दिया है। बस में मौजूद करीब एक दर्जन लोग चोटिल हुए हैं। पुलिस ने श्रद्धालुओं को दूसरी बस में सवार कराकर अपने अपने गंतव्य के लिये रवाना कराया।

बस में सवार लोकेश पवार का कहना है कि वह मंदसौर से 56 लोग बस करके महाकुंभ में गए थे। वापसी में आगरा घूमने भी पहुंच गए थे। आगरा से रात को कोटा होते हुए एक्सप्रेस-वे के जरिए मंदसौर लौट रहे थे। इस हादसे में उनके सास-ससुर कैलाशी बाई और किशोरी लाल की मौत हो गई है, जिस समय घटना हुई अधिकांश लोग बस में सो ही रहे थे। इस बस में सवार अधिकांश उनके रिश्तेदार या जानकार या समाज के ही हैं।

ट्रॉली के नीचे आने से युवक की मौत

श्रीगंगानगर, (निसं)। कालियां बस स्टैंड पर मिट्टी की भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे आने से बाइक चालक युवक की मौत हो गई। हादसा शाम को करीब पांच बजे हुआ। सूचना पर सदर थाने से हैड कांस्टेबल रूपराम मय जाब्ता मौके पर पहुंचे। शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।

मृतक अबोहर तहसील के पंजपीर कॉलोनी निवासी 25 वर्षीय संजू ओड राजपूत पुत्र श्रवण कुमार के परिजनों को सूचना दी गई है। पुलिस का ससुराल कालियां के निकट कॉलोनी में है। वह अपने ससुराल में मिलकर वापस पंजपीर के लिए रवाना हुआ था। इस दौरान कालियां बस स्टैंड पर हादसा हुआ। युवक सड़क पर गिरकर सामने से आ रही मिट्टी भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे आ गया। इससे उसका सिर कुचला गया और मौके पर ही मौत हो गई। कालियां गांव के प्रशासक पवनदीप शेरगिल ने बताया कि घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों ने रास्ता जाम कर लिया और आवागमन बाधित हो गया। लोगों ने ट्रैक्टर के चालक को मौके पर ही पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया।

कार की टक्कर से बाइक सवार तीन युवकों की मौत

बीकानेर, (निसं)। बीछवाल पुलिस थाना क्षेत्र में बदरासर के पास देर रात कार की टक्कर से बाइक पर सवार तीन लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद कार का टायर फट गया जिसे छोड़कर ड्राइवर फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार भरूपावा निवासी हुकुमचंद मेघवाल, पप्पूराम और किशोराराम बाइक पर सवार होकर बीकानेर से अपने गांव की ओर जा रहे थे। इस दौरान रात को करीब 12 बजे बदरासर के पास जीणमाता मंदिर पहुंचने वाले थे कि पीछे से आ रही कार के चालक ने तेज और लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि हुकुमचंद और पप्पूराम की मौके पर ही मौत हो गई। राहगिर की गाड़ी में किशोराराम को पीबीएम अस्पताल ले गए जहां इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। घटना के बाद कार चालक ने भागने की कोशिश की तो कुछ दूरी पर जाने के बाद उसका टायर फट गया। चालक कार को छोड़कर मौके से फरार हो गया। कार की टक्कर से बाइक चकनाचूर हो गई। पुलिस ने दोनों गाड़ियां जब्त की है। हुकुमचंद के भाई गोरधन कुमार मेघवाल की रिपोर्ट पर बीछवाल पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

दिल्ली-मुम्बई रेलवे ट्रैक पर कोचिंग छात्र का शव मिला

कोटा, (निसं)। कोटा मंडल के डकनिया रेलवे स्टेशन के समीप गुरूवार रात्रि को दिल्ली-मुम्बई रेलवे लाइन पर कोटा में रहकर कोचिंग कर रहे एक छात्र का शव मिला। सूचना पाकर जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक की पहचान बिहार निवासी हिमांशु शर्मा के रूप में हुई, जिसके बाद मृतक के परिजनों को सूचित किया गया। परिजनों के कोटा पहुंचने के बाद मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया जायेगा।

जीआरपी के पुलिस उपअधीक्षक शंकर लाल ने बताया कि डकनिया रेलवे स्टेशन के समीप एक शव पड़े होने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो मृतक का शव क्षत-विक्षिप्त हालत में मिला। पुलिस उप अधीक्षक ने बताया कि मृतक के पास मौके से एक मोबाइल मिला। मोबाइल व पूछताछ करने पर प्रथमदृष्टया से उसकी पहचान बिहार निवासी हिमांशु शर्मा (18) के रूप में हुई है जो कोटा के विज्ञान नगर में रहकर कोचिंग कर रहा था।

पुलिस उपअधीक्षक ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया है। परिजनों के कोटा पहुंचने के बाद मृतक की शिनाख्त कराई जायेगी। जांच के बाद ही स्पष्ट हो पायेगा कि ये कोई हादसा है या सुसाइड का मामला है।

- हादसा या सुसाइड, पुलिस जांच में जुटी, बिहार का निवासी था छात्र

दो सगे भाइयों को अनियंत्रित टेंपो ने टक्कर मारी, एक की मौत

धौलपुर, (निसं)। बाड़ी उपखंड से गुजर रहे हाइवे 11 बी पर बुधवार की देर शाम चिलाचोंद गांव के पास सड़क हादसा हुआ है। खेतों की रखवाली करने जा रहे दो सगे भाइयों को पीछे से अनियंत्रित टेंपो ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में एक भाई की उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं दूसरे भाई का उपचार जिला अस्पताल में जारी है। घटना के बाद आंगई बाड़ी थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

चिलाचोंद गांव निवासी 17 वर्षीय सचिन पुत्र वीर सिंह मीणा अपने छोटे भाई 15 वर्षीय सौरभ के साथ खेतों की रखवाली करने गांव से करीब दो किलोमीटर दूर खेतो पर पैदल घूमते हुए जा रहा था। इस दौरान पीछे से आए अनियंत्रित टेंपो ने उन्हें टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों भाई सड़क पर गिरकर अचेत हो गए। इसके बाद सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से उनको बाड़ी अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल धौलपुर रेफर किया गया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान देर रात सचिन पुत्र वीर सिंह मीणा की मौत हो गई। वहीं सौरभ का उपचार जारी है।

घटना को लेकर गांव चिलाचोंद निवासी समाजसेवी भरतसिंह मीणा ने बताया कि वीर सिंह खेती किसानी का काम करते हैं। उनके दो पुत्र सचिन और सौरभ हैं साथ में दो बेटियां हैं।

झुंझुनूं की जेजेटी यूनिवर्सिटी चुड़ैला ने 1830 पीएचडी डिग्री बांटी, यूजीसी ने सवाल उठाए

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के बिसाऊ रोड पर स्थित चुडैला में संचालित जगदीशप्रसाद झाबरमल टीबड़ेवाला (जेजेटी) विश्वविद्यालय का बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। जानकारी के अनुसार जेजेटी यूनिवर्सिटी ने पीएचडी डिग्रियों में बड़ा फर्जीवाड़ा किया है। जिसके चलते यूजीसी ने पूरी जांच पड़ताल के बाद अब यूनिवर्सिटी के पीएचडी कोर्सेज में आगामी पांच सालों के लिए एडमिशन पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस संदर्भ में यूजीसी ने बाकायदा सार्वजनिक सूचना जारी कर इसकी जानकारी दी है।

जानकारी के अनुसार यूनिवर्सिटी को लेकर शिकायतें दी थी कि उनके द्वारा यूजीसी के मापदंडों के विपरित जाकर पीएचडी कोर्सेज करवाए जा रहे हैं और डिग्री बांटी जा रही है। जब यूजीसी ने मार्च-अप्रेल 2024 से जगदीशप्रसाद झाबरमल टीबड़ेवाला विश्वविद्यालय चुड़ैला द्वारा 2016 से 2020 तक दरमियान दी गई पीएचडी डिग्रियों की जांच शुरू की तो चौंकाने वाले खुलासे हुए। जांच में यूजीसी की गठित टीम द्वारा विषय निर्धारण, प्रवेश परीक्षा कार्ड, एक्सपर्ट मेम्बर्स, पर्यवेक्षक, परीक्षक आदि के नाम-पते गायब मिले। वहीं ऐसी कई खामियां मिली, जिसमें यूजीसी के दिशा निर्देश, नियम आदि की पालना नहीं की गई। खामियों को लेकर यूनिवर्सिटी के साथ यूजीसी की तीन-चार बार बैठकें भी हुई, जिसमें भी यूनिवर्सिटी कोई संतुष्टिपूर्ण जवाब नहीं दे पाई। जिसके बाद अब यूजीसी ने पांच साल के लिए पीएचडी कोर्सेज में प्रवेश के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही कहा है कि पांच साल बाद भी यूनिवर्सिटी द्वारा 2021 से 2025 तक दी गई पीएचडी डिग्रियों की जांच के बाद प्रतिबंध हटा सकता है।

- पीएचडी नहीं करवा सकेगी जेजेटी यूनिवर्सिटी चुडैला, पांच साल के लिए प्रतिबंध लगाया
- यूजीसी ने जेजेटी यूनिवर्सिटी को 23 अक्टूबर 2024 को कारण बताओ नोटिस जारी किया था, जिसमें यूनिवर्सिटी से जवाब मांगा था

2016 से 2020 तक 1830 डिग्री बांटी :- यूजीसी की रिपोर्ट में बताया गया है कि जब 2016 से 2020 तक की पीएचडी डिग्री की जांच की गई तो यूनिवर्सिटी ने 1830 डिग्री का रिकॉर्ड दिया। इनमें से 2020 में 408 डिग्री शामिल है, जिसे यूजीसी ने सामान्य संख्या से कहीं ज्यादा माना। इन पांच सालों का रिकॉर्ड देखें तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि 2021 से 2025 तक भी करीब करीब दो हजार डिग्री यूनिवर्सिटी ने बांटी होगी। इस तरह करीब 3800 से 4000 स्कॉलर्स की पीएचडी डिग्री पर सवाल उठ रहे हैं।

23 अक्टूबर को दिया था कारण बताओ नोटिस :- यूजीसी ने जेजेटी यूनिवर्सिटी को 23 अक्टूबर 2024 को कारण बताओ नोटिस जारी किया था, जिसमें 15 दिन का समय देते हुए 10 बिन्दुओं पर यूनिवर्सिटी से जवाब मांगा था। हालांकि यूनिवर्सिटी ने जवाब दिया। लेकिन यूजीसी जवाब से असंतुष्ट दिखी। इसी रिपोर्ट में यूजीसी ने बताया कि 2016 से 2020 तक जेजेटी यूनिवर्सिटी ने 1830 पीएचडी डिग्री बांटी। इनमें 408 डिग्री अकेले 2020 में बांटी गई। यह संख्या सामान्य से अधिक पाई गई। विषय निर्धारण, प्रवेश परीक्षा कार्डों में अनियमितताएं पाई गई। एक्सपर्ट मेम्बर के नाम और पदनाम भी नहीं मिले। पीएचडी के लिए आरएसी का गठन होता है, जो नहीं मिला। परीक्षक रिपोर्ट में सिर्फ साइन मिले, ऐसी कोई जानकारी नहीं मिली, जिसमें परीक्षक का नाम हो और वह कौनसी संस्था से है, यह जानकारी भी हो, जो जरूरी था। विजिटिंग फैकल्टी को ही एक्सटरनल एग्जामिनर बना दिया, जो यूजीसी के नियमों के अनुसार गलत है। अधिकतर पीएचडी केस में यूनिवर्सिटी ने केवल मार्गदर्शक नियुक्त किया, जो यूनिवर्सिटी का नहीं था, रिसर्च भी अन्य कॉलेजों से किए जाना दिखाया गया। यह सब नियम विरूद्ध था। जो भी पर्यवेक्षक थे, वो जेजेटी के टीचर नहीं थे। छह माही रिपोर्ट में विद्यार्थियों के साइन तक नहीं मिले।

डॉ. देवेंद्रसिंह ढुल, प्रेजीडेंट, जेजेटी यूनिवर्सिटी, चुड़ैला, झुंझुनूं ने बताया कि यूजीसी ने हमें गुणवत्ता के लिहाज से कुछ निर्देश दिए हैं। लगातार सुधार किए जा रहे हैं। फिलहाल पीएचडी एडमिशन पर प्रतिबंध है, लेकिन हम यूजीसी से अपील करेंगे, दुबारा एडमिशन लिए जा सकेंगे। फर्जी डिग्री को लेकर ना तो यूजीसी के पास पहले कोई शिकायत थी और ना अब है। सभी कार्यक्रम और सभी कोर्स यूजीसी के निर्देशों के अनुसार ही चल रहे हैं बात सिर्फ कुछ गुणवत्ता को लेकर है, जिसे लेकर यूनिवर्सिटी लगातार अपना पक्ष यूजीसी के समक्ष रखेगी। हमने अब तक जो भी पीएचडी कोर्स करवाए है। वो पूरे नियमों में करवाए हैं।

युवक से मारपीट, सड़क पर फेंका

बीकानेर, (निसं)। नयाशहर थाना क्षेत्र में मारपीट के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं। थाने के ठीक पीछे कुछ युवकों ने एक घर पर हमला बोल दिया, जिसमें एक जना घायल हो गया। वहीं फूलनाथ बगीची के पास घर में से युवक को उठाकर ले गए और मारपीट कर सड़क पर फेंक गए।

मुरलीधर व्यास कॉलोनी से आगे स्थित फूलनाथ बगीची के पास रहने वाले लालचंद नायक ने पुलिस को रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया कि उसके भतीजे शिवलाल को राकेश जाट, रोनाल्डो जाट और मुकेश जाट सहित दस-पंद्रह अन्य युवक पिकअप गाड़ी में डालकर ले गए। मारपीट के बाद सड़क पर फेंक दिया। जब घर वाले ढूंढने निकले तो पूर्व पार्षद के घर के आस-पास मिला। गंभीर रूप से घायल शिवलाल को ट्रोमा सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां उसके पैर का एक घुटना टूट हुआ सामने आया। पुलिस ने मामला दर्ज कर तीनों युवकों की गिरफ्तारी के लिए दबिश देना शुरू कर दिया है। वहीं नयाशहर थाने के ठीक पीछे भी एक घर पर हमला करने का मामला सामने आया है। हालांकि इस मामले में अब तक एफआईआर की पुष्टि नहीं हुई।

कार्यालय नगरपरिषद् चूरू (राजस्थान)

क्रमांक : न.प./सफाई शाखा/2024-25/13445012 दिनांक :- 07.02.2025

ई-निविदा सूचना 113 वर्ष 2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से नगरपरिषद, द्वारा कार्य की निविदा आईडी नम्बर DLB2425A5534 आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in पर तथा कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगरपरिषद चूरू के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकता है।

UBN Code :- DLB2425SLOB16763, DLB2425SLOB16764

राज.संवाद/सी/24/11634 आयुक्त, नगर परिषद चूरू

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर, जिला ब्यावर राज.

गांधी उद्यान-ब्यावर रोड़, बिजयनगर

टैलीफोन नम्बर - 01462-230051 ई-मेल :- npvijaynagar@gmail.com

ऑन लाईन निविदा सूचना संख्या 13/2024-25

नगर पालिका बिजयनगर द्वारा राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से सिविल कार्य हेतु ऑन लाईन निविदा निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रीया से वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती है। ऑन लाईन निविदा सूचना संख्या 13/2024-25 के कार्य संख्या 01 से 44 की अनुमानित लागत 1074.57 लाख है। ऑन लाईन निविदाए दिनांक 14-02-2025 से 24-02-2025 समय सांय 6:00 बजे तक डाउनलोड की जाकर दिनांक 25-02-2025 को निविदा शुल्क, अमानत राशि एंव प्रोसेसिंग शुल्क की डी.डी. भौतिक रूप से समय 12:00 PM तक कार्यालय में जमा कराई जा सकती है। ऑन लाईन निविदा की ऑन लाईन निविदा खोलने की दिनांक 27-02-2025 समय प्रातः 10:00 बजे खोली जायेगी। अधिक जानकारी वेबसाईट https://sppp.raj.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

UNB Reference No:- DLB2425A5556

राज.संवाद/सी/24/11619 अधिशाषी अधिकारी

राजस्थान सरकार

निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी (ERCC/RCC 02)/2025/ई-10075

ई-नीलामी विज्ञप्ति संख्या-(ERCC/RCC 02)/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञप्ति से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों/क्वारीं लाईसेंसों व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क/अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयम शुल्क, डी.एम.एफ.टी., आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संग्रहण के कुल 27 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे-ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रकिया एवं मुख्य शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध हैं। (भगवती प्रसाद)IAS

DIPR/C/1575/2025 निदेशक

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

क्रमांक-संक्षिप्त वि.सं.25/परीक्षा/लेक्चरर-आयुर्वेद/RPSC/EP-1/2024-25/215-219 दिनांक- 13.02.2025

आयोग द्वारा आयुर्वेद योग व प्राकृतिक चिकित्सा यूनानी सिद्धा एवं होम्योपैथी (आयुष) विभाग के लिए राजस्थान आयुर्वेद, यूनानी होम्योपैथी एवं प्राकृतिक चिकित्सा सेवा नियम 1973 के अन्तर्गत लेक्चरर के विभिन्न 08 विषयों के कुल 09 पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। शैक्षणिक योग्यता वर्गवार वर्गीकरण आवेदन प्रक्रिया व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यथी उक्त पदो हेतु आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन का अवलाकन करें। उक्त पदों हेतु आयु सीमा आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार हैं-

आयु सीमा	दिनांक 01.01.2025 को न्यूनतम 20 वर्ष एवं अधिकतम 45 वर्ष से कम।
आवेदन अवधि	दिनांक 20.02.2025 से दिनांक 21.03.2025 रात्रि 12.00 बजे तक
परीक्षा का स्थान व माह	परीक्षा स्थान व तिथि के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जायेगा।

अन्य बिन्दु व सूचना-एकबारीय पंजीयन शुल्क, आवेदन प्रक्रिया, प्रमाण पत्रों से संबंधित सूचना एवं परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेवसाइट पर उपलब्ध नवीनतम एवं संशोधित परीक्षार्थियों हेतु आवेदन व परीक्षा संबंधी सामान्य दिशा-निर्देश तथा सम्बन्धित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेवसाईट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते है। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/सूचना/स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.-0145-2635212 एवं 2635200 पर संपर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।

राम निवास मेहता, सचिव

गहलोतजी बेहतर जानते हैं, फोन टैप कैसे होते हैं : राजेन्द्र राठौड़

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने पलटवार करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का टेलीफोन टैपिंग पर बयान और वर्तमान सरकार पर निशाना, ऐसा लगता है कि 'नौ सौ चूहे खा के बिल्ली हज को चली'।

राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि गहलोत साहब टेलीफोन टेप कैसे होते हैं, सरकार क्या षड्यंत्र रचती है, आपसे बेहतर कोई नहीं जानता। लोकेश शर्मा 5 वर्ष तक आपके ओएसडी रहे। दोनों के बीच फोन टैपिंग से संबंधित बातचीत का ऑडियो आज भी मीडिया के पास है। उस ऑडियो में वह इंस्ट्रूमेंट नष्ट करने

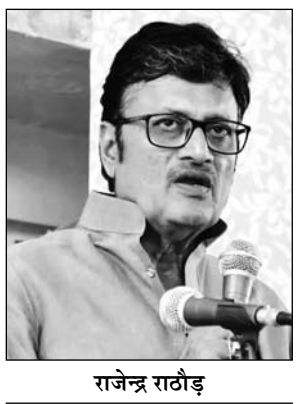

राजेन्द्र राठौड़

- **'कोर्ट में दिया ओएसडी का बयान क्यों भूल रहे गहलोत'**

की बात कह रहे हैं।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि गहलोत का ओएसडी कोर्ट में इकबालिया बयान देता है कि आपके निर्देश पर कई नेताओं के टेलीफोन टैप हुए। यह 'उल्टे बांस बरेली को' क्यों। यह सारी बात जनता समझती है।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के लोग विधानसभा में सदन के नेता के बोलने पर विरोध कर रहे थे, सदन की गरिमा गिरा रहे थे। उसमें से आधे से ज्यादा कांग्रेसी विधायक यह कहकर बाहर निकल गए कि दलित समाज से आने वाले नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया गया और वे कांग्रेस पार्टी की बात से सहमत नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस टुकड़ों-टुकड़ों में बटी है। यह पार्टी पांच सितारा होटलों में कैद रही, आज इनके पास मुद्दा नहीं है, कांग्रेस मुद्दाविहीन हो चुकी है। यह चाय के प्याले में तूफान खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। यह राजस्थान की जनता है सब जानती है। इनकी कलई पूर्व में खुल चुकी है। अच्छा रहता ये अगर अपने ओएसडी से बात कर लेते।

बार एसोसिएशन के सांस्कृतिक सचिव के निलंबन पर रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने दी बार एसोसिएशन के सांस्कृतिक सचिव पद से याचिकाकर्ता को निलंबित करने के आदेश की क्रियान्विति पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में राज्य सरकार और बार एसोसिएशन से जवाब मांगा है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश अंकित कपूर की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता को दी बार एसोसिएशन की ओर से गत 27 जनवरी को पत्र भेजकर जानकारी दी गई कि गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में उनकी ओर से किया गया व्यवहार घोर अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है।

सुखोई के साथ राजीव प्रताप रूडी ने फिर भरी हौसलों की उड़ान

पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री और सारण सांसद राजीव प्रताप रूडी ने भारतीय वायुसेना के अत्याधुनिक लड़ाकू विमान सुखोई-30 एमकेआई में उड़ान भरते हुए अपनी उड़ान क्षमता और साहस का प्रदर्शन किया।

बेंगलुरु/जयपुर। पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री और सारण सांसद राजीव प्रताप रूडी ने भारतीय वायुसेना के अत्याधुनिक लड़ाकू विमान सुखोई-30 एमकेआई में उड़ान भरते हुए अपनी उड़ान क्षमता और साहस का प्रदर्शन किया। उन्होंने 12 फरवरी को बेंगलुरु में आयोजित एयरो इंडिया 2025 एयर शो में 22,000 फीट की ऊँचाई पर 52 मिनट तक शानदार कलाबाज़ियाँ कीं।

- **एयरो इंडिया 2025 एयर शो, बेंगलुरु में 22,000 फीट की ऊँचाई पर 52 मिनट तक उड़ान**
- **विंग कमांडर परमिंदर चहल के साथ टम्बल, लूप, बैरल रोल जैसे युद्धाभ्यास किए**

रूडी ने उड़ान के अनुभव को रोमांचक बताते हुए कहा कि "सुखोई-30 एमकेआई उड़ाना एक अविस्मरणीय अनुभव रहा। वाणिज्यिक पायलट के रूप में उड़ान भरने की आदत है, लेकिन इस युद्धक विमान को उड़ाना पूरी तरह से शक्ति, गति और सहनशक्ति की परीक्षा थी।" विंग कमांडर परमिंदर चहल (पैरी) के साथ उन्होंने टम्बल, लूप, बैरल रोल जैसे गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देने वाले युद्धाभ्यास किए। उड़ान से पहले उन्होंने जी-सूट पहनकर सभी शारीरिक फिटनेस परीक्षण पूरे किए।एयर शो के दौरान रूडी ने भारतीय वायुसेना के सबसे आधुनिक और शक्तिशाली लड़ाकू विमानों एसयू-35 तथा सुखोई-57 का प्रदर्शन भी देखा। साथ ही, उन्होंने भारतीय वायुसेना की विख्यात एरोबैटिक प्रदर्शन टीम 'सूर्य किरण' के शानदार हवाई करतबों को करीब से देखा। रूडी ने भारतीय वायुसेना के पायलटों की कुशलता और समर्पण की सराहना करते हुए कहा, "भारतीय वायुसेना की ताकत और परिश्रम को सलाम। इनके रहते हमारा देश पूरी तरह सुरक्षित हाथों में है। रूडी ने कहा कि सूर्य किरण टीम को बिहार में आमंत्रित करने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने बताया कि यह भारतीय वायुसेना की प्रमुख एरोबैटिक टीम है, जो अपने अद्वितीय हवाई कौशल और सटीक उड़ान प्रदर्शन के लिए जानी जाती है। सूर्य किरण टीम कर्नाटक के बीदर एयरफोर्स स्टेशन पर स्थित है और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय एयर शो में कई शानदार प्रदर्शन कर चुकी है। बिहार में इसके आगमन से युवा पीढ़ी को भारतीय वायुसेना के शौर्य और तकनीकी उत्कृष्टता को करीब से देखने का अवसर मिलेगा। राजीव प्रताप रूडी एक लाइसेंसशुदा वाणिज्यिक पायलट हैं और पूर्व में भारत सरकार में नागरिक उड्डयन मंत्री भी रह चुके हैं। यह उनकी दूसरी सुखोई उड़ान थी, इससे पहले 2015 में भी वे सुखोई एमकेआई 30 में उड़ान भर चुके हैं। मालूम हो कि सुखोई लड़ाकू विमान 2600 किमी/घंटा की रफ़्तार से उड़ान भरने में सक्षम होते है। ये हवा से हवा और हवा से ज़मीन पर हमला करने की क्षमता रखते है, साथ ही ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस होने वाला पहला लड़ाकू विमान सुखोई है जिसमें हवा में ही ईंधन भरने की सुविधा है।

गौरतलब है कि रूडी एक लाइसेंसशुदा वाणिज्यिक पायलट हैं और पूर्व में भारत सरकार में नागरिक उड्डयन मंत्री भी रह चुके हैं। यह उनकी दूसरी सुखोई उड़ान थी।

एयर फोर्स स्टेशन जयपुर में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया

जयपुर। एयर फोर्स स्टेशन जयपुर द्वारा 10 से 13 फरवरी तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवधि में यातायात नियमों की जागरूकता, सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और जीवन बचाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में फर्स्ट रिस्पॉन्डर प्रशिक्षण, वॉकथॉन, निजी वाहनों के आवश्यक दस्तावेजों की जांच जैसी पहल शामिल रहीं।

सप्ताह के समापन समारोह का आयोजन आज एयर फोर्स स्टेशन जयपुर-जल महल में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ग्रुप कैप्टन एवं स्टेशन मास्टर विनय भारद्वाज की उपस्थिति रही।

समारोह के दौरान परिवहन निरीक्षक (आरटीओ) दिनेश सिंह फौजदार ने लाइसेंस प्रणाली और सड़क दुर्घटनाओं के घातक कारणों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इसके अलावा, मुस्कान फाउंडेशन फॉर रोड सेफ्टी की डायरेक्टर प्रोजेक्ट्स नेहा खुल्लर ने सड़क सुरक्षा कानून और मोटर वाहन ड्राइविंग नियमों पर व्याख्यान दिया, जबकि मुस्कान फाउंडेशन के प्रशिक्षक समीर नैणावत ने यातायात संकेतों (साइनज) की महत्ता पर जागरूकता बढ़ाई। इस व्याख्यान में एयर फोर्स स्टेशन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इसके अलावा, एयर फोर्स स्कूल के छात्रों को सड़क सुरक्षा पर पोस्टर प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

सड़क सुरक्षा सप्ताह के समापन समारोह का आयोजन गुरूवार को एयर फोर्स स्टेशन जयपुर-जल महल में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ग्रुप कैप्टन एवं स्टेशन मास्टर विनय भारद्वाज की उपस्थिति रही।

समापन समारोह में सभी उपस्थित लोगों ने सड़क सुरक्षा की शपथ ली, जिसमें उन्होंने यातायात नियमों का पालन करने और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

टेली-मानस और ई-संजीवनी स्वास्थ्य सेवाएं आमजन के लिए साबित हो रही है कारगर : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवाण कल्याण मंत्रालय की ओर से आमजन के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम(टेली-मानस) की 2022 में शुरूआत की। इस कार्यक्रम के माध्यम से देशभर में 20 भाषाओं में 18 लाख से अधिक कॉल पर आमजन को मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई। इतना ही नहीं, टेली मानस कार्यक्रम की लोकप्रियता को देखते हुए साल-दर-साल इनकी सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। देश के 36 राज्य एवं संघ राज्य क्षेत्रों में 53 टेली मानस प्रकोष्ठ की स्थापना की जा चुकी है। केंद्र ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर 10 अक्टूबर 2024 को टेली मानस मोबाइल एप्लिकेशन तक लॉन्च कर दी। इस एप्लिकेशन के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य से लेकर मानसिक विकारों तक के मुद्दों पर सहायता प्रदान की जा रही है। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने यह जानकारी दी।

मदन राठौड़ ने बताया कि केंद्र सरकार ने बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम को शुरू किया था। इसके तहत टोल-फ्री नंबर 14416 पर कॉल कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है। आमजन के मानसिक तनाव को दूर करने के साथ उनको मोटिवेट करना या उनके साथ संवाद स्थापित कर उनकी परेशानी को दूर करने के उपाय साझा करना इस कार्यक्रम में प्राथमिकता रहती है। टेली-मानस पर 24 घंटे सुविधा उपलबध है। इस दौरान परामर्श के साथ एकीकृत चिकित्सा और मनो सामाजिक अंतक्षेप भी प्रदान किया जाता है। केंद्र सरकार ने पुणे के सशस्त्र बल चिकित्सा महाविद्यालय में भी एक टेली-मानस प्रकोष्ठ की स्थापना की है, ताकि सशस्त्र बल सेवा कर्मियों को मानसिक स्वास्थ्य सहायता के साथ प्रोत्साहन प्रदान किया जा सके।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार करते हुए टेली मानस सेवाओं के साथ ई-संजीवनी सेवा भी देशभर में शुरू की है। इसमें चिकित्सक मरीज से वीडियो परामर्श के माध्यम घर पर ही उपचार प्रदान करता है। इसके साथ ही ई-संजीवनी एएएम के माध्यम से चिकित्सक अन्य चिकित्सक से टेली-परामर्श के माध्यम से मरीज को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं। यह सेवा आयुष्मान आरोग्य मंदिर में आने वाले मरीजों को उपलब्ध कराई जाती है।

सी.एस. बताए मुकदमों के प्रभारी अधिकारियों की व्यवस्था सुधार के लिए क्या किया जा रहा है : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि अदालत में लंबित अधिकांश मामलों के प्रभारी अधिकारी पर्याप्त सहयोग नहीं कर रहे हैं। उनकी लापरवाही से अदालत को मामले की सुनवाई टालनी पड़ती है। प्रभारी अधिकारी कई मामलों में न तो संबंधित दस्तावेज सरकारी वकीलों को उपलब्ध करा रहे है और ना ही तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करते है। जिसके कारण सरकारी वकीलों को भी अदालत से समय मांगना पडता है। अदालत ने मुख्य सचिव को कहा है कि वह शपथ पत्र पेश कर बताए कि इस व्यवस्था में सुधार के लिए क्या किया जा रहा है। अदालत ने मुख्य सचिव को यह भी आदेश दिए हैं कि वह सभी विभागों को निर्देश जारी करें कि कर्मचारियों पर की जाने

- **हाईकोर्ट ने कहा है कि अदालत में लंबित अधिकांश मामलों के प्रभारी अधिकारी पर्याप्त सहयोग नहीं कर रहे हैं। उनकी लापरवाही से अदालत को मामले की सुनवाई टालनी पड़ती है।**

वाली विभागीय कार्रवाई जल्दी से जल्दी पूरी की जाए। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश सरदार मल यादव की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने महाधिवक्ता और प्रमुख विधि सचिव को भी कहा है कि वे विभागों के मुखियाओं को निर्देश दें कि वे विधि अधिकारियों और प्रभारी अधिकारियों को जरूरत पडने पर अदालत में उपस्थित होने के लिए कहे। अदालत ने प्रभारी अधिकारियों को चेताया है कि यदि अब उनके सहयोग के अभाव में कोर्ट सरकार के खिलाफ आदेश देगी तो उसकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी संबंधित प्रभारी अधिकारी की होगी और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी होगी।

अदालत ने कहा कि शिक्षा विभाग में कार्यरत याचिकाकर्ता को नवंबर, 2011 में चार्जशीट दी गई और मार्च, 2014 में जांच पूरी होकर रिपोर्ट भी सौंप दी गई, लेकिन यह बड़े आश्चर्य की बात है कि करीब 12 साल बीतने पर भी अब तक उस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं हो सकता। इसके लिए याचिकाकर्ता को अदालत में याचिका दायर करनी पड़ी और गत 31 जनवरी को वह रिटायर भी हो गया। जबकि सिविल सेवा नियम के तहत जांच रिपोर्ट मिलने के तत्काल बाद उस पर अंतिम निर्णय हो जाना चाहिए था। अदालत ने कहा कि प्रत्येक नियोक्ता को प्रयास करना चाहिए कि वह कर्मचारी के खिलाफ विभागीय जांच छह माह में पूरी करे। राज्य सरकार के खिलाफ अधिकांश मुकदमें दायर होते है। ऐसे में प्रभारी अधिकारियों की जवाबदेही बड़ा सवाल है। ऐसे में प्रभारी अधिकारी को निष्क्रिय रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती। यदि किसी विभाग में काम अधिक है तो अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी लगाए जा सकते हैं।

समस्त गतिविधियों की समयबद्ध क्रियान्विति सुनिश्चित करें : मंजू राजपाल

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष एवं 'सहकार से समृद्धि' की समीक्षा बैठक

जयपुर। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 एवं 'सहकार से समृद्धि' कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की समयबद्ध क्रियान्विति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने 'सहकार से समृद्धि' के इनिशिएटिव्ज के आधार पर जिलों की रैंकिंग तय करने एवं लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए।

राजपाल गुरुवार को नेहरू सहकार भवन में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष एवं 'सहकार से समृद्धि' कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित की जा रही गतिविधियों की समीक्षा कर रहीं थीं। बैठक में पैक्स कम्प्यूटराइजेशन, एम-पैक्स एवं ई-पैक्स का गठन, निष्क्रिय समितियों का अवसायन, फार्मर रजिस्ट्री कैम्प के अंतर्गत होने वाले कार्य, गोदाम निर्माण, जन औषधि केन्द्र, पीएम किसान समृद्धि कैम्प, एफपीओ एवं कॉमन सर्विस सेंटर्स सहित विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि जिन जिलों में डीसीडीसी (जिला सहकारी विकास समिति) की बैठक नहीं हुई है, उनमें एक सप्ताह के अंदर बैठक आयोजित करवाकर प्लान स्वीकृत करवाया जाए, ताकि कार्ययोजना को समयबद्ध रूप से मूर्त रूप दिया जा सके। उन्होंने पैक्स कम्प्यूटराइजेशन के कार्य में गति लाने के निर्देश देते हुए कहा कि इसमें सहयोग नहीं करने वाले कार्मिकों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। श्रीमती राजपाल ने पैक्स कम्प्यूटराइजेशन में शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर चुके राजसमन्द जिले की सराहना करते हुए अन्य जिलों को भी इसका अनुसरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त अतिरिक्त रजिस्ट्रार (खण्ड) को इसकी नियमित रूप से समीक्षा करने एवं बेहतर कार्य करने वाले जिलों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

देवनानी से कानपुर के संत पीठाधीश्वर ने की मुलाकात

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से कानपुर के श्री नित्येश्वर आश्रम (उदासीन) के संत पीठाधीश्वर ने गुरूवार को विधान सभा में मुलाकात कर महाशिवरात्रि के मौके पर आयोजित होने वाले श्री नित्येश्वर महादेव के महारूद्राभिषेक और विशाल भंडारा का निमंत्रण दिया। देवनानी ने संत श्री पीठाधीश्वर को सनातनी परम्परा के महापर्व पर आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं दी।

देवनानी को संत पीठाधीश्वर ने श्री नित्येश्वर ज्ञान गंगा की प्रति भेंट की। देवनानी को बताया कि पुस्तक में सनातन परम्परा और आध्यात्म विषयों से संबंधित तपस्या, वैराग्य, साधना, परमात्मा , वास्तविक शांति, पूजा, भक्ति, अराधना, पाप, पुण्य सहित आस्था और विश्वास से संबंधित आमजन के सामान्य प्रश्नों का सरलता से जवाब दिया गया है।

वरिष्ठ नर्सिंग ऑफिसर के पद पर पदोन्नति पर लगी रोक हटी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नर्सिंग ऑफिसर से वरिष्ठ नर्सिंग ऑफिसर के पद पर पदोन्नित पर अप्रैल, 2023 में लगी रोक को हटा लिया है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ताओं को इस संबंध में अपना अभ्यावेदन विभाग में देने को कहा है। वहीं विभाग को इन अभ्यावेदन का दो सप्ताह में तय करने को कहा है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि अभ्यावेदन के निस्तारण तक याचिकाकर्ताओं के मामले में यथा-स्थिति रहेगी। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश गजेन्द्र कुमार व अन्य की ओर से दायर याचिकाओं का निस्तारण करते हुए दिए। अदालती आदेश से 5168 कर्मचारियों की पदोन्नित का रास्ता साफ हो गया है।

याचिका में अधिवक्ता सुखदेव सिंह सोलंकी ने बताया कि 2 दिसंबर, 2019 को वरिष्ठ नर्सिंग ऑफिसर के पद के लिए वरिष्ठता सूची जारी की गई थी। जिसमें याचिकाकर्ताओं का भी नाम था। वहीं बाद में वरिष्ठता में नहीं आने के चलते उनकी पदोन्नित नहीं हुई। याचिका में कहा गया कि विभाग ने साल 2013 से 2022-23 की रिक्तियों के विरूद्ध 23 जनवरी, 2023 को रिव्यू डीपीसी हुई। वहीं वरिष्ठता सूची बनाते समय आरक्षित वर्ग को उचित प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया।

पंचायती राज विभाग द्वारा किए जा रहे नवाचारों को केरल सरकार के साथ साझा किया

मदन दिलावर ने इंस्टिट्यूट ऑफ़ लोकल एडमिनिस्ट्रेशन की ली बैठक

जयपुर। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर के नेतृत्व में पंचायती राज विभाग के शैक्षिणक दौरे पर राज्य सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल केरल पहुंचा।

केरल इंस्टिट्यूट ऑफ़ लोकल एडमिनिस्ट्रेशन, त्रिचूर में आयोजित बैठक में मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि राजस्थान में पंचायती राज विभाग ग्रामीण स्वच्छता पर विशेष जोर दे रहा है। उन्होंने बताया कि राजस्थान सरकार का लक्ष्य आगामी दो वर्षों में प्रदेश को ग्रामीण स्वच्छता के मामले में देश में अग्रिम पंक्ति में लाकर खड़ा करना है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी शहरी क्षेत्रों की तरह प्रतिदिन सफाई और कचरा संग्रहण की व्यवस्था की गई है। दिलावर ने राजस्थान में संचालित अन्नपूर्णा रसोई,राष्ट्रीय ग्राम स्वराज्य अभियान, घुमंतू जाति के लोगो को पट्टा वितरण योजना, स्वामित्व योजना,स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण को लेकर जानकारी दी। साथ ही इंदिरा गांधी पंचायती राज प्रशिक्षण संस्थान द्वारा पिछले वर्ष करवाएंगे प्रशिक्षणों एवं राज्य स्तरीय 6 प्रशिक्षण संस्थानों की गतिविधियों के बारे में बताया। इससे पहले केरल राज्य में पंचायती राज के नवाचार तथा सशक्त पंचायती राज के बारे में वहां के आधिकारियों ,प्रोफेसर,ट्रेनिंग इंचार्ज,फैकल्टी मेंबर्स के साथ जानकारियों को साझा किया। अधिकारियों द्वारा केरल राज्य में पंचायती राज सिस्टम के बारे में एक प्रस्तुतीकरण भी दिया गया।

उपभोक्ताओं को सुगमता से मिले बिजली संबंधी सेवाएं : आरती डोगरा

जयपुर। विद्युत वितरण निगमों की अध्यक्ष आरती डोगरा ने निचले स्तर तक निगम की उपभोक्ता सेवाओं को सुगम एवं प्रभावी बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि नए बिजली कनेक्शन, ट्रांसफार्मर बदलने, लोड बढ़ाने, बिजली बिल में सुधार तथा निर्बाध बिजली आपूर्ति जैसी आमजन से जुड़ी सेवाओं में कोई कोताही नहीं हो। पूरी संवेदनशीलता के साथ ऐसे प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए।

डिस्कॉम्स चेयरमैन ने गुरूवार को चाकसू, निवाई, टोंक ए-प्रथम तथा हिंडोली एईएन कार्यालयों के निरीक्षण के दौरान इस संबंध में अभियंताओं को यह निर्देश दिए। डोगरा ने संबंधित 33/11 केवी ग्रिड सब स्टेशनों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने रबी सीजन के अंतिम चरण तथा आगामी गर्मी में बिजली की संभावित डिमांड को देखते हुए डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर, केबल, रोस्टर स्विच, आइसोलेटर, वीसी ब्रेकर जैसे लाइन मैटेरियल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, ट्रिपिंग की समस्या वाले फीडरों में उच्च क्षमता के ट्रांसफार्मर लगाने को कहा।

डोगरा ने इस दौरान एईएन कार्यालयों में भंडार शाखा, उपभोक्ता शाखा, राजस्व एवं बिलिंग तथा संस्थापन शाखाओं से संबधित कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने सहायक अभियंताओं एवं अन्य कार्मिकों से लंबित कनेक्शन आवेदनों की संख्या, निस्तारण में लगने वाले समय, भार वृद्धि के प्रकरणों, शत-प्रतिशत बिलिंग, डिफेक्टिव मीटर बदलने, बकाया राजस्व की वसूली आदि के संबंध में जानकारी ली और दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में पीएम सूर्यघर निशुल्क बिजली योजना के तहत स्थापित रूफ टॉप सोलर की संख्या के बारे में भी जानकारी ली और इसे गति प्रदान करने के निर्देश दिए। इस दौरान संबंधित वृत्त के अधीक्षण अभियंता एवं अधिशासी अभियंता भी मौजूद रहे।

जवाहर कला केंद्र में मांड गायन कार्यशाला 20 से

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र की ओर से 20 फरवरी से 6 मार्च तक 15 दिवसीय मांड गायन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिभागियों को प्रसिद्ध मांड गायक पद्मश्री अलंकृत उस्ताद डॉ. अली मोहम्मद और उस्ताद डॉ. गनी मोहम्मद के सानिध्य में मांड गायकी सीखने का अवसर मिलेगा। पारिजात-2 दीर्घा में सायं 3 बजे से 6 बजे तक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इच्छुक प्रतिभागी केन्द्र की वेबसाइट पर मौजूद गूगल फॉर्म के जरिए आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। 16 वर्ष से अधिक आयु के प्रतिभागी कार्यशाला में नि:शुल्क हिस्सा ले सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 18 फरवरी निर्धारित की गयी है।

बीछवाल जलाशय में आने वाली कंवरसेन नहर में जेट फ्यूल से भरा टैंकर गिरा

12 हजार लीटर तेल पानी में बहा, जलदाय विभाग ने पानी बंद किया

लूणकरणसर, (निसं)। हंसेरा के पास कंवरसेन नहर में 28 हजार लीटर जेट फ्यूल से भरा टैंकर अचानक अनियंत्रित होकर नहर में गिर गया। नहर में इन दिनों केवल बीकानेर के बीछवाल जलाशय में पीने का पानी देने के लिए दो से तीन फीट का पानी ही चल रहा था। नहर में टैंकर के गिरकर पलटी खा जाने से उसके अंदर से जेट फ्यूल लीकेज होना शुरू हो गया। घटना के करीब एक से सवा घंटे के बाद इसकी सूचना नहर विभाग और जलदाय विभाग को मिली। इसके बाद नहर विभाग ने हंसेरा के पीछे से आ रहे पानी को रोक दिया। वहीं जलदाय विभाग ने इस पानी को पेयजल स्रोतों में लेने से मना कर दिया। बीकानेर में भी जलदाय विभाग ने बीछवाल जलाशय में नहर के पानी को लेने से पहले उसके सैंपल लेने के आदेश दिए। अब हर छह घंटे से जलदाय विभाग बीछवाल जलाशय में आने वाले पानी के सैंपल ले रहा है। सैंपल पास होने के बाद ही नहर से बीछवाल जलाशय में पानी छोड़ा जाएगा।

थानाधिकारी गणेश कुमार बिश्नोई ने बताया कि ग्रामीणों ने सूचना दी कि हंसेरा के पास कंवरसेन नहर में एक टैंकर गिर गया है। तत्काल हम मौके पर पहुंचे तो नहर में गिरे टैंकर में तीन जने फंसे हुए थे। इसमें हरियाणा निवासी ड्राइवर कमल चमकार, कैथल निवासी अनिल चमार और मनदीप थे। तीनों को बाहर निकालकर बीकानेर के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया गया है। वे पंजाब से टैंकर में जेट फ्यूल लेकर नाल एयरपोर्ट के लिए जा रहे थे। हंसेरा पुलिया के पास उनका ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक को बाहर निकालने के लिए पूरे दिन प्रयास करते रहे। रात नौ बजे बाद टैंकर को बाहर निकाला गया। नहर में करीब 12 हजार लीटर फ्यूल बह गया। फ्यूल को बाहर निकालने के लिए दो मोटर पंप लगाए गए। वहीं घटना की सूचना मिलने पर प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

बीछवाल जलाशय में आने वाली कंवरसेन नहर में गिरा टैंकर।

- अब हर छह घंटे से जलदाय विभाग बीछवाल जलाशय में आने वाले पानी के सैंपल ले रहा है, सैंपल पास होने के बाद ही पानी छोड़ा जाएगा

नहर विभाग के एक्सईएन संदीप भाटी ने बताया कि नहर में फ्यूल टैंकर गिरने की सूचना मिलते ही हमने पीछे से आ रहे पानी को आरडी 303 पर ही बंद कर दिया। जलदाय विभाग को भी इसकी सूचना दे दी। नहर के जिस पानी में तेल मिल गया है, उसे गुरुवार सुबह बीकानेर से पहले रिजर्व जलाशयों में डाला जाएगा। तब तक कंवरेसन नहर में पानी नहीं छोड़ा जाएगा। फ्यूल टैंक निकलने के बाद नहर में तेल की जांच करने के बाद ही पानी छोड़ा जाएगा।

वहीं दूसरी ओर जलदाय विभाग के एईएन भरत तंवर ने बताया कि प्रशासन व नहर विभाग से जानकारी मिलते ही 303 आरडी से बीकानेर की तरफ वाली सभी पेयजल स्कीमों में पानी बंद कर दिया। फ्यूल मिले होने की आशंका के चलते पानी को नहर में ही चलाया जा रहा है। किसी भी पेयजल स्कीम में यह पानी नहीं लिया गया।

राजेश राजपुरोहित, एडिशनल चीफ इंजीनियर, जलदाय विभाग का कहना है कि नहर विभाग ने बीकानेर शहर का पानी टैंकर गिरने की सूचना मिलते ही बंद कर दिया। हमने भी सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी पेयजल स्कीम में पानी लेने से पहले उसके सैंपल लिए जाए। बीछवाल जलाशय में आने वाले हर पानी की छह-छह घंटे से सैंपल लिए जा रहे हैं। सैंपल पास होने के बाद ही पानी को जलाशय में छोड़ा जा रहा है। फ्यूल से भरे पानी को जनता तक नहीं पहुंचने देंगे।

निजी बस ने बाइक सवार डेयरी संचालक को कुचला, मौत

बस के नीचे फंसकर बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई

नोखा, (निसं)। बाजार से सब्जी खरीदकर घर लौट रहे बाइक सवार डेयरी संचालक को निजी बस ने पीछे से टक्कर मार दी। बस के नीचे आने से बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और हादसे में युवक की मौत हो गई। यह घटना गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे नोखा में रोड़ा रोड स्थित गोदारा पेट्रोल पंप के पास हुई।

नोखा एसएचओ अमित स्वामी ने बताया कि राजेश भट्टड़ (38) दोपहर को अपने गांव रोड़ा से करीब चार किलोमीटर दूर नोखा आया था। बाजार से सब्जी खरीदने के बाद वह घर लौट रहा था। इस दौरान गोदारा पेट्रोल पंप के पास सवारियों से भरी एक निजी बस ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक बस के नीचे फंसकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और युवक भी बुरी तरह घायल हो गया। घटना के बाद बस ड्राइवर मौके पर बस को छोड़कर फरार हो गया।

- बाजार से सब्जी खरीदकर वापस घर लौटते समय हादसा हुआ

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने निजी वाहन की मदद से घायल को नोखा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

एसआई राधेश्याम थालोड़ ने बताया-पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली और शव को मॉर्च्युरी में रखवाया। शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। राजेश भट्टड़ गांव में डेयरी का संचालन करता था। वह शादीशुदा था और दो बच्चे हैं।

निरीक्षण में चिकित्सा अधिकारी और कार्मिक मौके से नदारद मिले

करौली, (निसं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की आमजन का समयानुरूप पहुंच की जानकारी हेतु सीएमएचओ डॉ. दिनेशचंद मीना ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मासलपुर का औचक निरीक्षण किया, जहां चिकित्सा अधिकारी और कार्मिक मौके पर नदारद पाए गए, जिन्हें नोटिस जारी किए जाएंगे।

- नदारद पाए गए चिकित्सा अधिकारी और कार्मिकों को नोटिस जारी किए जाएंगे
- सीएमएचओ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मासलपुर का औचक निरीक्षण किया

इस दौरान सीएमएचओ डॉ. दिनेशचंद मीना ने संस्था पर गतिविधियों की स्थिति जांची, जहां व्यवस्थाएं असंतोषजनक पाई गई, जिन्हें व्यवस्थित कराने के निर्देश प्रदान किये। सीएमएचओ ने उपस्थिति पंजिका का अवलोकन कर कार्मिकों की मौजूदगी जांची, जिसमें उपस्थिति पंजिका में हस्ताक्षर होने के बाद में कार्मिक मौजूद नहीं पाए गए।

उन्होंने गायक्नोलॉजिस्ट को संस्था पर डिलीवरी बढ़ाने सहित सोनोग्राफी सेवाएं प्रदान करने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने संस्था पर एक्स-रे मशीन के खराब जाए पाए जाने पर केपीटीएल प्रभारी से बात की और जल्द ही सुचारू संचालन की अपेक्षा जताई। उन्होंने संस्था प्रभारी को सफाई व्यवस्था में सुधार के लिए निर्देशित कर चिकित्सा अधिकारियों व कार्मिकों को निर्धारित समय तक ठहराव के लिए पाबंद करने की हिदायत दी।

उन्होंने कहा कि निर्धारित समय तक सेवा प्रदाता कक्षों पर ताले नहीं लगाए जाएं तथा किसी जरूरी काम से मुख्यालय छोड़ने से पूर्व अन्य कार्मिक को सेवाओं के लिए पाबंद किया जाए जिससे मरीज को परेशानी न झेलनी पड़े।

इस दौरान आरसीएचओ डॉ. राजेश कुमार ने संस्था पर टीकाकरण सेवाओं का जायजा लिया। इसी क्रम में एमसीएचएन सत्र आयोजन की स्थिति की जांच जिला मुख्यालय पर आंगनबाड़ी केंद्र भीम नगर वार्ड नंबर 33 पर की गई, जहां एएनएम द्वारा गर्भवती महिलाओं और बच्चों को सत्र दौरान टीकाकरण करना पाया गया। इस दौरान जिला कार्यक्रम समन्वयक-आईईसी लखन सिंह लोधा मौजूद रहे।

डिवाइडर पर चढ़ी कार, एक महिला घायल

पावटा, (निसं)। भाबरु थाना क्षेत्र के खातोलाई पुलिया के पास दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां बाइक को बचाने के चक्कर में एक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई। गनीमत यह रही कि घटना में कार में सवार चार महिला व दो पुरूष एवं दो बच्चे थे जिनमें एक महिला सुमन शर्मा घायल हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने भाबरु थाना पुलिस को सूचित किया, जहां पुलिसकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर घायल महिला को शाहपुरा सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया चिकित्सकों ने घायल महिला का प्राथमिक उपचार कर छुट्टी दे दी। हादसा भाबरु थाना क्षेत्र के खातोलाई पुलिया के पास सुबह करीब 8:30 पर हुआ। जब कार सवार, खाटूश्याम के दर्शन के लिए पलवल स्थित अपने घर जा रहे थे। जैसे ही वह नेशनल हाईवे 48 भाबरु खातोलाई पुलिया के पास पहुंचे तभी आगे जा रहे बाइक सवार को बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ क्षतिग्रस्त हो गई।

114 किलो डोडा-पोस्त जब्त, तीन गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। अजमेर रेंज डीआईजी ओमप्रकाश के दिशा निर्देश जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देशों पर जिला पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्कर व तस्करी करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पीसांगन थाना पुलिस के हत्थे तस्कर चढ़ गए। पुलिस ने झोंपड़ी में छुपाकर रखा 114 किलो मादक पदार्थ डोडा-पोस्त बरामद कर जब्त कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करों से तीन बाइक भी बरामद की है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ करने में जुटी है।

- पुलिस ने तस्करों से तीन बाइक भी बरामद की, आरोपियों से पूछताछ करने में जुटी है पुलिस

पीसांगन थाना पुलिस के अनुसार ग्राम धुवाडिया में दयालराम गुर्जर के घर के पास छप्परनुमा झोपड़ी में छापा मारकर प्लास्टिक के सात कट्टों 114 किलोग्राम डोडा-पोस्त बरामद किया गया। पुलिस ने मौके से तीन आरोपियों पीसांगन निवासी दयाल राम रास जिला ब्यावर निवासी पप्पूराम गुर्जर और देवराज को गिरफ्तार उनके कब्जे से तीन मोटरसाइकिलें भी जब्त की जिनका उपयोग मादक पदार्थों की तस्करी में किया जा रहा था। पुलिस थाना पीसांगन द्वारा की गई इस कार्रवाई में आरोपियों के विरुद्ध धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की आगे की जांच पुलिस थाना पुष्कर जिला अजमेर के थानाधिकारी घनश्याम सिंह द्वारा की जा रही है।

टेंकर ने बाइक को टक्कर मारी, एक की मौत

निवाई, (निसं)। जयपुर-कोटा राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित राजकीय महाविद्यालय के समीप एक टेंकर ने बाइक के टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार की मौत हो गई। सूचना मिलने पर निवाई पुलिस मौके पर पहुंची। थानाधिकारी सूरजमल जाट ने बताया गुरुवार की दोपहर करीब दो बजे गांव नला निवासी रामस्वरूप चौधरी (58) पुत्र रामचन्द्र चौधरी बाइक से अपने गांव नला जा रहा था। इसी दौरान राजकीय महाविद्यालय के समीप टेंकर ने बाइक के टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय की मुर्दाघर में रखवाया और पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक का बड़ा पुत्र अभिषेक चौधरी निवाई थाने में कांस्टेबल पद पर कार्यरत है।

छह लाख हड़पने पर मुकदमा दर्ज करने के आदेश

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने करीब 6 लाख रूपये हड़पने के आरोपी मार्बल व्यापारी व दलाल के खिलाफ जांच कर मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। ज्ञान विहार कॉलोनी निवासी महेश काबरा ने एडवोकेट रुपेश शर्मा व मुकेश शर्मा के जरिये अदालत की शरण में जाकर न्याय की गुहार लगाई कि मंझेला रोड़ निवासी दलाल राजेन्द्र गोस्वामी ने पिछले दिनों मेरी मार्बल फर्म से बालाजी मार्बल एंड ग्रेनाइट को 7 लाख 6 हजार रूपये का मार्बल व ग्रेनाइट बतौर उधार दिलाया था।

इस राशि में से एक लाख रूपये का भुगतान कर दिया, जबकि 6 लाख रूपये का भुगतान नहीं किया। निरंतर तकाजा किये जाने के बावजूद तालमटोल रवैया अपनाकर परेशान किया जा रहा है। आखिरकार भुगतान नहीं मिलने पर न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत कर कार्यवाही की फरियाद की।

तीसरी महाकुंभ मेला स्पेशल ट्रेन आज

जोधपुर, (कासं)। प्रयागराज महाकुंभ मेले के दौरान यात्रियों के अतिरिक्त यातायात के मद्देनजर रेलवे द्वारा प्रारंभ की गई बाड़मेर-बरौनी महाकुंभ मेला स्पेशल तीसरे ट्रिप के लिए शुक्रवार को बाड़मेर से प्रस्थान करेगी।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर डीआरएम पंकज कुमार सिंह ने बताया कि रेलवे द्वारा प्रयागराज महाकुंभ मेले में श्रद्धालुओं के आवागमन की सुविधा के लिए रेल प्रशासन द्वारा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है जिसके तहत ट्रेन 04811 बाड़मेर-बरौनी महाकुंभ मेला स्पेशल तीसरे ट्रिप के लिए शुक्रवार शाम 5.30 बजे बाड़मेर से प्रस्थान कर रात्रि 9.20 बजे जोधपुर आकर 9.30 बजे प्रस्थान तथा प्रयागराज स्टेशन पर शनिवार शाम 7.05 बजे आगमन व 7.10 बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन सुबह 9 बजे बरौनी पहुंच जाएगी। वापसी में ट्रेन 04812 बरौनी-बाड़मेर महाकुंभ स्पेशल ट्रेन 16 फरवरी को बरौनी से रात्रि 11 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 11.15 बजे प्रयागराज आकर 11.20 बजे प्रस्थान व तीसरे दिन सुबह 8.45 बजे जोधपुर आकर 8.55 बजे रवाना होकर दोपहर 1 बजे बाड़मेर पहुंच जाएगी। ट्रेन में यात्री सुविधा हेतु 2 सेकंड एसी, 5 थर्ड एसी, 11 सेकंड क्लास स्लीपर, 4 जनरल व दो गार्ड के डिब्बे होंगे।

ट्रेन इन स्टेशनों पर करेगी ठहराव :-सीनियर डीसीएम विकास खेड़ा ने बताया कि महाकुंभ मेला स्पेशल ट्रेन आवागमन में बालोतरा, समदड़ी, जोधपुर, मेड़ता रोड, डेगाना, मकराना, कुचामन सिटी, फुलेरा, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, बांदीकुई, भरतपुर, आगरा फोर्ट, टूंडला, इटावा, गोविंदपुरी, फतेहपुर, प्रयागराज, मिर्जापुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलीपुत्र व हाजीपुर स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

ट्रैक्टर ने रोडवेज बस को टक्कर मारी

अजमेर, (कासं)। अजमेर की घूघरा घाटी पर उस समय हड़कंप मच गया, जब एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर चालक ने आगे चल रही रोडवेज बस को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बस चालक के सिर में मामूली चोट आई। गनीमत यह रही कि हादसे में किसी भी यात्री को चोट नहीं आई और बड़ा हादसा टल गया। सिविल लाइन थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रोडवेज बस चालक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि ब्यावर डिपो की बस ब्यावर से जयपुर जा रही थी। बस में 50 यात्री सवार थे। घूघरा घाटी में बस के आगे एक एंबुलेंस चल रही थी, जिसने अचानक ब्रेक लगा दिए। बस चालक ने समय रहते बस को नियंत्रित कर लिया, लेकिन पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर के चालक ने नियंत्रण खो दिया और बस को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, लेकिन कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

डिस्कॉम से सेवानिवृत एक्सईएन को डिजिटल अरेस्ट कर 60 लाख की ठगी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर डिस्कॉम से सेवानिवृत एक्सईएन को शातिरों ने फ्रॉड केस में डिजिटल अरेस्ट कर 60 लाख रूपयों की ठगी कर ली। घर में अकेले रहने वाले वृद्ध एक्सईएन ने कल किसी परिजन के आने पर घटनाक्रम बताया और पुलिस की शरण में पहुंचे। इस बारे में सरदारपुरा पुलिस ने अग्रिम जांच आरंभ की है। मामला सामने के आने के बाद पुलिस ने बैंकों से संपर्क कर कुछ रूपयों को होल्ड भी करवाया है।

- सरदारपुरा पुलिस ने अग्रिम जांच आरंभ की, मामला सामने के आने के बाद पुलिस ने बैंकों से संपर्क कर कुछ रूपयों को होल्ड भी करवाया है
- अजीतराज द्वारा आरजीटीएस के माध्यम से उनके खातों में अलग-अलग किश्तों में 60 लाख रूपए डाले
- पीड़ित ने थाने पहुंचकर मामला दर्ज करवाया

थानाधिकारी शेषकरण बारहठ ने बताया कि सरदारपुरा नेहरू पार्क क्षेत्र में रहने वाले आरएसईबी से सेवानिवृत एक्सइएन अजीतराज भंडारी की तरफ से रिपोर्ट दी गई है। इनके अनुसार उनकी आयु 85 साल है। वे यहां पर जोधपुर में अकेले रहते हैं और परिवार के सदस्य बेटा-बहू इत्यादि ब्यावर व दिल्ली में रहते है। 2 फरवरी को उनके मोबाइल पर किसी शख्स ने वाटसअप कॉल कर उन्हें जानकारी दी कि उनके खिलाफ फ्रॉड का केस है और उन्हें डिजिटल अरेस्ट किया जा रहा है। इसके बाद फिर उसी नंबर से कॉल आता है कि वह एक पुलिस अधिकारी बोल रहा है और खातों में जमा रूपयों की जानकारी जुटाने की बात कहता है। 3 से 10 फरवरी तक शातिर उन्हें डिजिटल अरेस्ट रखते है वे उन्हें बताए अनुसार खातों में रूपए ट्रांसफर करने को कहते है। अजीतराज द्वारा आरजीटीएस के माध्यम से उनके खातों में अलग अलग किश्तों में 60 लाख रूपए डाल देते है।

गुरूवार को परिवार का सदस्य जब उनसे मिलने आया है तो उन्होंने इस बारे में बताया।तब उनके साथ हुए फ्रॉड का पता लगता है। इस पर अजीतराज सरदारपुरा थाने पहुंचे और शातिरों के खिलाफ 60 लाख की धोखाधड़ी किए जाने का केस दर्ज करवाया।

दुष्कर्म के झूठे मामले में फंसाने का भय दिखाकर नर्सिंगकर्मी से ब्लैकमेलिंग

ब्लैकमेल करने वाले ने आरोप लगाया कि उसने उसकी पत्नी के साथ दुष्कर्म किया है

जोधपुर, (कासं)। जिले के ओसियां थाने में एक नर्सिंग अधिकारी ने अपने खिलाफ ब्लैकमेलिंग के आरोपों को लेकर मामला दर्ज करवाया है। आरोप है कि एक जने द्वारा उसे किसी मामले में फंसाने के नाम पर ब्लैकमेल कर रुपए मांगे जा रहे हैं। इसको लेकर नर्सिंग अधिकारी की ओर से ग्रामीण पुलिस अधीक्षक को शिकायत दी है। इसके बाद मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी हुई है।

- आरोपियों के नहीं मानने पर अब परेशान होकर पीड़ित की ओर से ग्रामीण पुलिस अधीक्षक को परिवाद दिया गया है
- पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

ग्रामीण पुलिस को दिए परिवाद में एक नर्सिंगकर्मी ने बताया कि वह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत है। गत 29 जनवरी को उसके पास एक व्यक्ति का फोन आया और उसने आरोप लगाया कि उसने उसकी पत्नी के साथ दुष्कर्म किया है। जब उसने मना कर दिया तो इस पर फोन करने वाले व्यक्ति ने उस पर जोधपुर जाकर मिलने के लिए दबाव बनाया अन्यथा सामाजिक बदनामी करने की धमकी भी दी। इसके बाद एक फरवरी को आरोपी चेराई आया और उसके अस्पताल में आकर उसे अपने साथ चलने को कहा। उसके कहने पर वह अस्पताल से बाहर आया तो एक गाड़ी में एक महिला मिली जिसे उस व्यक्ति ने मिलवाया और कहा कि यह मेरी पत्नी है।

व्यक्ति की पत्नी ने मुझसे कहा कि आपने मेरे साथ 6-7 महीने पहले दुष्कर्म किया है और यदि अब अपना भला चाहते हो तो मेरा पति जैसा कहे वैसा कर लो। उसके बाद उस व्यक्ति और महिला ने मिलकर 21 लाख रुपए की डिमांड की और कहा कि यदि पैसे नहीं दिए गए तो पूरे गांव में बदनामी कर दी जाएगी। इसके बाद जबरदस्ती उसका फोन छीनकर उसके खाते से कुल पांच हजार रुपए फोन पे से ट्रांसफर करवा लिए और उसके बाद एग्रीमेंट बनवाने के लिए दबाव भी बनाया। चार फरवरी को आरोपी व्यक्ति ने फोन करके धमकाया कि रुपयों की व्यवस्था कर दो।

यदि बेइज्जती से बचना चाहते हो तो 21 लाख रुपए दे दो। प्रार्थी ने जब उसने कहा कि इतने रुपए देने में वह असमर्थ है तो उसे सामाजिक बदनाम करने की धमकियां भी दी। आरोपियों ने दबाव बनाया कि लोग बदनामी से बचने के लिए एक करोड़ रुपए तक दे देते हैं 21 लाख रुपए कौन सी बड़ी बात है। आरोपियों के नहीं मानने पर अब परेशान होकर पीड़ित की ओर से ग्रामीण पुलिस अधीक्षक को परिवाद दिया गया है।

''अमृत स्टेशन योजना'' के अन्तर्गत बिजयनगर स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य प्रगति पर

अजमेर, (कासं)। रेलवे द्वारा स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं में बढोतरी करने व स्टेशनों की बिल्डिंग को नया स्वरूप प्रदान करने की ''अमृत स्टेशन योजना'' के तहत स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य किया जा रहा है। उत्तर-पश्चिम रेलवे पर अजमेर मण्डल के बिजयनगर स्टेशन सहित 77 स्टेशनों का लगभग 4 हजार करोड़ रूपये की लागत के साथ अमृत स्टेशन योजना के अन्तर्गत पुनर्विकास किया जा रहा है।

बिजयनगर स्टेशन पर जारी कार्यों की जानकारी देते हुए मुख्य जनसंपर्क अधिकारी उत्तर-पश्चिम रेलवे कैप्टन शशिकिरण तथा मुख्य परियोजना प्रबंधक (गतिशक्ति) अनुप कुमार शर्मा ने बताया कि अमृत स्टेशन योजना के तहत बिजयनगर स्टेशन पर 15.40 करोड़ रुपये से पुनर्विकास के कार्य अंतिम चरण मे है। उन्होंने बताया कि पुराने स्टेशन भवन में सौंदर्य की कमी थी और उचित स्थान उपयोग की कमी थी, जिसे पूरे स्टेशन भवन के जीर्णोद्धार द्वारा सुधारा गया है। अब स्टेशन भवन अधिक विशाल और यात्री अनुकूल है। पूर्व में सर्कुलेटिंग एरिया में वाहनों की आवाजाही के लिए सिंगल एंट्री और एग्जिट की व्यवस्था नहीं थी, लेकिन सर्कुलेटिंग एरिया के नियोजित विकास, अलग एंट्री/एग्जिट और पार्किंग स्पेस में वृद्धि के माध्यम से इसमें सुधार किया गया है। इससे सर्कुलेटिंग एरिया में वाहनों की आवाजाही में आसानी होगी और वाहनों का सही तरीके से आवागमन हो सकेगा। स्टेशन प्लेटफॉर्म की सतह को ऊपर उठाया गया है और दिव्यांगजनों के लिए स्पर्शनीय चिह्नों के साथ सुधारा गया है तथा प्लेटफॉर्म पर प्रतीक्षा करने वाले यात्रियों के लिए अतिरिक्त प्लेटफॉर्म शेल्टर प्रदान किए गए है, जो गर्मी और बरसात के मौसम में यात्रियों को सुविधा प्रदान करेंगे। नए विशाल प्रतीक्षालय/हॉल का निर्माण किया जा रहा है, जो यात्रियों को आरामदायक प्रतीक्षा स्थान प्रदान करेगा। बुकिंग सुविधा के साथ नए कॉनकोर्स का निर्माण किया गया है। उपयोगकर्ताओं को स्वच्छ और आरामदायक अनुभव प्रदान करने के लिए आधुनिक शौचालयों का निर्माण किया जा रहा है।

बिजयनगर स्टेशन का पुनर्विकास किया जा रहा है।

- बिजयनगर स्टेशन सहित 77 स्टेशनों का 4 हजार करोड़ की लागत के साथ अमृत स्टेशन योजना के अन्तर्गत पुनर्विकास किया जा रहा है

कार्य की वर्तमान स्थिति की जानकारी देते हुए कैप्टन शशि किरण ने बताया कि बिजयनगर रेलवे स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य तेजी से किया जा रहा है, जिसके मई 2025 तक पूरा होने की संभावना है। मुख्य भवन: निर्माण कार्य पूरा हो गया है। नई इमारत में बुकिंग शुरू हो गई है। बिजयनगर स्टेशन पर जारी अमृत स्टेशन योजना के कार्यों की जानकारी हेतु एक प्रेस ब्रीफिंग का आयोजन आज बिजयनगर स्टेशन पर किया गया। इस अवसर पर मुख्य जनसंपर्क अधिकारी उत्तर-पश्चिम रेलवे कैप्टन शशिकिरण, मुख्य परियोजना प्रबंधक (गतिशक्ति) अजमेर मंडल अनूप कुमार शर्मा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अजमेर मंडल बीसीएस चौधरी, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर शेर सिंह मीना, वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर विजेंदर कुमार, वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी उत्तर पश्चिम रेलवे कमल जोशी सहित अन्य रेल अधिकारी उपस्थित थे।

फ्रेंचाइजी ने आरसीबी का नया कप्तान मुझे नियुक्त किया है। माना जा रहा था कि कोहली और मुझमें से किसी एक को टीम की कमान सौंपी जा सकती है।
- रजत पाटीदार

भारतीय बल्लेबाज, मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2025 को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

डी गुकेश

विश्व शतरंज चैंपियनशिप में डिंग लिरेन के खिलाफ ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाले डी गुकेश अपने शांत व्यवहार के लिए जाने जाते है। जीत के बाद भी उन्होंने शांत होकर ही अपनी जीत का जश्न मनाया। जिस शांत तरीके से गुकेश ने अपनी जीत और सफलता की खुशी मनाई थी, उसे देखकर पूरी दुनिया हैरान थी। ये पता चला कि मानसिक कंडीशनिंग कोच पैडी अप्टन गुकेश की विश्व चैंपियनशिप टीम का हिस्सा थे। अप्टन 2011 के वनडे विश्व कप जीत के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम के साथ काम करने के लिए प्रसिद्ध हैं।

क्या आप जानते हैं ?... साल 1932 में ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच मेलबर्न में ये मैच में खेला गया क्योंकि पूरा टेस्ट मैच पहले दिन के सिर्फ पांच घंटे और 53 मिनट के खेल में ही खत्म हो गया।

चोटिल पूजा वस्त्रकार, आशा शोभना डब्ल्यूपीएल से हुई बाहर

नई दिल्ली, 13 फरवरी। मुंबई इंडियंस (एमआई) की तेज गेंदबाज ऑलराउंडर पूजा वस्त्रकार और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की लेग स्पिनर आशा शोभना चोट के कारण वूमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 से बाहर हो गई हैं। मलेशिया में अंडर-19 विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम की सदस्य रही परुनिका सिसोदिया और रेलवे की विकेटकीपर-बल्लेबाज नुजहत परवीन को क्रमश: एमआई और आरसीबी ने अपनी-अपनी टीमों शामिल किया है।

आईजीआई, हंसराज, खालसा, एसआरसीसी और एसपीएम कॉलेज ने जीते अपने-अपने मुकाबले

नई दिल्ली, 13 फरवरी। इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट आफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज, हंसराज कॉलेज, श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, और श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज ने गुरुवार को 11वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल इन्विटेशनल हॉकी (महिला एवं पुरुष) टूर्नामेंट के लीग मुकाबलों में जीत दर्ज की। आज यहां खेले गये पहले मैच में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट आफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज में किरोड़ी मल कॉलेज को 8-1 हराया। इंदिरा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ़ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज की तरफ से फरमान और राम यादव ने दो-दो गोल किए और शेखर, सुमित, पुलकित और गुरमुख ने एक-एक गोल किया जबकि किरोड़ीमल कॉलेज की तरफ से एक गोल प्रज्ञात आनंद ने किया। पुलकित को उनके शानदार खेल के लिए 'मैन ऑफ द मैच' से नवाजा गया।

हम चैम्पियंस ट्रॉफी का खिताब जीतने में सक्षम है : शांतो

दुबई, 13 फरवरी। बंगलादेश के कप्तान नजमुल हुसैन ने कहा है कि उनकी टीम चैंपियंस ट्राफी का खिताब जीतने में सक्षम है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार शांतों ने प्रतिद्वंद्वी टीमों को चेतावनी के लहज में कहा है कि उनकी टीम आगामी टूर्नामेंट में खिताब जीतने की सोच के साथ मैंदान में उतरेंगी। शांतो का मानना है कि बंगलादेश की टीम का विश्वास बढ़ रहा है और उन्हें भरोसा है कि उनकी टीम 19 फरवरी से पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले आठ टीमों के टूर्नामेंट में सबको चौंका सकती है।

राजस्थान महिला अंडर-23 कैम्प में दौसा से दो महिला खिलाड़ियों का चयन

जयपुर, 13 फरवरी। ज़िला क्रिकेट संघ के सचिव बृजकिशोर उपाध्याय ने बताया कि राजस्थान की अंडर-23 महिला कैम्प में दौसा जिले से दो महिला खिलाड़ी निधि सैनी और याना वर्मा का चयन हुआ है।यह कैम्प आरसीए द्वारा 13 फरवरी से आरसीए एकेडमी में आयोजित किया जाएगा। जिला क्रिकेट संघ सचिव बृज किशोर उपाध्याय द्वारा यह बताया गया कि अब राजस्थान की टीम में प्रत्येक फॉर्मेट में दौसा जिले से खिलाड़ियों का कैम्प में और टीम में शामिल होना हमारे जिले के खिलाड़ियों के लिए गौरव की बात है ।आगे और टीम में हमारे खिलाड़ियों की खेल में गुणवत्ता कैसे सुधरे इसका प्रयास किया जा रहा है इससे पूर्वी भी अंडर 19 महिला टीम में राजस्थान की और से दौसा। जिले से 4 महिला खिलाड़ियों ने प्रतिनिधित्व किया था जो कि दौसा जिले के लिए गौरव की बात है साथ ही जिला संघ के सभी पदाधिकारियों द्वारा चयनित महिला खिलाड़ियों को बधाई दी गई और उज्जवल भविष्य के लिए प्रोत्साहित किया गया।

चम्बल स्पोर्ट्स क्लब ने जयपुर ब्लूज को तीन विकेट से हराया

जयपुर, 13 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एल सैनी ए डिविजन लीग में आज खेले गए मैच में चम्बल स्पोर्ट्स क्लब ने जयपुर ब्लूज को 3 विकेट से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मैच में चम्बल स्पोर्ट्स ने टॉस जीतकर पहले जयपुर ब्लूज को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। जयपुर ब्लूज ने सचिन जाट के 79 रन, हर्ष यादव के 31 रन, लखन भारती के 54 रन, कुलदीप खुरानिया के 40 रन व योगेंद्र काकोडिया के 19 रनों से 47.2 ओवर में 256 रन बनाए। चम्बल स्पोर्ट्स क्लब के लिए मिहित अग्रवाल ने 31 पर 3, यश पांडे ने 42 पर 3, दिव्यांश शर्मा ने 36 पर 2 व आर्यन जैन एक विकेट लिया। जवाबी पारी में चम्बल स्पोर्ट्स क्लब ने हार्दिक कुक्कड़ के 62 रन, राहुल खंडेलवाल के 17 रन, लोकेश सैनी के 20 रन, आर्यन जैन के 45 रन, श्रेय सक्सेना के 39 रन नाबाद व मिहित अग्रवाल के 35 रनों से 49.3 ओवर में 7 विकेट पर 259 रन बनाकर मैच जीत लिया। जयपुर ब्लूज के लिए मेहुल पारीक ने 31 पर 2, राहुल चौधरी ने 40 पर 2, लखन भारती व हिमांशू राणा ने 1-1 विकेट लिया। 14 फरवरी को सुराणा क्रिकेट एकेडमी बनाम राजीव गांधी क्लब के मध्य मैच खेला जाएगा।

आईसीसी ने लगाया तीन पाकिस्तानियों पर भारी जुर्माना

नई दिल्ली, 13 फरवरी। आईसीसी ने पाकिस्तान के तीन खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाया है। उसने शाहीन अफरीदी, सउद शकील और कामरान गुलाम को सजा सुनाई है। आईसीसी ने गुरुवार को एक्स के जरिए इसकी जानकारी शेयर की। पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को त्रिकोणीय सीरीज के तीसरे मुकाबले में 6 विकेट से हरा दिया था। इस मुकाबले के दौरान तीनों ने आईसीसी के नियमों को तोड़ा था। पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के मैच के दौरान ये तीनों ही खिलाड़ी आक्रामक अंदाज में आ गए थे।पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है।

चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के लिये टीम इंडिया के साथ नहीं जाएगा परिवार

बीसीसीआई की नई ट्रैवल पॉलिसी है वजह

नई दिल्ली, 13 फरवरी। आगामी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए टीम इंडिया के खिलाड़ी अपने परिवार को साथ नहीं ले जा सकते। दरअसल, बीसीसीआई की नई यात्रा नीति पहली बार इस टूर्नामेंट के जरिए लागू हो रही है। भारतीय टीम को पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ दुबई में खेलना है। इसके बाद 23 फरवरी को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से सामना है। न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबला दो मार्च को होना है।

रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा, जबकि बाकी टूर्नामेंट 19 फरवरी से पाकिस्तान के 3 शहरों में होगा। चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल 9 मार्च को है, लिहाजा ये दौरा 3 हफ्ते से कम समय का ही है, जिसमें बीसीसीआई खिलाड़ियों के परिवार को साथ जाने की मंजूरी नहीं देगा। नई नीति के तहत 45 दिन या उससे लंबे दौरे पर ही परिवार खिलाड़ियों के साथ अधिकतम दो हफ्ते के लिए जा सकता है। अगर कुछ बदलता है तो बात अलग है, लेकिन अभी तो खिलाड़ियों के साथ उनका परिवार नहीं जा रहा।

एक सीनियर खिलाड़ी ने इसके बारे में पूछा था लेकिन उसे बताया गया कि नई नीति का पालन किया जाएगा। बोर्ड की नीति में कहा गया है कि, विदेश दौरे पर 45 दिन या उससे ज्यादा समय भारत से बाहर रहने पर खिलाड़ी की पत्नी और बच्चे अधिकतम दो सप्ताह के लिए साथ रह सकते हैं। इस नीति से अलग जाने पर उन्हें कोच, कप्तान और मैनेजमेंट से मंजूरी लेनी होगी। इससे इतर अवधि के लिए खर्च भी बोर्ड नहीं उठाएगा।

ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत की 1-3 से हार के बाद ये नीति बनाई गई थी।निजी स्टाफ जैसे मैनेजर, एजेंट और शेफ पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। निजी स्टाफ पहले टीम और कोचिंग ग्रुप के साथ रहता था। नए नियम के अनुसार, कोचिंग स्टाफ के एक सदस्य का निजी सचिव जो नियमित रूप से टीम होटल में रहता था अब अलग होटल में रहेगा। वहीं ऐसा भी माना जा रहा है कि बोर्ड कुछ खिलाड़ियों की विशेष आहार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कुछ शेफ को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रहा है।

इंग्लैंड टीम पर भड़के दिग्गज पीटरसन

नई दिल्ली, 13 फरवरी। इंग्लैंड टीम को भारत दौरे पर बहुत बुरी असफलता देखने को मिली। भारत के खिलाफ पहले पांच मैचों की टी20 सीरीज में 4-1 से करारी शिकस्त झेलने का मिली। उसके बाद वनडे सीरीज भी उसे 3-0 से गंवानी पड़ी। इस दौरान अहमदाबाद वनडे में कमेंट्री के दौरान पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने खुलासा किया कि इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने पूरी सीरीज में केवल एक प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा लिया। वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज केविन पीटरसन को अपने देश की टीम का ये फैसला खंजर की तरह चुभ रहा है पीटरसन इंग्लिश टीम पर जमकर भड़के हैं। उन्होंने इंग्लिश खिलाड़ियों को प्रतिबद्धता की कमी पर आड़े हाथ लिया। पीटरसन ने डिज्नी हॉटस्टार पर इंग्लैंड की हार के बाद कहा कि, रवि शास्त्री और मैं ऊपर बात कर रहे थे कि इन लोगों ने कम से कम पिछले हफ्ते प्रैक्टिस तो की होगी। उन्होंने सिर्फ नागपुर मैच से एक दिन पहले एक प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा लिया। उसके बाद से उन्होंने अभ्यास नहीं किया। केवल एक बल्लेबाज जो रूट ने नेट पर अभ्यास किया था। मुझे अफसोस है लेकिन आप उपमहाद्वीप में आकर वही गलतियां नहीं कर सकते। फिर तय करते हैं कि प्रैक्टिस नहीं करेंगे।

रणवीर इलाहबादिया से विराट और युवराज ने किया किनारा

नई दिल्ली, 13 फरवरी। सोशल मीडिया पर स्क्रीनशॉट शेयर करके दावा किया जा रहा है कि विराट कोहली रणवीर इलाहबादिया को इंस्टाग्राम पर फॉलो करते थे। हालांकि, विवाद के बाद कोहली की फॉलोइंग लिस्ट में रणवीर का नाम नहीं है। ऐसा कहा जा रहा है कि विराट कोहली ने विवाद के बाद ही रणवीर को अनफॉलो किया है। वह नहीं चाहते हैं कि किसी भी तरह उनका नाम जोड़ा जाए।

मेडिकल टीम पर निर्भर करता है जसप्रीत बुमराह कितने समय तक बाहर रहेंगे : गौतम गंभीर

नई दिल्ली, 13 फरवरी। टीम इंडिया को उस वक्त 440 वोल्ट का झटका लगा, जब धाकड़ तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर हो गए। वह पीठ के निचले हिस्से में चोट से जूझ रहे हैं। बुमराह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांचवें और आखिरी टेस्ट के दौरान चोटिल हुए थे। संभावना जताई जा रही थी कि बुमराह 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी तक फिट हो सकते हैं। लेकिन बीसीसीआई ने हाल ही में अपडेटेड भारतीय स्क्वॉड से जसप्रीत बुमराह का नाम हटा दिया। उनके रिप्लेसमेंट के रूप में पेसर हर्षित राणा आए हैं। अब टीम इंडिया के हेड को गौतम गंभीर ने बुमराह के चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने पर चुप्पी तोड़ी है।गंभीर ने अमहदाबाद में तीसरे वनडे के बाद कहा कि, जाहिर है कि वह बाहर हो गए हैं। लेकिन मैं आपको सारी डिटेल नहीं दे सकता क्योंकि ये मेडिकल टीम पर निर्भर करता है कि वह कितने समय तक बाहर रहेंगे। एनसीए में मेडिकल टीम ही निर्णय लेती है। कोच ने कहा कि, जाहिर है कि हम उन्हें टीम में चाहते थे। हम जानते हैं कि वह क्या कर सकते हैं। वह एक वर्ल्ड क्लास प्लेयर हैं। हालांकि, कुछ चीजें आपके हाथ में नहीं होती। ये युवा खिलाड़ियों, जैसे हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह के लिए एक अवसर है। कभी कभी ये ऐसे अवसर होते हैं जिनकी आपको तलाश होती है। हर्षित ने पूरी सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होंने कुछ अहम विकेट लिए हैं। हम सभी जानते हैं कि अर्शदीप क्या कर सकते हैं। हां बुमराह की कमी हमेशा खलेगी। लेकिन शमी जैसे अनुभवी खिलाड़ी का वापस आना हमेशा अच्छा होता है। हर्षित ने इंडिया वर्सेस इंग्लैंड वनडे सीरीज में तीन मैचों में कुल 6 विकेट झटके। अर्शदीप को एक मैच खेलने का मौका मिला। उन्होंने अहमदाबाद में दो शिकार किए। अनुभवी पेसर शमी ने दो मुकाबलों में दो विकेट लिए। वह आखिरी वनडे में भारतीय प्लेइंग का हिस्सा नहीं थे। भारत ने मंगलवार को अपने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 15 सदस्यीय स्क्वॉड में दो बदलाव किए। हर्षित के अलावा मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की स्क्वॉड में एंट्री हुई है। उन्हें बल्लेबाज यशस्वी जायसवला की जगह शामिल किया गया। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारत का अपडेटेड स्क्वॉड- रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रविंद्र जडेजा।

5वां रोशनलाल नैयर मेमोरियल राजस्थान ओपन टूर्नामेंट

विपुल ने राज खत्री को हराया

जयपुर, 13 फरवरी। राजापार्क स्थित सिंह बिलियर्ड्स में आयोजित 5वां रोशन लाल नैयर मेमोरियल राजस्थान ओपन टूर्नामेंट में गुरुवार को खिलाडियों का प्रदर्शन में आज उलटफेर देखने को मिला। आज के मुख्य मैचों के स्कोर ऐसे रहे, आनंद को नमन ने 21-33, 59-49 से हराया, कुणाल ने प्रववी. की 64-66,34-47 से हराया, विशाल ने युसुफ की 53-48, 28-44 से हराया, सन्नी ने सौरभ को 53-32, 46-52, 53-18 से हराया सू कुमार में बाबू को 64-28.60-13 से हराया यश ने डा0 रमेश को 67-49,10-42, 14-72 से हराया।

26वें जयपुर विंटेज और क्लासिक कार एग्जीबिशन एंड ड्राइव का आयोजन 22 व 23 मार्च को

जयपुर, 13 फरवरी। राजपूताना ऑटोमोटिव स्पोर्ट्स कार क्लब द्वारा राजस्थान पर्यटन विभाग के सहयोग से जयपुर के ताज जय महल पैलेस में 22 और 23 मार्च को जयपुर विंटेज और क्लासिक कार एग्जीबिशन एंड ड्राइव का 26वां संस्करण आयोजित किया जा रहा है। इसकी घोषणा अशोक क्लब में राजपूताना ऑटोमोटिव स्पोर्ट्स कार क्लब की सामान्य बैठक में की गई।

इस वर्ष शो में 100 से ज्यादा विंटेज और क्लासिक कारें शोकेस की जाएंगी, इनमें 100 साल से अधिक पुरानी कारें भी शामिल होंगी। ये कारें सिर्फ राजस्थान से ही नहीं बल्कि दिल्ली, गुड़गांव, चंडीगढ़ और मुंबई सहित अन्य राज्यों से भी आएंगी। यह जानकारी राजपूताना ऑटोमोटिव स्पोर्ट्स कार क्लब जयपुर के जनरल सेक्रेटरी, अविजित सिंह बदनोर ने दी।

इस अवसर पर राजपूताना ऑटोमोटिव स्पोर्ट्स कार क्लब के संस्थापक अध्यक्ष, दयानिधि कासलीवाल; उपाध्यक्ष, सुधीर कासलीवाल; सुधांशु कासलीवाल और हमीद गनी सहित क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इवेंट में फोर्ड मॉडल टी (1913), ऑस्टिन चम्मी (1923), रोल्स रॉयस (1934), कैडिलैक (1958), कैडिलैक वी16 (1931), शेवरले इम्पाला (1958), पैकर्ड कैवेलियर (1952) इंपीरियल आदि जैसी कई अनूठी विंटेज और क्लासिक कारें शामिल होंगी। इस आयोजन में बड़ी संख्या में देशभर से कार प्रेमी, कार क्लब और ऑटोमोबाइल में रुचि रखने वाले लोग हिस्सा लेंगे। एग्जीबिशन 22 मार्च को सुबह 10 से शाम 6 बजे तक निशुल्क रहेगी। 23 मार्च को इन कारों की ड्राइव निकाली जाएगी। उल्लेखनीय है कि यह आयोजन उन पुराने मैकेनिकों को रोजगार के अवसर पैदा करने की प्रेरणा और उद्देश्य भी देता है, जिनका हुनर बदलती टेक्नोलॉजी और ऑटोमेशन के कारण बेकार हो गया है।

कल भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 12 गोल का अंतर्राष्ट्रीय पोलो मैच

जयपुर, 13 फरवरी। राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर 15 फरवरी को हाई-प्रोफाइल अंतरराष्ट्रीय पोलो मैच खेला जाएगा। 12 गोल का यह मैच भारतीय टीम और दक्षिण अफ्रीकी टीम के बीच खेला जाएगा। यह मैच मौजूदा पोलो सीजन का मुख्य आकर्षण होगा।

भारतीय पोलो टीम का नेतृत्व हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह (3) करेंगे। टीम के अन्य सदस्य अभिमन्यू पाठक (3), शमशीर अली (3), सिमरन शेरगिल (3) हैं। दक्षिण अफ्रीकी टीम में डंकन लो (2), टायसेन ओसुलिवन (4), जोहान डू प्रीज़ (4), उलरिच स्पाइज़ (2) शामिल होंगे। हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि हर सीजन में इस तरह के अंतरराष्ट्रीय पोलो मैच आयोजित किए जाएं। यह मैच गुलाबी नगर के पोलो प्रेमी दर्शकों के लिए एक बड़ा उपहार होगा। उन्होंने जयपुर में इस अंतर्राष्ट्रीय मैच के आयोजन के लिए इंडियन पोलो एसोसिएशन (आईपीए) के मानद सचिव, कर्नल वीएस कहलों, वीएसएम को धन्यवाद दिया। उन्होंने जयपुरवासियों से भी बड़ी संख्या में इस मैच को देखने के लिए आने का आग्रह किया।

आज से विमेंस प्रीमियर लीग का आगाज, 5 टीमों के बीच 22 मुकाबले

नई दिल्ली, 13 फरवरी। विमेंस प्रीमियर लीग 2025 का 14 फरवरी से आगाज होने जा रहा है। टूर्नामेंट की पांच टीमों के बीच कुल 22 मैच खेले जाएंगे। इस सीजन का पहला मैच पिछले सीजन की विजेता टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु और गुजरात जायंट्स के बीच खेला जाएगा। बता दें कि, डब्ल्यूपीएल के अभी तक दो ही सीजन हुए हैं।साल 2023 में शुरू हुई इस लीग का पहला सीजन हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में मुंबई ने जीता था तो दूसरा सीजन 2024 स्मृति मंदाना की कप्तानी में आरसीबी ने जीता था। आरसीबी ने 2024 में कमाल का प्रदर्शन किया था। अब वह 2025 के सीजन के पहले मैच में गुजरात से भिड़ेगी।

वीमेंस प्रीमियर लीग 2025 में कुल 5 टीमें आपस में भिड़ेंगी। जिसके तहत सभी टीमों के बीच कुल मिलाकर 22 मैच खेले जाएंगे। का एलिमिनेटर मैच 13 मार्च को मुंबई में आयोजित होगा। वहीं इसके बाद फाइनल मैच 15 मार्च को खेला जाएगा। ये मैच भी मुंबई में ही खेला जाएगा। पिछले साल एलिस हीली ने सबसे ज्यादा रन बनाए थे। एलिसा को ऑरेंज कैप मिली थी, उस दौरान उन्होंने 347 रन बनाए थे। तो दूसरी तरफ श्रेयंका पाटिल ने सबसे ज्यादा विकेट 13 अपने नाम किए थे। बता दें कि, 2024 का फाइनल दिल्ली कैपिटल्स और आरसीबी के बीच खेला गया था। आरसीबी ने दिल्ली को 8 विकेट से मात दी थी।

खिलाड़ी डिजिटल रिपॉजिटरी में करे अपने सर्टिफिकेट अपलोड

स्पोर्ट्स प्रमाण-पत्र के लिए 'डिजिटल रिपॉजिटरी' पोर्टल खिलाड़ियों को समर्पित

जयपुर, 13 फरवरी। मुख्यमंत्री की बजट घोषणा की पालना में स्पोर्ट्स प्रमाण-पत्र के लिए डिजिटल रिपॉजिटरी पोर्टल खिलाडियों को समर्पित कर दिया गया है। जिसमें खिलाड़ियों ने सर्टिफिकेट अपलोड करना भी शुरू कर दिया है। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि अब रिपॉजिटरी पोर्टल खिलाड़ियों को उनके सभी खेल प्रमाण पत्रों को डिजिटल रूप में सुरक्षित रखने की सुविधा देगा, जिससे उन्हें भौतिक प्रमाण पत्रों की सुरक्षा की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। उन्होने बताया कि खिलाडी एस.एस.ओ. आइडी पर लोगिन करें, जंहा स्पोर्ट्स व यूथ पर क्लिक करके जीटूसी आइकोन पर क्लिक करे, जिसके बाद स्पोर्ट्स और यूथ पर क्लिक करें। इसके बाद अलग-अलग मोड दिखाई देगे, जिसमें डिजिटल रिपोजिटरी आईकन पर क्लिक करके जनाधार अपलोड कर देंने के बाद अपने आप डिटेल आ जायेगी। इसके बाद खिलाडी जिन प्रतियोगिताओं में खेले उनके सर्टिफिकेट अपलोड कर फिर सबमिट कर दे।

राजस्थान रॉयल्स ने साईराज बहुतुले को स्पिन बॉलिंग कोच नियुक्त किया

पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रॉयल्स के कोचिंग सेटअप में वापस लौटे, मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के साथ फिर से जुड़े

जयपुर, 13 फरवरी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की सबसे प्रतिष्ठित फ्रैंचाइजी में से एक, राजस्थान रॉयल्स ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर साईराज बहुतुले को टीम के स्पिन बॉलिंग कोच के रूप में नियुक्त करने की घोषणा करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है। 52 वर्षीय साईराज बहुतुले 2018-21 से सेटअप का हिस्सा रहे हैं और रॉयल्स में वापस लौटे हैं। उनके पास अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू अनुभव का खजाना है। भारतीय घरेलू क्रिकेट में एक दिग्गज, बहुतुले के पास प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 630 से अधिक विकेट और 6,000 रन बनाने का प्रभावशाली रिकॉर्ड है। उन्होंने दो टेस्ट और आठ वनडे मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और उसके बाद से एक सफल कोचिंग करियर में तब्दील हो गए हैं, जिसमें उन्होंने मुंबई, बंगाल, केरल और भारतीय राष्ट्रीय पुरुष टीम जैसी टीमों को सलाह दी है, जहाँ उन्होंने उभरती प्रतिभाओं को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बहुतुले का फ्रैंचाइज़ी में स्वागत करते हुए, राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा: सैराज की स्पिन गेंदबाजी की गहरी समझ और उनके व्यापक कोचिंग अनुभव ने उन्हें हमारी टीम के लिए एक अमूल्य जोड़ बना दिया है। युवा गेंदबाजों को सलाह देने की उनकी सिद्ध क्षमता राजस्थान रॉयल्स में हमारे विजन के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। उनके साथ पहले काम करने के बाद, मुझे विश्वास है कि उनकी अंतर्दृष्टि और मार्गदर्शन हमारे खिलाड़ियों को काफी लाभान्वित करेगा क्योंकि हम आगामी सीज़न में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करते हैं।" अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, साईराज बहुतुले ने टिप्पणी की: "राजस्थान रॉयल्स में फिर से शामिल होना एक बहुत बड़ा सम्मान है।

प्रतिभा को निखारने और क्रिकेट का एक रोमांचक ब्रांड खेलने के लिए फ्रैंचाइज़ी की प्रतिबद्धता मेरे अपने कोचिंग दर्शन से मेल खाती है। मैं राहुल और बाकी कोचिंग स्टाफ के साथ मिलकर हमारे गेंदबाजी आक्रमण को विकसित करने और टीम की सफलता में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं। साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य आगामी सीज़न में बड़ी उपलब्धियाँ हासिल करना है।" यह नियुक्ति 2025 के आईपीएल सीज़न की तैयारी के लिए विश्व स्तरीय कोचिंग समूह बनाने के लिए राजस्थान रॉयल्स के समर्पण को रेखांकित करती है।

जब आरसीए से खेल परिषद का एमओयू खत्म हो गया तो एकेडमी में होटल कैसे बिना एमओयू के संचालित हो रही है

होटल संचालक पर कौन मेहरबान ?

जयपुर, 13 फरवरी। आरसीए की ओर से कई करोड़ रुपए की बकाया भुगतान राशि नहीं देने के कारण खेल परिषद की ओर से राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन, राजस्थान क्रिकेट अकादमी के ऑफिस, सवाई मानसिंह स्टेडियम और होटल को कब्जे में ले रखा है। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन और खेल परिषद के बीच स्टेडियम को लेकर हुआ एमओयू 22 फरवरी, 2024 को खत्म हो गया था। इसके बाद राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन ने खेल परिषद से इसकी समय अवधि आगे बढ़ाने की मांग की थी लेकिन खेल परिषद ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की समय अवधि को आगे नहीं बढ़ाते हुए सवाई मानसिंह स्टेडियम और आरसीए एकेडमी को कब्जे में लिया था, इसको लेकर खेल परिषद सचिव ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव को पत्र लिखा था, जिसमें एमओयू खत्म होने के बाद फिर से एमओयू नहीं होने का हवाला दिया था। वहीं शर्तों के उल्लंघन का भी आरोप लगाया गया था जिसके बाद खेल परिषद ने कार्रवाई करते हुए स्टेडियम पर अपना कब्जा ले लिया और राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन पर खेल परिषद ने ताले लगा दिए थे। अब सवाल यह उठता है कि जब राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन जोकि सवाई मानसिंह स्टेडियम पर क्रिकेट का सुचारू संचालन करती थी उसे एमओयू के चलते बाहर का रास्ता दिखा दिया था। लेकिन राजस्थान क्रिकेट एकेडमी में संचालित होटल जिसका एमओयू राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन से था वो अब तक बिना किसी एमओयू के वहां कैसे संचालित हो रही है। जबकि पंकज सिंह जैसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी को भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। एकेडमी में होटल का संचालन किस टेंडर प्रक्रिया के अंतर्गत किया गया? खेल परिषद ने कब एमओयू किया या लीज़ पर दिया? इससे होने वाली इनकम का कौन धनी-धोरी है? इसका पता नही चल पाया है। क्रिकेटरो के जीवन को तराशती राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी ओर पंकज सिंह जैसे होनहार क्रिकेटर को स्टेडियम से बाहर का रास्ता दिखाने वाली खेल परिषद कैसे होटल संचालक पर किसके कहने या आदेश पर मेहरबान हो रही है। इस दाल में कितना कलापन है ये वक़्त बताएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को एक निजी होटल में जेनपैक्ट ग्लोबल मीट को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार राज्य में निवेश बढ़ाने के लिए सभी क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। हम सभी के प्रयासों से नए राजस्थान, बदलते राजस्थान, राइजिंग राजस्थान का सपना साकार होगा।

'राज्य सरकार ने अपने पहले ही बजट में कैपिटल एक्सपैंडिचर में 65 % से अधिक वृद्धि की है'

मु.मंत्री भजनलाल ने यह भी कहा कि, राज्य सरकार ने एप्पल, माइक्रोसॉफ्ट, ओरेकल, सिस्को व अडोबी जैसी कम्पनियों से साझेदारी की है। इससे बड़ी संख्या में इच्छुक युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण मिल रहा है

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को एक निजी होटल में जैनपैक्ट ग्लोबल मीट को सम्बोधित किया और जेनपैक्ट के गठन के 20 साल पूरे होने पर बधाई दी और कहा कि जयपुर और जोधपुर में जैनपैक्ट में कार्यरत 8 हजार लोगों में से 90 प्रतिशत स्थानीय हैं।**

जयपुर, 13 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दोगुना करने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। इसके लिए सरकार तथा निजी क्षेत्र द्वारा राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार राज्य में निवेश बढ़ ाने के लिए सभी क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। हम सभी के प्रयासों से नए राजस्थान, बदलते राजस्थान, राइजिंग राजस्थान का सपना साकार होगा।

शर्मा गुरूवार को एक निजी होटल में जेनपैक्ट ग्लोबल मीट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जेनपैक्ट के गठन के 20 वर्ष पूरे होने की बधाई देते हुए कहा कि जयपुर और जोधपुर में जेनपैक्ट में कार्यरत लगभग 8 हजार लोगों में 90 प्रतिशत से अधिक काम करने वाले स्थानीय हैं। यह पूरा इको-सिस्टम राज्य में रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट में भी जेनपैक्ट ने निवेश कर हजारों लोगों को रोजगार देने की योजना बनाई है। इस प्रोजेक्ट के लिए जमीन चिन्हीकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है और राज्य सरकार द्वारा इस प्रोजेक्ट को शीघ्र धरातल पर उतारने के लिए पूरा सहयोग कर रही है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने पहले बजट में ही कैपिटल एक्सपैंडिचर में 65 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की है। इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में निवेश को और अधिक बढ़ ाने के लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार द्वारा एप्पल, माइक्रोसॉफ्ट, ओरेकल, सिस्को, अडोबी जैसी अनेक कंपनियों से साझेदारी की गई है। इससे बड़ी संख्या में इच्छुक युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। जेनपैक्ट के सीईओ बी.के. कालरा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में निवेश में अभूतपूर्व काम हो रहा है। हाल ही में राज्य सरकार द्वारा आयोजित राइजिंग राजस्थान समिट से निवेशकों के लिए राज्य में निवेश की नई राह खुली है। उन्होंने कंपनी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जेनपैक्ट वर्तमान में राज्य में हजारों युवाओं को रोजगार दे रही है तथा आगे भी प्रदेश के विकास में वे अपनी सक्रिय सहभागिता निभाएंगे।

इस अवसर पर जेनपैक्ट के कंन्ट्री हैड पीयूष मेहता, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल सहित अधिकारीगण, जेनपैक्ट कंपनी के अधिकारी एवं देश-विदेश से आए प्रतिभागी उपस्थित रहे।

'20 माह पहले ही लगा देते राष्ट्रपति शासन तो इतना नुकसान नहीं होता'

नयी दिल्ली, 13 फरवरी। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन यदि 20 माह पहले ही लगा दिया होता तो वहां नागरिक हिंसा में मारे नहीं जाते और हजारों लोगों को विस्थापित नहीं होना पड़ता। पार्टी ने कहा है कि मणिपुर में आखिरकार वही हुआ जिसकी मांग कांग्रेस पिछले 20 माह से कर रही है, अब मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने मणिपुर में राष्ट्रपति

- **मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने पर टिप्पणी करते हुए कांग्रेस ने कहा।**

शासन लगाने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह तब हुआ है जब सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में संविधानिक तंत्र के पूर्ण रूप से ठप्प हो जाने की बात कही, जिसके चलते 03 मई 2023 से अब तक 300 से अधिक लोगों की हत्या और 60,000 से अधिक पुरुषों, महिलाओं और बच्चों का विस्थापन हुआ। यह तब हुआ है जब मणिपुर के सामाजिक ताने-बाने को गंभीर रूप से क्षति पहुंचने दी गई। यह तब हुआ है जब फरवरी 2022 में भाजपा और उसके सहयोगियों को भारी बहुमत मिला लेकिन उनकी राजनीति ने महज़ पंद्रह महीनों के भीतर इस भयानक त्रासदी को जन्म दिया।

उन्होंने कहा यह तब हुआ है जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर की स्थिति संभालने में पूरी तरह से विफल रहे जबकि इस दायित्व को प्रधानमंत्री ने उन्हें सौंपा था और यह तब हुआ है जब दुनिया भर में घूमने वाले प्रधानमंत्री मणिपुर जाने और वहां सुलह प्रक्रिया शुरू करने से लगातार इन्कार करते रहे।

नया इनकम टैक्स बिल लोकसभा में पेश

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करते समय नया इनकम टैक्स बिल लाने की घोषणा की थी

- **नए बिल में कर प्रणाली का सरलीकरण करने पर जोर दिया गया है।**
- **नए बिल में 536 सैक्शन, 16 अनुसूचियां व 23 चैप्टर्स हैं।**

नई दिल्ली, 13 फरवरी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नए इन्कम टैक्स बिल 2025 को लोकसभा में पेश कर दिया। यह बिल पुराने आयकर कानून से काफी अलग है। इस बिल के तहत टैक्स फाइलिंग से जुड़ी जटिलताओं को खासतौर पर कम करने की कोशिश की गई है। निर्मला सीतारमण ने सदन में इस बिल को पेश करते हुए कहा कि नए बिल के तहत शब्दों की संख्या घटाई गई है। लोकसभा में पेश किए गए इस नए बिल में कई अहम बदलाव किए गए हैं। इन्कम टैक्स एक्ट 2025 पहले से सरल, पारदर्शी और टैक्सपेयर के अनुकूल बनाने का दावा किया गया है। ज्ञातव्य है कि बीते दिनों वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट पेश करते समय इस बात का ऐलान किया था कि केंद्र सरकार नया आयकर बिल लेकर आ रही है।

नए टैक्स नियमों का बिल के पारित होने के बाद कई नए शब्दों का चलन बढ़ जाएगा। जैसे पहले फाइनेंशियल ईयर, प्रीवियस ईयर, असैसमेंट ईयर और ऐसे ही कई शब्दों का इस्तेमाल किया जाता था। वहीं अब इनकी जगह टैक्स ईयर शब्द का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे टैक्सपेयर्स को समझने में आसानी होगी।

नए बिल के तहत छूट से लेकर नए नियमों को अलग-अलग सैक्शन में विस्तार से बताया गया है। नए बिल के तहत कुल 536 सेंक्शन, 16 अनुसूचियां और कुल 23 चैप्टर्स हैं।

मौजूदा कानून में कुल 14 अनुसूचियां हैं लेकिन अब नए बिल में इसकी संख्या को बढ़ाकर 16 कर दिया गया है।

सरकार ने नए आयकर विधेयक 2025 को अप्रैल 2026 से तक लागू करने का प्रस्ताव दिया है। यानी यह साफ है कि नया कानून 1 अप्रैल 2026 से लागू हो सकता है।

नए कानून के तहत टोटल इन्कम कैलकुलेशन के लिए होम प्रॉपर्टी और कैपिटल गेन से इन्कम समेत कुछ धाराओं या अनुसूचियों के तहत कोई छूट या कटौती नहीं होगी।

नए कानून के तहत डिफेंस सर्विस, जैसे आर्मी, पैरा फोर्स और अन्य कर्मचारियों को मिली ग्रेच्युटी को टैक्स से छूट दी जाएगी। मेडिकल, होम लोन, पीएफ, हायर एजुकेशन पर लोन जैसे लोन्स पर टैक्स छूट जारी रखी गई है।

कहा जा रहा है कि नए बिल के कानून बनते ही अंग्रेजों के जमाने के ऐसे कई शब्दों का इस्तेमाल भी बंद हो जाएगा। इन शब्दों का इस्तेमाल बीते 60 साल से किया जा रहा है। साथ ही इन्कम टैक्स के नियमों में इस्तेमाल की भाषा को भी सरल बनाया जाएगा ताकि कोई भी आम इंसान इसे आसानी से समझ सके।

अमेरिका में भारी समर्थन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तुलना में गैर-सहयोगी राज्यों और शहरों की संघीय निधि रोकने के पक्ष में ज्यादा रुझान दर्शाया हैं।

जातीय या नस्लीय पृष्ठभूमि को अनदेखा कर दें तो डैमोक्रेट्स ट्रम्प की आप्रवासन नीतियों का भारी विरोध करते हैं। हालांकि, एशियाई (43 प्रतिशत) और अश्वेत (40 प्रतिशत) डेमोक्रेट्स प्रशासन के निर्वासन प्रयासों का समर्थन करते हैं, जबकि श्वेत (32 प्रतिशत) और हिस्पैनिक (27 प्रतिशत) डेमोक्रेट्स कम समर्थन दिर्शाते हैं। यह दर्शाता है कि राजनीतिक विचारों का जातीय और नस्लीय समूहों के भीतर भी गहरा प्रभाव है, जो अमेरिका में आप्रवासन मुद्दों पर गहरे ध्रुवीकरण को उजागर करता है।

जनता की ट्रंप की आप्रवासन नीतियों पर राय राजनीतिक रुझान के अनुसार काफी भिन्न है। रिपब्लिकन और रिपब्लिकन-झुकाव वाले स्वतंत्र लोगों में 74 प्रतिशत लोग महसूस करते हैं कि प्रशासन निर्वासन के मामले में उचित कदम उठा रहा है, जबकि केवल 12 प्रतिशत को लगता है कि यह पर्याप्त नहीं है और 13 प्रतिशत का मानना है कि यह अत्यधिक है।

इसके विपरीत, 73 प्रतिशत डेमोक्रेट्स और डेमोक्रेट्स-झुकाव वाले स्वतंत्र लोग मानते हैं कि प्रशासन निर्वासन के मामले में बहुत अधिक कर रहा है। केवल 21 प्रतिशत डेमोक्रेट्स को लगता है कि प्रयास पर्याप्त हैं, जबकि केवल 4 प्रतिशत मानते हैं कि प्रशासन पर्याप्त नहीं कर रहा है।

भारत को यकीन है,...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भविष्य के लिए मिलकर काम करते रहेंगे

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में एक नया अध्याय। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वॉशिंगटन डी.सी., अमेरिका की आधिकारिक कामकाजी यात्रा पर पहुंचे।

यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, अमेरिकी कैबिनेट के सदस्यों और उद्योग जगत के नेताओं से मिलेंगे।

पिछले महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाद से इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा और जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला के बाद उनसे मिलने वाले चौथे विदेशी नेता होंगे।

मोदी ब्लेयर हाउस में ठहरे हैं। बुधवार शाम को प्रधानमंत्री के यहां पहुंचने पर ब्लेयर हाउस के पास बड़ी संख्या में एकत्र हुए प्रवासी भारतीयों ने उनका जोरदार स्वागत किया।

जाने-माने चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं, बल्कि उनकी कंपनी आईपैक के जरिए। किशोर ने पिछली बार किशोर ने द्रमुक के लिए काम किया था।

इस आधार पर राजनैतिक विश्लेषक विजय और अन्नाद्रमुक के करीब आने की संभावना से इंकार नहीं कर रहे हैं। दोनों अपने वोटों को एकजुट कर सकते है। इससे द्रमुक की चिंताएं बढ़ सकती है।

सवाल यह है कि क्या एक्टर विजय और अन्नाद्रमुक (ई. पलानीस्वामी गुट) के बीच चुनावी समझौता हो सकता है?

राजनैतिक विश्लेषक हैरान हैं कि क्या प्रशांत किशोर दोनों को करीब लाकर आगामी विधानसभा चुनाव से पूर्व दोनों के बीच चुनाव पूर्व गठबंधन करवा सकते हैं? राज्य में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं।

एक्टर विजय एक महीने से जनसंपर्क अभियान पर सड़कों पर घूम रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि अप्रैल में विजय तमिलनाडु का तूफानी दौरा करेंगे। युवा वर्ग को साधकर विजय तमिलनाडु की राजनीति में विपक्ष की जगह लेना चाहते हैं और अन्नाद्रमुक अपने खोए जनाधार को पुन: पाने के लिए काम कर रही है। भाजपा भी अपना जनाधार बढ़ा रही है। अगर ये तीनों अलग-अलग दिशा में आगे बढ़े तो निश्चित रूप से द्रमुक को लाभ होगा और द्रमुक नहीं चाहती कि विपक्षी ताकतों का पुनर्गठन हो।

पर, अभी तो शुरुआत है। विशेषज्ञ कहते हैं कि विजय और उनकी पार्टी अकेले लड़े तो विपक्ष के वोट बंटेंगे और द्रमुक को लाभ होगा।

वक्फ संशोधन बिल पर जेपीसी रिपोर्ट संसद में पेश

लोकसभा में जेपीसी प्रमुख जगदंबिका पाल और राज्यसभा में सांसद मेधा कुलकर्णी ने रिपोर्ट पेश की

- **इस दौरान दोनों सदनों में विपक्षी सांसदों ने भारी हंगामा किया, जिससे सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी।**

नई दिल्ली, 12 फरवरी। बजट सत्र के पहले चरण के आखिरी दिन संसद में वक्फ संशोधित बिल पर जेपीसी रिपोर्ट पेश करने को लेकर हंगामा हुआ। राज्यसभा में भाजपा सांसद मेधा कुलकर्णी ने और लोकसभा में जेपीसी चेयरमैन और भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने इस रिपोर्ट को पेश किया। हालांकि, इसके बाद ही विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी, जिसके कारण सदन की कार्यवाही रोकनी पड़ी। जेपीसी में शामिल विपक्षी सांसदों ने आरोप लगाया कि समिति ने उनकी बात नहीं सुनी। तब इस विषय पर फिर से हंगामा हुआ।

राज्यसभा में रिपोर्ट पेश होने के बाद विपक्षी दलों के भारी हंगामा शुरू कर दिया। सुबह सदन की कार्यवाही आरंभ होने के कुछ ही देर बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मेधा विश्राम कुलकर्णी ने समिति की रिपोर्ट सदन में पेश की। रिपोर्ट पेश होते ही कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और वामपंथी दल सहित कुछ अन्य दलों के सदस्यों ने हंगामा शुरु कर दिया। हंगामा कर रहे सांसद आसन के निकट आ गए और नारेबाजी करने लगे।

हंगामे के बीच ही सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि वह राष्ट्रपति का एक संदेश सदन में पेश करना चाहते हैं। उन्होंने हंगामा कर रहे सदस्यों से अपने स्थानों पर लौट जाने और सदन में व्यवस्था बनाने की अपील की। इसके बावजूद हंगामा जारी रहा। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कुछ कहना चाहते थे, लेकिन सभापति ने इसकी अनुमति नहीं दी।

धनखड़ ने कहा कि भारत की प्रथम नागरिक और राष्ट्रपति पद पर आसीन पहली आदिवासी महिला का संदेश है यह और इसे सदन में पेश न होने देना उनका अपमान होगा। धनखड़ ने हंगामा कर रहे सांसदों से व्यवस्था बनाए रखने की अपील की और उन्हें कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

सुप्रीम कोर्ट ने "अवैध पत्नी" व "रखैल" जैसे शब्दों के इस्तेमाल के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट को फटकार लगाई

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा विवाह अमान्य होना कानूनी प्रक्रिया है पर इसका अर्थ यह नहीं है कि आप महिला को अवैध पत्नी कहे।**

नई दिल्ली, 12 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बॉम्बे हाईकोर्ट को फटकार लगाई। तलाक के मामले में हाईकोर्ट ने महिला के लिए "नाजायज़ पत्नी" और "वफादार मालकिन" जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। शीर्ष अदालत ने इसे महिला विरोधी बताते हुए कहा कि ऐसी भाषा न केवल संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ है, बल्कि महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली भी है। न्यायमूर्ति अभय एस ओका, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह के शब्दों का प्रयोग पूरी तरह अनुचित है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने बयान में कहा कि किसी महिला का विवाह अमान्य घोषित किया जाना एक कानूनी प्रक्रिया हो सकती है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि उसे "अवैध पत्नी" कहा जाए। अदालत ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 24वें पैराग्राफ में प्रयुक्त वफादार रखैल शब्द को भी कठोर शब्दों में खारिज किया।

शीर्ष अदालत ने इसे महिला अधिकारों और गरिमा का हनन बताया और कहा कि न्यायपालिका को अपने शब्दों के चयन में सतर्क रहना चाहिए, ताकि किसी भी वर्ग की गरिमा को ठेस न पहुंचे।

यह मामला हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 24 और 25 से जुड़ा है। धारा 24 के तहत मुकदमे के लंबित रहने तक भरण पोषण और कार्यवाही के खर्च की व्यवस्था की जाती है, जबकि धारा 25 में स्थायी गुजारा भत्ता और भरण पोषण का प्रावधान है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में परस्पर विरोधी विचारों पर सुनवाई कर रहा था। पीठ ने स्पष्ट किया कि महिलाओं के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने से न्यायपालिका की निष्पक्षता और संवैधानिक मूल्यों पर सवाल उठते हैं।

सुप्रीम कोर्ट की यह फटकार चर्चा में है। विशेषज्ञों का साफ कहना है कि अदालतों को न केवल कानूनी प्रावधानों का पालन करना चाहिए, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके निर्णय और टिप्पणियां किसी भी व्यक्ति, विशेषकर महिलाओं की गरिमा और संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन न करें। इस फैसले से न्यायपालिका में संवेदनशीलता और भाषा की शुद्धता को लेकर एक नई बहस छिड़ सकती है।

ट्रैक्टर ट्रॉली पलटी, 3 की मौत

भिंड, 13 फरवरी। मध्यप्रदेश के भिंड जिले के लहार अनुविभाग के बरहा गांव के नजदीक बीहड़ में एक पुल पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गयी। दुर्घटना में तीन महिलाओं की मौत हो गयी और एक दर्जन से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए दतिया जिले के सेंवढ़ा

- **हादसा मध्यप्रदेश के भिंड जिले के बरहा गांव के पास हुआ। इसमें तीन महिलाओं की मौत हो गई व एक दर्जन लोग घायल हो गए।**

अस्पताल में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से घायल लोगों को ग्वालियर रेफर किया गया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार दतिया जिले के मगरौल गांव से ट्रैक्टर पर सवार होकर 30 से 40 लोग कल रात्रि एक शादी समारोह में भिंड जिले के लहार आ रहे थे। ये सभी लड़की पक्ष के लोग बताए जा रहे हैं।

समरावता में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता राजेश गोस्वामी ने अदालत को बताया कि इस मामले में चार एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं और ऐसे में इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। ग्रामीणों ने उप चुनावों का बहिष्कार किया था और वे शांतिपूर्वक इसका विरोध कर रहे थे, लेकिन इस दौरान ही उन पर स्थानीय प्रशासनिक अफसरों व पुलिस अफसरों की ओर से दबाव बनाया गया और निर्दोष ग्रामीणों पर स्थानीय प्रशासन व पुलिस ने पत्थर फेंके। मामले में कोई कार्रवाई करने की बजाय पुलिस से उनके खिलाफ ही झूठी एफआईआर दर्ज कर ली। याचिका में कहा गया कि, प्रकरण में पुलिस निष्पक्ष जांच नहीं कर सकती। इसलिए मामले की हाईकोर्ट की मॉनिटरिंग में सीबीआई जांच कराई जाए। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने मामले की केस डायरी तलब की है।

गौतम अडानी ने श्रीलंका के एक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परियोजनाओं की समीक्षा कर रही है, जिन्हें अडानी समूह ने भारतीय सरकार के कूटनीतिक दबाव के तहत प्राप्त किया था।

कंपनी को दो परियोजनाओं में पवन ऊर्जा से बिजली उत्पादन के लिए कुल 1 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करना था और इसे उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए ट्रांसमिशन लाइनें बिछानी थीं।

अनुरा कुमारा प्रशासन अब इस परियोजना की समीक्षा कर रहा है। क्योंकि नए राष्ट्रपति बिजली की लागत को घटाना चाहते हैं। अदानी ग्रीन एनर्जी लि. (ए.जी.ई.एल.) ने कहा, "हालाँकि, हम श्रीलंका के प्रति प्रतिबद्ध हैं और भविष्य में सहयोग के लिए तैयार हैं, यदि श्रीलंका सरकार चाहती है तो।"

तथापि, कोलंबो में, श्रीलंका के सबसे बड़े बंदरगाह प्रोजैक्ट में अडानी समूह अभी भी काम कर रहा है, जिसमें उसका 700 मिलियन अमेरिकी डॉलर पैसा लगा हुआ है।

ए.ई.जी.एल. को मूल रूप से श्रीलंका के मन्नार और पूनरीयन क्षेत्रों में 484 मेगावाट की कुल क्षमता वाले दो पवन फार्म विकसित करने का कार्य सौंपा गया था, जिसमें 740 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जाना था।

यह परियोजना, जो 2026 के मध्य तक पूरी होने वाली थी, को पर्यावरणीय समूहों के विरोध के अलावा श्रीलंका की सुप्रीम कोर्ट में इकोलॉजिकल चिंताओं पर कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

पिछले साल मई में, श्रीलंका की पूर्व सरकार ने प्रस्तावित अडानी पवन संयंत्र से 0.0826 अमेरिकी डॉलर प्रति किलोवाट-घंटा की रेट से बिजली खरीदने पर सहमति दी थी।

तथापि, नई सरकार ने अडानी समूह के संस्थापक अध्यक्ष गौतम अडानी और उनके प्रमुख सहयोगियों के खिलाफ अमेरिकी अदालत में आरोप लगने के बाद अनुबंध की जांच शुरू कर दी थी। अडानी समूह पर आरोप था कि भारत में रिन्युएबल एनर्जी सप्लाई का अनुबंध प्राप्त करने के लिए उसने भारत में अधिकारियों को रिश्वत दी है।

जनवरी में, नई सरकार ने अडानी का पावर पर्चेज रद्द कर दिया और जांच शुरू कर दी। इसके बाद सरकार ने लागत को 0.06 अमेरिकी डॉलर प्रति यूनिट से नीचे लाने के लिए अनुबंध की शर्तों की समीक्षा और पुन: वार्ता करने का निर्णय लिया।

मांग को पूरा करने में असमर्थ, अडानी समूह प्रोजैक्ट से पीछे हट गया है।

समूह ने 12 फरवरी को यह कहते हुए श्रीलंकाई सरकार को अपना निर्णय सूचित किया, कि उसे यह जानकारी मिली है कि परियोजना के प्रस्ताव पर पुन: बातचीत के लिए कैबिनेट द्वारा नियुक्त दो समितियाँ गठित की जाएंगी।

ए.ई.जी.एल. के बोर्ड ने इस मुद्दे पर विचार किया और निर्णय लिया कि, कंपनी श्रीलंका के संप्रभु अधिकारों और उसके विकल्पों का पूरी तरह से सम्मान करती है, तथापि, वह इस परियोजना से सम्मानपूर्वक पीछे हटेगी।

मणिपुर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हिंसा की घटनाओं के कारण अस्थिरता की स्थिति बनी हुई थी। राज्य में हिंसा में करीब 200 लोगों की मौत हो चुकी है। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की घोषणा करते हुए गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का मानना है कि "ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है जिसमें इस राज्य की सरकार संविधान के प्रावधानों के अनुसार नहीं चल सकती।"

'आर.पी.एस.सी. के अफसरों के पेपर लीक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिकाकर्ताओं द्वारा तब भी अदालत में नियुक्तियों को चुनौती नही दी गई। उन्होंने कहा कि नई सरकार के गठन के बाद 16 दिसम्बर 2023 को नई सरकार ने घोषणा की थी कि पिछली गहलोत सरकार में आयोजित परीक्षाओं की जांच की जायेगी। इसके फलस्वरूप राज्य सरकार ने एस.आई.टी. का गठन किया और फरवरी-मार्च 2024 में मामले में पहली एफ.आई.आर. दर्ज की गई थी।

उन्होंने कहा कि अधिकतर याचिकाकर्ता इस जांच में एस.आई.टी. की सहायता भी कर रहे थे, परंतु ना तो परिणाम जारी करने के बाद, ना ही एफ.आई.आर. दर्ज किये जाने के बाद इन याचिकाकर्ताओं ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। विज्ञान शाह ने अदालत को कहा कि याचिकाकर्ताओं ने लगभग डेढ़ साल तक कोई याचिका दायर नहीं की और जिस दिन (13 अगस्त 2024) एस.ओ.जी. की रिपोर्ट गृह विभाग को सौंपी गई। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने अदालत से यह भी तथ्य छुपाये कि वह सभी परीक्षा में अभ्यर्थी थे और पुलिस और एस.ओ.जी में भी कर्मचारियों के पद पर नियुक्त थे। उन्होंने यह तथ्य बताकर यह बताने की कोशिश की कि याचिकाकर्ता अवांछित कारणों से प्रेरित होकर याचिका दायर कर रहे हैं और इनमें से कई याचिकाकर्ताओं ने लिखित परीक्षा के परिणाम को रद्द करने की गुहार नहीं की है, क्योंकि वह लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण थे और वह स्वयं लाभार्थी रहेंगे अगर साक्षात्कार में कई उच्च रेंक वाले अभ्यर्थियों को हटा दिया जाये। हालांकि, सभी याचिकाकर्ताओं ने दस मई भर्ती परीक्षा-2022 को पूर्णत: रद्द करने की गुहार की है।

राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि पहले दिन से ही राज्य सरकार ने मामले की जांच शुरू करने के लिये एस.आई.टी. गठित कर दी थी और कानूनी प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए जांच करवा रही है, परंतु जांच में यह तथ्य सामने आना कि आर.पी.एस.सी. के अफसर भी पेपरलीक में शामिल हो सकते हैं या हैं, से मामला जटिल हो गया है क्योंकि आर.पी.एस.सी. के अफसरों को सुप्रीम कोर्ट के द्वारा कराई गई जांच के बाद ही हटाया जा सकता है। अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह का कहना था कि अगर राज्य सरकार तुरंत ही परीक्षा निरस्त करती है तो गिरफ्तार किये गये अफसरों की देखरेख में आर.पी.एस.सी.द्वारा आयोजित परीक्षाओं पर प्रश्न चिन्ह खड़ा हो जायेगा और फिर सरकार को उन सभी परीक्षाओं को भी निरस्त करना पड़ सकता है।

उल्लेखनीय है कि हाईकोर्ट के समक्ष रिट पिटीशन 13 अगस्त 2024 को दायर की गई थी लेकिन इसका रजिस्ट्रेशन 20 अगस्त को हुआ था। तथ्यों के अनुसार, 31 अगस्त को अधिकारी रामू राम रायका की पुत्री और बेटे को जांच के दौरान गिरफ्तार किया गया था फिर 1 सितम्बर का रामूराम रायका को गिरफ्तार किया गया था। फिर 2 सितम्बर को आर.पी.एस.सी. अफसर बाबू लाल कटारा को भी गिरफ्तार किया गया था। यहां गौर फरमाने योग्य है कि दोनों गिरफ्तारियों के बाद भी महाधिवक्ता ने 5 सितम्बर 2024 को गृह विभाग को अपनी विधिक सलाह दी थी कि परीक्षा को रद्द किया जा सकता है जो गृह विभाग को 14 सितम्बर को मिली थी।

मामले से जुड़े अधिवक्ताओं का कहना है कि महाधिवक्ता के समक्ष इस मामले की जांच और कानूनी जटिलताओं की संपूर्ण पृष्ठभूमि स्पष्ट थी और इसके बावजूद उन्होंने परीक्षाओं को रद्द करने की सलाह दी। इन अधिवक्ताओं का कहना था कि परीक्षा को रद्द करने और उसे आर.पी.एस.सी. के अफसरों को हटाने के साथ क्यों उलझाया जा रहा है। राज्य सरकार के यह रुख अपनाने से हाई कोर्ट के गलियारों में और आमजन में भी यह आशंका फैल रही है कि याचिका खारिज करते ही सरकार जांच और गिरफ्तारियों के सिलसिले में ढिलाई लायेगी। उल्लेखनीय है कि गहलोत सरकार के दौरान रीट पेपर लीक को लेकर अदालत में याचिका दायर की गई थी। अदालत ने अपनी देखरेख में इसकी जांच एस.डी.जी. के अफसर अशोक राठौड़ को सौंपी थी।

सुनवाई के दौरान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष के लिप्त होने का भी जिक्र किया गया था।

हालांकि अंत में अदालत ने ए.डी.जी. अशोक राठौड़ की जांच को संपूर्ण मानते हुए याचिका इस आदेश के साथ खारिज कर दी थी कि मामले की जाँच जारी रहेगी और सभी अपराधियों को गिरफ्तार किया जायेगा। परन्तु, याचिकाओं के बाद किसी भी बड़े अफसर या नेता की गिरफ्तारी नहीं की गई। और ना ही पेपर लीक के सरगनाओं को पकड़ा गया। वर्तमान में भी यह चर्चा होना कि याचिकाओं के खारिज करने के बाद किसी भी बड़े अफसर की गिरफ्तारी नहीं होगी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908